फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 149 प्रभात जयपुर, बुधवार 31 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

ARBiT

The Bells Forgot To Ring Out The...

Neighbours will be envious of each other, this is the nature of humanity. Especially if one of them is bigger, richer, more successful. Bangladesh is tired of being grateful to India for its independence, Pakistan hates to see prosperity across the border

A Cinematic Dialogue with Dostoevsky

Sahir was adamant that the music director for this film must have read Crime and Punishment, also grasped its psychological and philosophical depth

राहुल गांधी से नज़दीकी का भरपूर लाभ उठा रहे हैं वेणुगोपाल राजस्थान में

प्रभारी रंधावा की मदद से वे डोटासरा की प्रदेशाध्यक्ष की कुर्सी बचाने की पूरी कोशिश में हैं तथा सी.डब्ल्यु.सी. बैठक में भी उन्होंने जमकर प्रदेशाध्यक्ष का खुलकर गुणगान किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। संगठन के प्रभारी एआईसीसी महासचिव होने के नाते एक निष्पक्ष अंपायर होने के बजाय, के सी वेणुगोपाल विभिन्न राज्यों की इकाइयों में चल रहे झगड़ों का हिस्सा क्यों बन रहे हैं?

उदाहरण के लिए राजस्थान को ही ले लीजिए, लोकसभा में चुने जाने से पहले वे राजस्थान से राज्यसभा सांसद थे।

वेणुगोपाल ने सीडब्ल्यूसी की एक बैठक में राजस्थान कांग्रेस की खुलकर तारीफ की और कहा कि वे कितना शानदार काम कर रहे हैं और उन्हें सराहा जाना चाहिए। यह तारीफ असल में पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा और राजस्थान के प्रभारी एआईसीसी महासचिव रंधावा के लिए थी।

- वेणुगोपाल की, अपनी मर्ज़ी से पार्टी को चलाने की प्रवृत्ति से दुखी मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी व पार्टी के कई वरिष्ठ नेता काफी नाखुश हैं तथा राहुल गांधी भी रक्षात्मक मुद्रा में आ गए हैं।
- यह भी साफ दिखने लगा है कि अपने व्यक्तिगत एजेण्डा के तहत किसी नेता को पनपाने तथा किसी को गिराने की वेणुगोपाल की आदत अब वेणुगोपाल को भारी पड़ेगी तथा नए साल में संभवतया, मलमास की समाप्ति के बाद, जो भारी परिवर्तन होने की चर्चा है कांग्रेस में, उस परिवर्तन में वेणुगोपाल को झटका लग सकता है।
- क्योंकि, उनके एकतरफा निर्णयों से राजस्थान में जातिगत समीकरण बहुत बिगड़ गए हैं तथा यह भी साफ दिखने लगा है कि किन्हीं कारणों से वे डोटासरा को प्रदेशाध्यक्ष बनाए रखना चाहते हैं, शायद सचिन पायलट का रास्ता ब्लॉक करने के लिए।

रंधावा कट्टर जाट सिख हैं और जाटों के मामले में काफी सख्त माने जाते हैं, जबकि डोटासरा भी जाट हैं और वे राज्य में अन्य जातियों की कीमत पर जाटों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन दोनों ने मिलकर एक टीम बना ली है और वेणुगोपाल भी इस टीम का हिस्सा हैं, क्योंकि वे पंजाब गुट से जुड़े हुए हैं और उसे कंट्रोल करते हैं, जिससे रंधावा भी जुड़े हैं।

जैसा कि इस संवाददाता ने पहले भी रिपोर्ट किया है, राजस्थान में जातिगत समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए हैं, क्योंकि सिर्फ एक ही जाति पर ध्यान दिया जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि वेणुगोपाल का दूसरा एजेंडा यह है कि वे अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांस्टेबल भर्ती की महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई व वजन पुनः नापें'

जयपुर, 30 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2025 से जुड़े मामले में महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई और वजन की पुनः माप करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को कहा है कि वे इस संबंध में मेडिकल बोर्ड का गठन करें और याचिकाकर्ता की ऊंचाई और वजन की पुनः माप करते हुए रिपोर्ट एडीजी, भर्ती को सीधे भेज दें। इसके साथ ही अदालत ने मामले में गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी भर्ती और एसपी दूरसंचार को नोटिस जारी कर

- हाई कोर्ट ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को इसके लिए मैडिकल बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए।

जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश पूजा रावत की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार की ओर से आयोजित कांस्टेबल भर्ती-2025 में भाग लिया था, जिसकी लिखित परीक्षा में पास होने के बाद उसे मेडिकल के लिए बुलाया गया। याचिका में मेडिकल के परिणाम को चुनौती देते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी अपनी विदेश यात्रा का प्रोग्राम रद्द कर, रणथंभौर पहुँचे पूरे परिवार के साथ

रणथंभौर में प्रियंका गांधी के पुत्र, 25 वर्षीय रेहान की उनकी पुरानी गलफ्रैंड अवीवा बेग के साथ सगाई कार्यक्रमों में भाग लेंगे राहुल

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी सात साल पुरानी प्रेमिका अवीवा बेग से सगाई कर ली है।

- अवीवा बेग की माँ नंदिता बेग, प्रियंका गांधी की पुरानी मित्र हैं, इंटीरियर डिज़ाइनर हैं तथा उनके पति इमरान बेग एक सफल बिज़नैसमैन हैं तथा बेग परिवार दिल्ली में रहता है।

रेहान वाड्रा, 25, ने सोमवार को अपनी प्रेमिका अवीवा बेग को दोनों परिवारों की मौजूदगी में "प्रप्रोज़"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

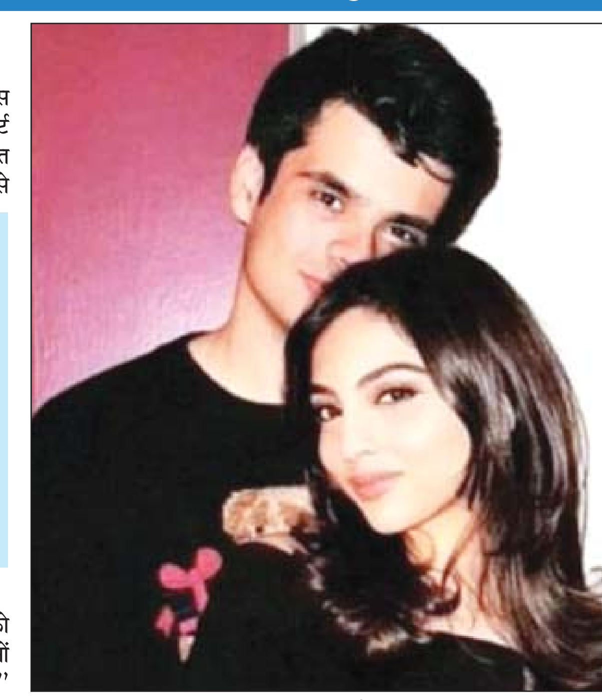

रेहान वाड्रा-अवीवा बेग।

सिंधु जल विवाद पर भारत ने पाकिस्तान को एक और करारा झटका दिया

भारत ने चेनाब नदी पर दुलहस्ती पावर प्रोजैक्ट के द्वितीय चरण को मंजूरी दे दी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। सिंधु नदी की पश्चिमी सहायक नदियों का तेजी से उपयोग करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, पर्यावरण मंत्रालय ने किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की "दुलहस्ती स्टेज-2" जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिस पर पाकिस्तान की ओर से तुरंत प्रतिक्रिया आई है। पीपीपी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) नेता और पूर्व फैडरल मंत्री शेरी रहमान ने कहा, "यह कदम 1960 की सिंधु जल संधि के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है तथा इससे पाकिस्तान के जल अधिकार कमज़ोर होते हैं और क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है।"

- जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बनने जा रहा 260 मैगावाट के दुलहस्ती स्टेज-2 पावर प्रोजैक्ट को लेकर पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला गया है।
- पाकिस्तान का कहना है कि इससे खेती को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलेगा, पाकिस्तान में खाने का संकट पैदा हो जाएगा।
- ज्ञातव्य है कि पहलगाम अटैक के बाद भारत ने 1960 में हुई सिंधु जल संधि खत्म कर दी थी और इस संधि के तहत रावी, व्यास सतलुज पर भारत का तथा झेलम, चेनाब और सिंधु पर पाकिस्तान का अधिकार था।

पाकिस्तान प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था।

दुलहस्ती स्टेज-2 परियोजना को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में भारी कोहरा 115 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण मंगलवार को 115 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं और 16 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा।

दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह नौ बजे तक विभिन्न एयरलाइंस की यहां से जाने वाली 58 उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा, दूसरे शहरों से यहां आने वाली 60 उड़ानें भी रद्द रहीं। यहां आने वाली 16 उड़ानों को दूसरे शहरों में डायवर्ट करना पड़ा। इसके अलावा 200 से अधिक उड़ानों में देरी होने की खबर है।

- दिल्ली हवाई अड्डे के अफसरों ने बताया कि 16 उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट करना पड़ा।

दिल्ली हवाई अड्डे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि सोमवार रात 10 बजे के बाद से ही कैट-3 की प्रक्रिया के तहत उड़ानों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1943 में 30 दिसंबर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पहली बार भारत का राष्ट्रीय "ध्वज" फहराया था, अंडमान-निकोबार में

भाजपा ने प्रतीकात्मक तरीके से 30 दिसंबर को अपना चुनाव अभियान शुरु किया बंगाल में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 30 दिसंबर 1943 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहली बार स्वतंत्र और संप्रभु भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराने की वर्षगांठ का लाभ उठाते हुए, भाजपा ने आज बंगाल में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की।

यह भाजपा के लिए एक नया तरीका था, जिसमें वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में लोगों को लुभाने के लिए बंगाली भावनाओं को भुनाने की कोशिश कर रही है। पार्टी के लिए आशाजनक बात यह थी कि पिछले चुनावों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ता रहा है और अब पार्टी लगभग तृणमूल के बराबर पहुंच गई है।

- अब तक तृणमूल सबसे आगे रहती थी, बंगाली "सैंटीमैंट" को उभारने में और उसका राजनीतिक लाभ उठाने में।
- पर, इस बार, शायद ममता जी को 30 दिसंबर का महत्व ध्यान में नहीं आया और वे चूक गईं और भाजपा ने इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस को मात दे दी।
- साथ ही ममता जी, कुछ हतप्रभ सी हैं, क्योंकि, उन्हें पहली बार, मुस्लिम कट्टरपंथियों में कुछ बगावत की हवा भी दिख रही है, अतः ममता जी हिंदू समर्थक कदम भी उठाने पर मजबूर सी हो गई हैं।
- यह भांपते हुए, अमित शाह ने बांग्लादेश से घुसपैठियों के मुद्दे को चुनाव अभियान का मुख्य मसला बना दिया है।

तृणमूल कांग्रेस, जो बंगाल की भावनाओं से जुड़ी हर चीज़ को तुरंत हथियाने में सबसे तेज़ है, लगता है, इस बार इस दिन को याद करने और इसका जश्न मनाना भूल गई। भाजपा ने तृणमूल से सीख लेते हुए, इस दिन को अपने राजनीतिक अभियान की शुरुआत के लिए इस्तेमाल किया।

दूसरी ओर तृणमूल ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा "दुशासन" का प्रतीक है। बनर्जी अब कुछ उलझन में हैं और मुस्लिम असंतोष का सामना कर रही हैं, इसलिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो को जीएसटी से दो नोटिस

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने 458.26 करोड़ रुपये से अधिक के लिए दो अलग-अलग नोटिस जारी किये हैं।

दिसंबर के पहले सप्ताह में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करने के बाद कंपनी को जीएसटी विभाग से अब तक तीन नोटिस मिल चुके हैं।

- 458.26 करोड़ रु. भरने के आदेश।

एयरलाइंस ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे दक्षिणी दिल्ली कमिश्नरेट के केन्द्रीय जीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त से 29 दिसंबर को यह नोटिस प्राप्त हुआ है। इसमें 4,58,26,16,980 रुपये का जीएसटी, ब्याज और जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। यह मांग वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए है। जीएसटी विभाग ने इस नोटिस में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त मुआवजे पर जीएसटी के साथ ब्याज और जुर्माने की मांग की है। साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन के आवास पर यूक्रेन के ड्रोन हमले पर प्र.मंत्री मोदी ने गहरी चिंता जताई

प्र.मंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, यूक्रेन वॉर का तनाव निरंतर बढ़ रहा है, ऐसे में शांति स्थापना के लिए एकमात्र रास्ता कूटनीति है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निवास पर हमले की खबरों से वे काफी चिंतित हैं। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि यूक्रेन युद्ध लगातार बढ़ रहा है, युद्ध से जुड़े तनावों के बीच शांति स्थापना के लिए कूटनीति ही एकमात्र मार्ग है।

मोदी ने एक्स पर लिखा "रूस के राष्ट्रपति के निवास को निशाना बनाए जाने की रिपोर्ट्स पर गहरी चिंता व्यक्त करता हूं। चल रहे कूटनीतिक प्रयास शत्रुता समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिए सबसे व्यवहारिक रास्ता प्रदान करते हैं। हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे इन प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित रखें और किसी भी ऐसी कार्रवाई से बचें जो इन्हें कमज़ोर कर सकती हो।" मोदी का संदेश भारत-रूस संबंधों की स्थिति को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री का बयान तब आया, जब रूस ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने पुतिन के सरकारी निवास को निशाना बनाने की कोशिश की, जो मॉस्को के पश्चिमी हिस्से, नोवगोरोड क्षेत्र में स्थित है, हालांकि कीव ने इस आरोप से इनकार किया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति पुतिन उस समय निवास में मौजूद थे, जब कथित हमला हुआ।

हालांकि, यूक्रेन ने हमले के आरोपों को खारिज किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेन्स्की ने इन दावों को "झूठ का एक और पुलिंदा" करार दिया, जो रूस द्वारा नए हमलों को सही ठहराने और कूटनीतिक प्रयासों को कमज़ोर करने के लिए फैलाए जा रहे थे।

- ज्ञातव्य है कि रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन अटैक किया है और इसका जवाब दिया जाएगा।
- यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस के आरोपों को झूठ का पुलिंदा बताया व कहा कि अभी जो शांतिवार्ता चल रही है, उसे रोकने के लिए रूस ये झूठ फैला रहा है।
- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा, यूक्रेन के पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले की खबरों से वे बेहद गुस्से में हैं।

ज़ेलेन्स्की ने कहा कि दरअसल, मॉस्को यूक्रेन के सरकारी भवनों पर हमले की योजना बना रहा है और यूक्रेन-अमेरिका वार्ताओं की प्रगति को पटरी से उतारने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने ट्रम्प से अपील की कि वे रूस के बढ़ते खतरे के संदर्भ में प्रतिक्रिया दें।

वहीं, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन ने 28-29 दिसंबर को पुतिन के निवास पर लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च किए थे, जिनमें से सभी को रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी घायल नहीं हुआ और न ही कोई क्षति हुई।

लावरोव ने इस कथित घटना को "स्टेट टैररिज़्म" बताते हुए चेतावनी दी कि मॉस्को अपनी वार्ता की स्थिति की समीक्षा करेगा, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि रूस वार्ता छोड़ने का कोई इरादा नहीं रखता।

लावरोव ने कहा, "ऐसी मनमानी कार्रवाहियों को उत्तर दिए बिना नहीं छोड़ा जाएगा," लावरोव ने साथ ही यह भी जोड़ा कि रूस की सशस्त्र सेनाओं द्वारा प्रतिशोधात्मक हमलों के लिए लक्ष्य पहले ही तय कर लिए गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कथित हमला उस समय हुआ, जब शांति समझौते पर बातचीत चल रही थी।

रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को ने अपने वरिष्ठ अधिकारी की बात को आगे बढ़ाते हुए यह दावा किया कि ब्रिटेन ने यूक्रेन की नवीनतम भड़काऊ कार्यवाही में भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य शांति प्रक्रिया को बाधित करना था, यह जानकारी राज्य समाचार एजेंसी "तास" द्वारा दी गई।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि पुतिन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना के ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकेंगे

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। बेंगलुरु में एक बड़ा और गर्व का पल साकार हुआ। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव-न्यू जनरेशन (एनजी) ने मंगलवार को अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली।

यह उड़ान ध्रुव प्लेटफॉर्म को सिविल और निर्यात बाजारों में नई ताकत देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एचएएल की ओर से डिजाइन और निर्मित ध्रुव एनजी एक 5.5 टन वजनी,

- हैलीकॉप्टर बनाने वाली कम्पनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बताया कि इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिस तरह रंग सादगी को निखार देते हैं उसी तरह सादगी भी रंगों को निखार देती है। सहयोग सफलता का सर्वश्रेष्ठ उपाय है। –मुक्ता

बदल रहे भारत का नये वर्ष में प्रवेश

इतिहास में ऐसा समय आता हैं जब कुछ चीजें सतह पर नहीं बदलतीं, न ही उन स्पष्ट तरीकों से जिन्हें सांख्यिकी या जीडीपी चार्ट से मापा जा सके। वे अपनी पहचान के दायरे में बदलती हैं। इक्कीसवीं सदी के पहले 25 वर्षों की यात्रा पूरी करके कल हम नये साल में प्रवेश कर रहे हैं। यह वह समय है जब भारत अनेक सीमाएं पार कर रहा है। इक्कीसवीं सदी के इस चौथाई हिस्से में इस देश में जबरदस्त मनोवैज्ञानिक बदलाव आया है। यह बदलाव सिर्फ अकादमिक रूपांतरण या बौद्धिक पुनरुत्थान का नहीं है, यह कुछ ज्यादा गहरा, अधिक मौलिक है। भारत की आर्थिक जंजीरें टूट चुकी हैं और अब उसे रोका नहीं जा सकता। इसे हम यहां के युवाओं की आंखों में देख सकते हैं। अब कोई संदेह नहीं है। अब किसी और के प्रगति मॉडल के आगे झुकने की जरूरत नहीं है। अब आत्मविश्वास है, कि हम जानते हैं कि हम कौन हैं। और ऐसा होने के लिए हमें किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। सदियों तक भारत दूसरों द्वारा, और खुद यहां के लोगों द्वारा, अपने को शासित, प्रबंधित और निर्देशित देश के रूप में देखा जाता रहा है। विदेशी विचारों और उनके हितों के बोझ तले इसकी अपनी चमक फीकी पड़ती चली गई। इसके अपने मिथक और दर्शन, जो कभी गहन सार्वभौमिक विचारों के उद्गम स्थल थे, उन्हें हीन, पिछड़ा तथा आदिम मान लिया गया। सदियों से भारत एक ऐसी सभ्यता रही जिसे बताया जाता रहा कि उसे अपने बारे में क्या सोचना है। भारत को जिस ढांचे में गढ़ा गया वह सिर्फ़ आर्थिक उपनिवेशन नहीं था, वह एक मनोवैज्ञानिक आधिपत्य भी था। इस तरह भारत न केवल विजेता की छाया में रहा, बल्कि परिभाषा की छाया में भी रहा। ऐसा सिर्फ़ इसलिए नहीं हुआ कि बाहरी लोग आए और यहां शासन किया। बल्कि उन्होंने, खासकर अंग्रेजों ने, भारत कैसा है इसकी पटकथा लिखी। उन्होंने भारत से कहा–"यह आपकी पहचान है, अब दुनिया में यह आपका स्थान है, हमने आपके लिए जो रेखाएं खींची हैं, उनके भीतर ही रहें।" भारत उन कहानियों को दोहराता रहा, जिन्होंने इसे रहस्यवाद की भूमि के रूप में प्रस्तुत किया। पश्चिम ने तय किया कि भारत अनोखा हो सकता है लेकिन उत्कृष्ट नहीं;आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन रणनीतिक नहीं; सांस्कृतिक हो सकता है लेकिन शक्तिशाली नहीं। इन कहानियों ने जनमानस में जड़ें जमा लीं। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब एक सभ्यता को बाहर से नहीं बल्कि अंदर से एक अलग आवाज़ सुनाई देने लगती है, जो कहती है ये कहानियां कभी हमारी नहीं थीं। वे यह नहीं दर्शातीं कि हम कौन हैं। वह क्षण धमाकेदार नहीं होता। यह दुदुंभी बजाते नहीं आता, लेकिन जब आता है तो सब कुछ बदलना शुरू हो जाता है। और यह समय शुरू हो गया है।

ऐसा मानने वाले कम नहीं हैं कि भारत कभी भी, सच में, सोया नहीं था, वह बस खामोश था। फिर कुछ ऐसा हुआ कि भारतीयों ने दूसरों से अनुमोदन की मांग करना बंद कर दिया। यह मामूली बात लगती है, लेकिन यही सब कुछ है। उन्होंने दूसरों की दृष्टि से देखना बंद कर दिया और घोषणा कर दी कि हम खुद को अपनी दृष्टि से देखेंगे। यही वह क्षण होता है जब सभी बाहरी नियंत्रण समाप्त हो जाते हैं। ऐसा इसलिए नहीं होता कि उपनिवेशवादी चले जाते हैं या राजनेता बदल जाते हैं। यह तब होता है जब लोग आत्मबल से कहते हैं 'हम हैं।' यह आत्मविश्वास इस देश के लोगों को महात्मा गांधी ने दिया। उपनिवेशी शासन ने भारत पर नियंत्रण तब ही खोदिया था जब गांधी के नेतृत्व में भारतीय मन ने कहा कि हम आपके अधीन नहीं हैं। इसे देश के करोड़ों लोगों ने यह महसूस किया और सत्य और अहिंसा का आत्मबल पाया। भारत का वही आत्मबल अब आजादी के इतने वर्षों बाद खुलकर दिख रहा है जिसमें यह देश–दुनिया द्वारा परिभाषित नहीं किया जा रहा है। यह खुद को परिभाषित कर रहा है। आज उसके वैज्ञानिक न केवल दुनिया की डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रमुख संस्थानों को संचालित कर रहे हैं बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में दुनिया की होड कर रहे हैं। विश्व मंच पर स्वीकार किए जाने के लिए किसी और की तरह दिखने, काम करने, बोलने और सपने देखने के दबाव को झेलने वाले भारत बदल गया है। इस मनोवैज्ञानिक बदलाव में अहंकार या श्रेष्ठता का भाव नहीं है। यह वह समय है जब लोगों को एहसास हो रहा है कि अब वे तीसरी दुनिया नहीं है, जो पहली दुनिया की समस्या हो। वे एक उपस्थिति हैं जिन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए। उनकी परंपराएं अप्रचलित नहीं हैं, बल्कि कालातीत हैं, सनातन है; उनकी भाषाएं बोझ नहीं बल्कि पुल हैं; उनकी जटिलता अराजकता नहीं बल्कि एक तरह की व्यवस्था है जिसे दुनिया अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाई है। परिवर्तन का यह समय एक तरह का आध्यात्मिक विद्रोह है। आज ऐसा नया भारत बन रहा है जिसे दुनिया परिभाषित नहीं कर पा रही है, क्योंकि अब दुनिया भारत का एक ऐसा संस्करण देख रही है जो गर्व करने की किसी से अनुमति नहीं मांगता है। यह केवल धारणा में बदलाव नहीं है, यह रुख में बदलाव है। भारत दुनिया से यह नहीं पूछ रहा है कि वह कहां फिट बैठता है। वह खुद परिभाषित कर रहा है कि वह कहां खड़ा है। यह उसके आत्म–सम्मान की वापसी का समय है। यह 140 करोड़ से ज्यादा लोगों की उस सामूहिक अपेक्षा का शांत और ज्वलंत अहसास है कि अब उन्हें अपने अस्तित्व के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। भारत आज अपनी कहानियां फिर से लिख रहा है। यह अनुमोदन की प्रतीक्षा नहीं कर रहा है। यह मान्यता की मांग नहीं कर रहा है। यह अंततः अपने स्वयं के आख्यान में बोल रहा है। इक्कीसवीं सदी की पहली चौथाई में भारत की वैश्विक भूमिका बदली हुई हैं। वह अब केवल वैश्विक घटनाओं का दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार और कई मामलों में नेतृत्वकर्ता बन रहा है। मौन भारत की वैश्विक कूटनीति है। वह शांत है लेकिन अडिग है। यह उधार की महत्वाकांक्षा नहीं है। वह जैविक है। वह घरेलू है और वह अटूट है। भारत अब केवल दुनिया पर प्रतिक्रिया नहीं कर रहा है, यह इसके साथ शर्तें तय कर रहा है। इसकी नीतियां मुखर हैं, इसकी साझेदारियां रणनीतिक हैं। इसकी भौतिक, मनोवैज्ञानिक, कूटनीतिक सीमाएं दृढ़ हैं क्योंकि यह जानता है कि इसके पास क्या है। किन्तु इस नये भारत का उदय सभी के लिए आरामदायक नहीं है। बहुतेरे लोग ऐसा सोचते हैं कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। ऐसे लोग भी हैं जो पुराने संस्करण को पसंद करते हैं। इक्कीसवीं सदी की पहली चौथाई जब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो रही है तब हम पाते हैं कि यह कालखंड केवल समय का प्रवाह नहीं था, बल्कि भारत के लिए गहरे सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और राजनीतिक रूपांतरण का दौर है।

> **आज ऐसा नया भारत बन रहा है जिसे दुनिया परिभाषित नहीं कर पा रही है, क्योंकि अब दुनिया भारत का एक ऐसा संस्करण देख रही है जो गर्व करने की किसी से अनुमति नहीं मांगता है। यह केवल धारणा में बदलाव नहीं है, यह रुख में बदलाव है। भारत दुनिया से यह नहीं पूछ रहा है कि वह कहां फिट बैठता है। वह खुद परिभाषित कर रहा है कि वह कहां खड़ा है। यह उसके आत्म-सम्मान की वापसी का समय है।**

देश जब नये साल में प्रवेश कर रहा है, तब यह समय केवल उत्सव का ही नहीं, बल्कि आत्ममंथन और भविष्य की दिशा तय करने का भी है। यह समय यह प्रश्न पूछने का भी है कि भारत जहां पहुंचा है, वहां किन चुनौतियों से जूझ रहा है और आने वाले वर्षों में उसे कौनसी राह चुननी है? इस सवाल का जवाब खोजना है कि विकास की इस कहानी में असमानता का साया क्यों बना हुआ है? सशक्त भारत अपने आर्थिक विकास के फल समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वह क्या जतन कर रहा है? इक्कीसवीं सदी की चौथाई सदी पूरी होना केवल एक समय–सीमा नहीं, बल्कि एक पड़ाव है। नये साल में भारत के पास अवसर है कि वह बीते अनुभवों से सीखे और भविष्य के लिए स्पष्ट दृष्टि बनाए। शिक्षा में गुणवत्ता, स्वास्थ्य में समावेशन, रोजगार में सम्मान, लोकतंत्र में विश्वास और पर्यावरण में संतुलन को आने वाले समय में भारत की पहचान बनाना है। नये साल का यह संकल्प केवल सरकारों का नहीं, बल्कि हर नागरिक का होगा तब बात बनेगी। भारत का भविष्य केवल नीतियों से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना और साझी जिम्मेदारी से बनेगा। इक्कीसवीं सदी की अगली तीन चौथाई सदी भारत के लिए निर्णायक होगी। सामाजिक सौहार्द, समावेशन और आपसी विश्वास को मजबूत करना आने वाले वर्षों की सबसे बड़ी आवश्यकता होगी। भारत की विविधता उसकी शक्ति तब ही है,जब हम उसे विभाजन का कारण न बनने दें। नये साल में हमें पुरानी स्मृतियों में नहीं जाना है। किसी स्वर्णिम युग को फिर से जीने की भी कोशिश नहीं करनी है। हमें किसी की नकल करने की बजाय अपने खुद अपने मूल के रूप में विकसित करना है और ऐसा भवन बनाना है जिसमें विचारों की खूब खिड़कियां हों और वे खुली रहें। हम विचारों पर बहस करें, झगड़ें नहीं। महात्मा गांधी ने हमें ऐसा आत्मबल दिया है जो लोगों को अपना सिर ऊंचा करके चलने का तरीका सिखाता है। भारतियों की सबसे बड़ी पूंजी यह याद रखने की है कि वे जानते हैं कि वे एक सभ्यता हैं, जो विजय से नहीं बल्कि निरंतरता से परिभाषित होती है, नियंत्रण से ग्रस्त नहीं है, बल्कि सह–अस्तित्व से परिभाषित होती है; सत्य और अहिंसा से परिभाषित होती है। इसी समझ के साथ नये वर्ष में हमारा प्रवेश ही शुभ होगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

नववर्ष 2026 को सुखमय, स्वस्थ और खुशहाल बनाने के आसान उपाय

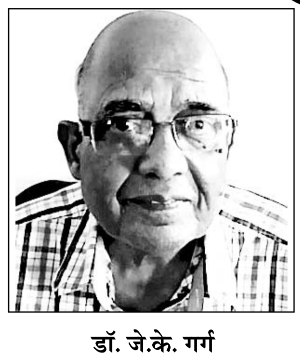

डॉ. जे.के. गर्ग

नव वर्ष में अपने जीवन को सुखी खुशहाल स्वस्थ आनन्द दायक मनाने के लिये निम्न उपायों को अपनाए। खुशी आदमी के भीतर ही होती है तथा रिलेक्स मन ही प्रगति और खुशहाली का प्रवेशद्वार है। वास्तव में सभी इन्सान और अन्य प्राणी अविनाशी पवित्र और शांती प्रिय आत्मायें हैं और परमपिता परमात्मा की संतान है जिसका कोई रंग नहीं ना ही कोई धर्म ना ही कोई लिंग है।

धर्म का चेहरा तो उनको समाज ने दिया है। याद रक्खें कोई धर्म आपस में घृणा और वैर करना नहीं सिखाता है। आपस में वैमनस्य फैलाने का काम तो तथाकथित धर्म के स्वार्थी ठेकेदार ही करते हैं। सद्भाव के लिये हर इंसान को बापूजी के भजन 'ईश्वर–अल्लाह एक ही नाम, सबको सन्मति दे भगवान' का सच्चे दिल से पालन करें।

भारत विभिन्नता में एकता की अद्धभुत मिसाल है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बोध, जैन, फ़ारसी अपनी–अपनी आस्था अनुसार पूजा–अर्चना करते हैं। एक–दूसरों के पर्व में भाग लेते हैं। भाई–भाई के रूप में रहते हैं। धर्म निरपेक्षता हमारे संविधान के मुख्य स्तम्भ है।

सुखी जीवन के लिए सभी को स्नेह, प्रेम और प्यार दें। याद रखे कि आशाओं का जीवन काल अनंत होता है वहीं दूसरी तरफ निराशा और असफलता का जीवनकाल अल्प एवं छोटा होता है इसलिए निराशा और असफलताओं के निराशाजनक वातावरण में आशा का दीपक जलाये रखें और घनघोर अंधकार मे भी प्रकाश की किरणें की खोज करें। अपने आस–पास के लोगों के के दु:खदर्द एवं पीड़ा को समझें, उनकी मदद करें उनके दु:ख–दर्द, तकलीफों को दूर करने में मदद करें और सदैव करुणामय संवेदनशील बने रहें। निराशा को कभी भी अपनी सोच के नजदीक नहीं आने दे। अपने जीवन में नकारात्मक सोच को छोड़ करके सकारात्मकता को अपनी सोच का अभिन्न अंग बनायें, निराशा की भावना को सदा के लिये तिलांजली दें। छोटी से छोटी बातों में भी अच्छाई को ढूढें। अन्धकार मे भी आशा का दीप जलाए रखे। जब कभी परोपकार चालू करें तो यह तय कर ले कि इससे किसी का नुकसान तो नहीं होगा। अपने निजी हितों को ताक पर रख कर परोपकारी बन दूसरों के दु:ख कम करे।

याद रक्खे कि जीवन में खुशी प्राप्त करने के लिये दूसरों को भी यथाशक्ति खुश रखने का प्रयास करना जरूरी है मित्रों सहकर्मियों के अच्छे काम की प्रशंसा करे। साल में हर परिस्तिथी में शांत और रिलैक्स्ड रहूंगा। रिलेक्स रहने के लिये गहरी और लम्बी श्वास ले ओर छोड़े।.अपने मन के अंदर इस बात को धारण कर लें कि ख़ुशी मेरा जन्मसिद्ध मौलिक अधिकार है। चाहे कुछ भी हो जाए मैं दिन भर खुश रहुगां। जब कभी कोई अनहोनी घटना घट भी जाये तब भी अपने आप को सकारात्मक सोच पर केन्द्रित करते हुयें अपने आप को समझाये कि मेरे साथ इससे भी बुरा हो सकता था, प्रभुजी को धन्यवाद दें। याद रखे कि अगर अग्रज अपनों से छोटे को स्नेह और प्यार देंगे तो छोटे भी आप को जरुर सम्मान देंगे और आप का आदर भी करंगे। बच्चों को उनके अपने हिसाब से जीने का मौका दे, उनके कार्यकलापों में टीका–टिप्पणी नहीं करें। आप उन्हें सलाह तभी ही दें जब वे आप से सलाह मांगे।

क्रोध एक माचिस की तिली के समान है जो दूसरों को जलाने के पहिले खुद ही जलती है। जब कभी आपको गुस्सा आ जाये तो तब अपने मन को समझाये कि क्रोध करके मैं खुद का ही नुक्सान कर रहा हूँ। अपने पड़ोसी से नियमित बातचीत करे, उनके प्रति सद्भावना रखते उनके खुशी के लिये प्राथना करें। उनके सुख को बढाने और तकलीफों को कम करने की कोशिश करें इससे आपकी खुशियाँ कई गुणा बढ़ जायेगी और आपके पारस्परिक सम्बन्ध मधुर रहेगें। खुशी प्राप्त करने का एक सूत्र यह भी है की बिना किसी चाहत के दूसरे के अच्छे काम की बार बार उनके सामने और उनकी पीठ पीछे प्रशंसा करें। संभव है कि यदाकदा आपका लालच कुछ समय के लिये आपकी सम्पती को बढा भी दे, किन्तु यह भी याद रखे कि अधिक सम्पति आपके लालच ओर आकांशा को कई गुणा बढा देगी लालच और गलत तरीके से अर्जित यह कमाई आपको अभिमानी बना कर आपको गलत रास्ते पर ले जाकर आपकी मानसिक शांती और आपके स्वास्थ्य को खराब कर देगी।

सच्चाई तो यही है कि जो भी आप के पास है उससे आप सदैव खुश रहे। सुख–सुविधा के लिये भौतिक साधन अगर आपके पास उपलब्ध नहीं तो उन्हें हासिल करने लिये ख्याली ख्बाव बनाने के बजाय उन्हें प्राप्त करने के गम्भीर कोशिश कर मेहनत करें। याद रखे कोशिश करने वालों कभी भी हार नहीं होती हैं।

किताब पढ़ना एवं उनका सतत अध्ययन करना सभी के लिए जीवन की सभी अवस्थाओं में सबसे अच्छा और सबसे सस्ता ज्ञानवर्धक साधन है। सुखमय जीवन जीने के लिये अपना लक्ष्य निर्धारित करें, उद्देश्यहीन जीवन नहीं जिए। ईर्ष्यालु नहीं बने,दूसरों की सफलता पर खुश हों, उन्हें बधाई दें। अपने ईगो को छोड़े, मैं मैं मैं की रट नही लगायें, आपका ईगो आपको नकारा बनाके आपको हीन् भावना से ग्रस्त कर देगा। अपने ईगो के बजाय अपने मन से कहें कि मैं मुझें सौपें गये सारे काम सफलतापूर्वक कर सकता हूँ। आराम तलब जिन्दगी जीने के बजाय कर्मशील बने, निष्काम भाव से तलीनता के साथ कर्म करें। अपनी गलतियों को मानने में चूक नहीं करें क्योंकी आदमी को अपनी गलतीयों से जीवन का बड़ा सबक सीखने को मिलता है।

याद रखे असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी है। दूसरों की गलतियों के लिये उन्हें माफ़ करें, फॉरगिव एन्ड फॉरगेट की निती को अपनायें। जीवन में घटित अवांचित दुर्भाग्यपूर्ण कष्टपूर्ण घटनाओं को याद नहीं रक्खें उन्हें भूल जाएँ वरन विगत वर्षों की सुखद स्म्रतियों को याद कर मुस्करायें। याद रक्खें कि भावात्मक होकर उत्तेजना में लिये गये निर्णय अधिकतर असफल ही होते है। चिंतन कर सोच–विचार करके शांत मन से विवेक पूर्ण निर्णय लें। किसी से कोई अपेक्षा नहीं रक्खें और किसी की भी उपेक्षा भी नहीं करें।

चिन्ता चिता से भी बुरी होती है, चिंता आपके जीवन के हर क्षण को दुखमय बना देगी, और सफलता के सारे दरवाजे भी बंद कर देगी वहीं चिंता आपके व्यक्कित्व को भी हानि पहुंचेगी, आप अपना आत्मविश्वास पूरी तरह से खो देंगे, आप बीमारियों को निमंत्रण देगें और अस्वस्थ हो जायेगे। इसलिए चिंता करने के बजाय आत्मचिंतन करें। आध्यात्मिक इन्सान बने। निरंतर मेडीटेसन का अभ्यास करें। मूर्खों से वाद–विवाद और तर्क–वितर्क करने से बचे। अपने आत्मसम्मान से कोई समझौता नहीं करें किन्तु आत्म अभिमानी भी नहीं बनें। स्वाभिमान के साथ जीये। अपने निकटतम परिचितों एवं स्वजनों की भावनाओं, आवश्यकताओं का ध्यान रखें, उनकी अनदेखी नहीं करें। डर और शक के साये में नहीं जीये क्योंकि हकीम लुकमान के पास भी शक–शंका का कोई इलाज नहीं है। निर्विवाद रूप से डर और शक आदमी की प्रगति और उन्नति में सबसे बड़ी बाधा है। याद रखें द्रोपदी के दुर्योधन पर कसे तंज और व्यंग ने ही महाभारत के युद्ध को जन्म दिया था इसीलिए कभी भी कटु शब्दों का प्रयोग कभी नहीं करें। किसी पर कभी भी तंज नहीं कसें। हमेशा मीठी वाणी बोले। अच्छा बोले अच्छा सुने और अच्छी वाणी बोले। दूसरों के कार्यों की आलोचना करने की जगह उनके अच्छे कामों की प्रशंसा उनके सामने और उनकी पीठ पीछे करें। जो जैसा है उसे उसी रूप में स्वीकार करें। दूसरों के विचारों का भी सम्मान करें, उन्हें आदर दें। सभी को बिना शर्त स्नेह और प्यार दें।

कोई भी काम को अंजाम देने से पूर्व यह मालुम कर लें कि आपके काम से किसी का अहित तो नहीं होगा। अगर आप के प्रस्तावित काम से किसी को कष्ट या क्षति हो रही हो तो उस काम को नहीं करें। हर एक व्यक्ति का अभिवादन मुस्करा कर करें। खुद हसें और दूसरों को भी हंसाये लाफ्टर को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाये। अपने चेहरे को प्रफ्फुलित और सोम्य बनाये रक्खें। खुद जियें और अन्य को भी सुखमय जीवन जीने दें। अपनी असफलताओं के लिये दूसरों को दोष नहीं दें। जब कभी कोई आपका काम करें या आपकी मदद करें तो उन्हें धन्यवाद जरुर दें। अमावस्या की काली रात के बाद पूर्णिमा की शीतल चांदनी आती है उसी तरह जीवन में दु:ख के बाद सुख अवश्य आता है वास्तव में तकलीफ और दु:ख के समय में ही हमको अपने हितेषी और सच्चे दोस्त की पहचान होती है तथा हमें आत्मचिंतन का भी मोका मिलता है। संतो और महापुरुषों की शिक्षा का पालन करें। परिवार और बच्चेँ के साथ समय बिताए।

–डॉ. जे.के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

जैसलमेर: सुकून और शांति की सुनहरी धरा

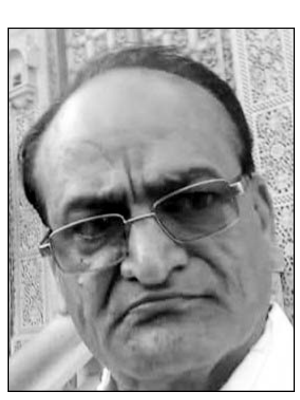

अचलदास डांगरा

राजस्थान के पश्चिमी छोर पर थार मरुस्थल के हृदय में बसा जैसलमेर केवल एक शहर नहीं, बल्कि सुकून का दूसरा नाम है। इसे स्वर्ण नगरी कहा जाता है, जहाँ की सुनहरी रेत और पीले पत्थरों से बने महल सूर्यास्त के समय एक जादुई शांति का अहसास कराते हैं।

रेत के टीलों में छिपा मौन : जैसलमेर की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ का सन्नाटा है। सम और खुहड़ी के मखमली धोरों पर जब ठंडी हवाएं चलती हैं, तो वे मन की सारी व्याकुलता को सोख लेती हैं। मीलों तक फैले रेत के टीलों पर बैठकर डूबते सूरज को देखना एक आध्यात्मिक अनुभव जैसा है, जो भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर सुकून के पल देता है।

इतिहास और वास्तुकला का संगम : जैसलमेर का सोनार किला दुनिया के उन दुर्लभ किलों में से एक है जहाँ आज भी आबादी निवास करती है। इसकी संकरी गलियों में घूमते हुए समय जैसे ठहर सा जाता है। यहाँ की नक्काशीदार हवेलियाँ, जैसे पटवों की हवेली और सालमसिंह की हवेली, कारीगरी का ऐसा नमूना पेश करती हैं कि देखने वाला टकटकी लगाए रह जाता है। इन पत्थरों पर उकेरी गई बारीकियाँ मनुष्य के धैर्य और शांति का प्रतीक हैं।

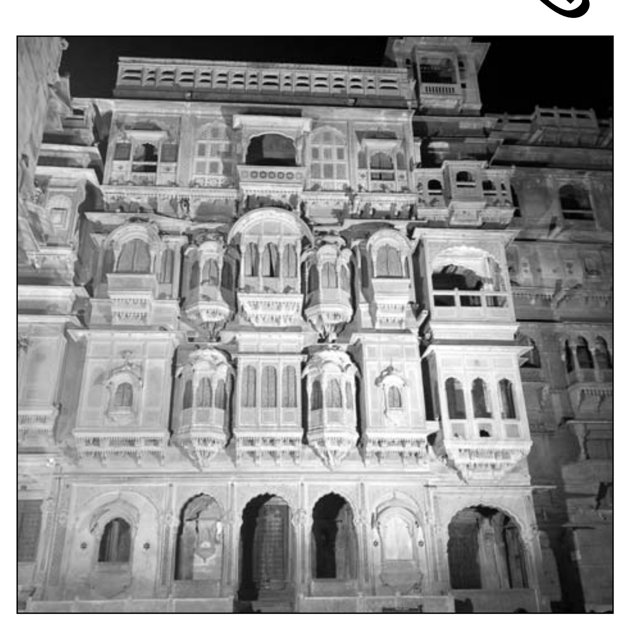

जैसलमेर की फिजाओं में लोक संगीत का वास है। जब यहाँ के लोक कलाकार कामायचा और खड़ताल पर पधारो म्हारे देस की तान छेड़ते हैं, तो वह संगीत सीधे रूह को छूता है। गड़ीसर झील के किनारे बैठकर लोक संगीत सुनना एक ऐसा सुकून देता है जिसे शब्दों में पिरोना कठिन है। प्रदूषण और शोर से मुक्त यहाँ का आसमान रात के समय सितारों की चादर ओढ़ लेता है। रेगिस्तान के बीच कैंपों में रुकना और खुले आसमान के नीचे तारों को निहारना शहर की चकाचौंध से दूर एक शांत मानसिक शांति प्रदान करता है। जैसलमेर वह धरा है जहाँ पहुँचकर इंसान खुद से मिलता है। यहाँ की सादगी, अतिथि सत्कार और शांत वातावरण हर आगंतुक के हृदय को छू लेता है। यदि आप जीवन की भागदौड़ से थककर कुछ पल सुकून के बिताना चाहते हैं, तो जैसलमेर की यह सुनहरी धरा आपका बाहें फैलाकर स्वागत करती है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार।

जोधपुर व भगत की कोठी रेलवे स्टेशन प्रतिष्ठित ब्रांड स्टोर्स के लिए प्रस्तावित

'इस नवाचार के अंतर्गत यात्रियों को प्रसिद्ध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के विविध खाद्य विकल्प रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध कराए जाएंगे'

> ■ **दिशा-निर्देशों के तहत प्रीमियम ब्रांड स्टोर खोलने की भी अनुमति दी गई है, जिसके अंतर्गत बड़े एवं प्रतिष्ठित ब्रांड्स को सीधे रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित किया जा सकेगा**

जोधपुर, (कासं)। रेलवे बोर्ड के नए दिशा–निर्देशों के तहत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जोधपुर व भगत की कोठी रेलवे स्टेशनों को प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट्स एवं अन्य प्रतिष्ठित ब्रांड स्टोर्स के लिए प्रस्तावित किया गया है। रेलवे की इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को प्रतिष्ठित, भरोसेमंद एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य व अन्य ब्रांडों की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है।

उत्तर–पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि इस नवाचार के अंतर्गत यात्रियों को प्रसिद्ध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के विविध खाद्य विकल्प रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। दिशा–निर्देशों के तहत प्रीमियम ब्रांड स्टोर खोलने की भी अनुमति दी गई है, जिसके अंतर्गत बड़े एवं प्रतिष्ठित ब्रांड्स को सीधे रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित किया जा सकेगा। रेलवे द्वारा प्रारंभिक रूप से जोधपुर एवं भगत की कोठी स्टेशनों को प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग स्टोर व अन्य ब्रांड स्टोर के लिए प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त जोधपुर मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी इच्छुक पक्ष मंडल कार्यालय से संपर्क कर ऐसे स्टोर खोलने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये ब्रांड स्टोर सीधे संबंधित पार्टी को ही आवंटित किए जाएंगे तथा इन्हें सबलेट करने की अनुमति नहीं होगी।

यादव ने बताया कि इस पहल से यात्रियों को उच्च गुणवत्ता, बेहतर स्वच्छता मानकों एवं विश्वसनीय खान–पान विकल्प उपलब्ध होंगे, साथ ही रेलवे स्टेशनों की समग्र छवि, सेवा स्तर एवं यात्री संतुष्टि में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ ही यह पहल ई–ऑक्शन के माध्यम से लागू की जाएगी तथा सबलेट की अनुमति नहीं होगी। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ स्टेशन की छवि में भी सुधार होगा। रेलवे की कैटरिंग पॉलिसी–2017 में संशोधन करते हुए प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट्स को कैटरिंग स्टॉल की चौथी श्रेणी के रूप में सम्मिलित किया गया है। इन प्रीमियम कैटरिंग आउटलेट्स का आवंटन मनोनयन के आधार पर नहीं किया जाएगा, बल्कि मौजूदा ई–ऑक्शन नीति के अंतर्गत पूर्णतः पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट्स का लाइसेंस कार्यकाल अन्य कैटरिंग स्टॉलों की भांति पांच वर्ष का होगा। न्यूनतम लाइसेंस शुल्क का निर्धारण रेलवे की वर्तमान कैटरिंग पॉलिसी के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 31 दिसम्बर, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 1:30 तक, साध्य योग रात्रि 9:13 तक, बव करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:23 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–धनु, चन्द्रमा–मेष, मंगल–धनु, बुध–धनु, गुरू–मिथुन, शुक्र–धनु, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। आज पुत्रदा एकादशी व्रत वैष्णवों का है। महापात योग दिन 10:00 तक है। आज नववर्ष पूर्व संध्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:55 तक, शुभ 11:12 से 12:30 तक, चर 3:05 से 4:22 तक, लाभ 4:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:40

मेष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

एस.ओ.जी. ने किया सार्वजनिक परीक्षाओं में फर्जीवाडे के बड़े गिरोह का खुलासा

ब्लूटूथ डिवाइस से नकल करने वाला 25 हजार का इनामी अभ्यर्थी एस.ओ.जी. के हत्थे चढ़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं में नकल गिरोह के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी ने ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए नकल करने वाले 25 हजार रुपए के इनामी अभ्यर्थी जितेंद्र कुमार बिजारणिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले एक साल से फरार चल रहा था।

आरोपी जितेन्द्र

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा आयोजित लिपिक ग्रेड द्वितीय सीधी भर्ती संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2022 (12 व 19 मार्च 2023) में आरोपी ने हाईटेक तरीके से नकल की थी। आरोपी जितेंद्र कुमार बिजारणिया (29) निवासी रतनगढ़ जिला चूरू परीक्षा केंद्र राजकीय सर्वहित करणी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चूरू में परीक्षा दे रहा था।

■ **आरोपी जितेन्द्र बिजारणिया पिछले एक साल से फरार था, अब 3 जनवरी तक रिमांड पर रहेगा**

मोबाइल, स्पाई कैमरा और ब्लूटूथ से हुआ खेल : जांच में सामने आया कि संगठित नकल गिरोह के मुख्य आरोपी पावर कालेर ने सालासर से मोबाइल फोन के जरिए ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से प्रश्नपत्र के उत्तर भेजे। इसके लिए 90 हजार रुपए में स्पाई कैमरा ऑनलाइन मंगवाया गया था। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र के स्क्रीन शॉट स्पाई कैमरे से भेजे, जिन्हें गिरोह ने सॉल्व कर उत्तर वापस ब्लूटूथ डिवाइस से पहुंचाए।

दो परीक्षाओं में नकल, सरकार ने रद्द की भर्ती : एसओजी के अनुसार आरोपी जितेंद्र कुमार बिजारणिया ने ईओ/आरओ भर्ती परीक्षा (14 मई 2023) और कनिष्ठ लिपिक (ग्रेड द्वितीय) परीक्षा-दोनों में ब्लूटूथ डिवाइस से नकल की थी। इस मामले में नकल गिरोह द्वारा लाखों रुपए वसूले जाने के प्रमाण मिलने के बाद राज्य सरकार ने संबंधित सार्वजनिक परीक्षा को रद्द कर दिया था।

एक साल से फरार, 25 हजार का था इनाम : दोनों मामलों में आरोपी एक वर्ष से फरार था। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसओजी जयपुर की ओर से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। आखिरकार एसओजी थाना जयपुर की टीम ने 29 दिसंबर 2025 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

3 जनवरी तक पुलिस रिमांड : गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे 3 जनवरी 2026 तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मामले में आरोपी और नकल कराने वाले अन्य सहयोगियों की भूमिका को लेकर विस्तृत जांच जारी है।

एसओजी अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और नकल गिरोह से जुड़े सभी आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

सवा करोड़ कीमत की 1 किलो 203 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

प्रतापगढ़ पुलिस ने ''ऑपरेशन चक्रव्यूह'' चलाकर आरोपियों को दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत धोलापानी थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने संयुक्त नाकाबंदी के दौरान 1 किलो 203 ग्राम अवैध एमडी ड्रग जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.25 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

प्रतापगढ़ की धोलापानी थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर 1 किलो 203 ग्राम अवैध एमडी ड्रग के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक आदित्य ने बताया कि धोलापानी थानाधिकारी प्रवीण कुमार मय जाब्ते के साथ बरोल घाटे के पास नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान एमपी नम्बर की एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक शाहरूख खान और दिलावर खान आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उन्हें घेरकर रोक लिया। पूछताछ में वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

■ **दो बाइक सवार बदमाश आगे-आगे चलकर देख रहे थे पुलिस की लोकेशन**

उसी दौरान पीछे से एक और अपाची मोटरसाइकिल आई। पुलिस ने उसे भी रोका तो पीछे बैठा व्यक्ति सफीउल्लाह जंगल की ओर भाग निकला, जबकि चालक रहीम खान को पुलिस ने दबोच लिया। रहीम खान की तलाशी लेने पर उसकी टी-शर्ट के नीचे छिपाई गई पॉलिथीन की थैली से 1 किलो 203 ग्राम एमडी बरामद हुई।

पूछताछ में मुख्य तस्कर रहीम खान ने बताया कि पकड़े गए अन्य दो आरोपी दिलावर और शाहरूख आगे-आगे चलकर पुलिस की लोकेशन देख रहे थे ताकि ड्रग्स की खेप सुरक्षित पहुंच सके। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर परिवहन में प्रयुक्त दोनों मोटरसाइकिल जब्त कर ली हैं। तीनों आरोपी हथुनिया के रहने वाले है। इस कार्रवाई में धोलापानी थाना अधिकारी प्रवीण कुमार, एसआई भंवरसिंह और डीएसटी टीम के सदस्य शामिल रहे। विशेष रूप से कांस्टेबल विनोद, पंकज और साइबर सेल के रमेश की इस पूरी कार्रवाई में महत्वपूर्ण और विशेष भूमिका रही। पुलिस अब फरार आरोपी सफीउल्लाह की तलाश कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह ड्रग्स कहां से लाई गई थी और कहां सप्लाई होनी थी।

मंत्री हेमंत मीणा और सुमित गोदारा ने की भाजपा कार्यकर्ताओं की सुनवाई

संगठन और राज्य सरकार के समन्वय से कार्यकर्ताओं की समस्याओं का हो रहा है समाधान : राजस्व मंत्री हेमंत मीणा

जयपुर (कासं) । भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को राजस्व मंत्री हेमंत मीणा एवं खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कार्यकर्ताओं की सुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं एवं प्रकरण मंत्रियों के समक्ष रखे।

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का हर कार्य हो-इस भावना के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ता सुनवाई की शुरुआत की गई है। मंगलवार को सुनवाई में कुल 58 प्रकरण सामने आए, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। संगठन की ओर से महामंत्री मिथिलेश गौतम एवं प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह ने भी कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाई।

मंत्री हेमंत मीणा और सुमित गोदारा ने कार्यकर्ताओं की सुनवाई की।

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि इस पहल से प्रदेश में यह स्पष्ट संदेश गया है कि सरकार और संगठन जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करते हुए कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। इससे प्रदेश में सकारात्मक वातावरण एवं सकारात्मक संदेश का संचार हो रहा है। संगठन और सत्ता के समन्वय से कार्यकर्ताओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है, जो भाजपा के सशक्त संगठनात्मक ढांचे को दर्शाता है।

■ **भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई से क्षेत्र में विकास कार्यों को मिलेगी गति : सुमित गोदारा**

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता सुनवाई से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलती है तथा कार्यकर्ता स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यालय के साथ-साथ सभी मंत्रियों के आवास पर भी नियमित रूप से जनसुनवाई की जाती है।

बाल अधिकारिता योजनाओं की समीक्षा की

जयपुर । सचिवालय में मंगलवार को बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बाल अधिकारों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मीटिंग में मिशन वात्सल्य, चाइल्ड केयर इंस्टीट्ययूशन, पालनहार योजना तथा चाइल्ड लाइन सेवा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि स्किल डेवलपमेंट को प्राथमिकता दी जाए, उन्होंने विभाग में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरने, नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर की स्थिति की लगातार समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में चाइल्ड लाइन सेवा के प्रचार-प्रसार को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया, ताकि जरूरतमंद बच्चों तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सके। साथ ही किशोर सुधार गृहों में मरम्मत कार्य, शौचालय सहित मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने और व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोड़ा, आईएएस भवानी सिंह देथा उपस्थित रहे।

रामपाल जाट के नेतृत्व में हुंकार रैली में जुटे प्रदेशभर के किसान

जयपुर। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में मंगलवार को जयुपर के 22 गोदाम क्षेत्र में हुई हुंकार रैली में प्रदेशभर के किसान जुटे। रैली में मुख्य मांग यह थी कि, देश में कृषि भूमियों को संरक्षित रखते हुए ''खेत को पानी, फसल को दाम और युवाओं को काम'' मिले। गत 3 अक्टूबर को राज्य सरकार से हुई वार्ता में जिन मुद्दों पर सहमति बनी थी, उनकी पालना नहीं होने का आरोप लगाते हुए किसानों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया, परंतु पुलिस ने सभी को रोक दिया। इसके बाद मुख्य सचिव से 5 सदस्यीय शिष्ट मंडल की वार्ता हुई ।

रामपाल जाट ने बताया कि इस रैली में 2 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गए, जिनमें से एक प्रस्ताव उपनिवेशवाद को पोषित करने वाली पूंजीवादी एवं सामंती व्यवस्था के कारण गांव से लघु एवं कुटीर उद्योगों को समाप्त करने वाली नीति अपनाई जाने को बेरोजगारी की विकरालता बढ़ाने के लिए उत्तरदायी माना। इसी के कारण युवाओं के देश भारत में युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं, वे तनाव में है, उनके परिजन चिंतित है। जैसे कि 24 लाख आवेदन करने वालों में से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 53 हजार ही बनेंगे, शेष लगभग साढ़े 23 लाख युवा तो भटकते ही रहेंगे। इसका समाधान शहर एवं गांव के मध्य संसाधनों के बंटवारे में चल रहे भेदभाव एवं पक्षपात को समाप्त कर गांवो में स्वायत्तता के अंतर्गत ग्राम उद्योगों को बढ़ावा एवं कृषि उपज के लाभकारी दाम देने को बताते हुए प्रतिभाओं सहित अन्य ग्रामीणों का पलायन रोकने के लिए कारगर बताया।

रैली में कहा गया कि, भारत माला परियोजना में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण से सरकार के चहेते मुट्ठी भर पूंजीपतियों के लिए दूरी घटाकर यात्रा का समय कम होगा, परंतु देश का पेट भरने वाले किसानों को खेतों तक कृषि कार्य के लिए जाने की दूरी, समय एवं लागत बढ़ाने को अनदेखा किया जा रहा है। रैली के माध्यम से मांग की गई कि, राजस्थान में किसानों को फसल खरीद की गारंटी का कानून मिले। इसके लिए किसानों के लिए लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा भी की जाए। रैली के मंच से किसानों ने कहा कि, कृषि भूमियों के अधिग्रहण का खुलकर विरोध करेंगे। हम जान दे देंगे, किंतु ऐसी सड़कों के लिए जमीन नहीं देंगे। उन्होंने प्रस्तावित 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे निरस्त होने तक संघर्ष निरंतर करने का निश्चय जताया। सभा को प्रदेश संयोजक सत्यनारायण सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोताश बोहरा, महासचिव अकबर खान, प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दी लाल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष छीतर लाल गुर्जर, महामंत्री सुंदर लाल भावरिया एवं जगदीश नारायण खुडियाला, प्रदेश मंत्री मनजिंदर सिंह अटवाल एवं ज्ञान सिंह मीना, प्रदेश मिडिया प्रभारी सुरेश बिजारनिया, प्रदेश अध्यक्षों में वीरेन्द्र क्रन्तिकारी, हेमराज पटेल एवं भरत डागुर, जिला उपाध्यक्ष तहसील अध्यक्षों में रतन लाल बटेसर, शेर सिंह दहिया, जिला महामंत्रियों में कजोड धाकड एवं हनुमान डीडवाडा, युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, युवा जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार, शिक्षाविद प्रोफ़ेसर गोपाल मोदानी, नगर पालिका शाहपुरा के पूर्व अध्यक्ष परमानन्द पलसानिया, सामाजिक कार्यकर्त्ता कृष्णा ने संबोधित किया।

■ **एक्सप्रेस-वे निर्माण पर विरोध जताया, ''खेत के लिए पानी, फसल को दाम और युवाओं को काम'' देने की मांग भी उठाई**

जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होंगे गायत्री परिवार के सैकड़ों कार्यकर्ता

जयपुर। धर्मनगरी हरिद्वार के वैरागी द्वीप में आगामी जनवरी माह में आयोजित होने वाले वंदनीय माताजी भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी समारोह में जयपुर और राजस्थान के अन्य शहरों के लोग भी शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से गायत्री परिवार के अनेक लोग वहां श्रमदान कर रहे हैं।

गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि यह ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी आयोजन न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे कार्यक्रम स्थल को सुव्यवस्थित, आकर्षक और गरिमामय स्वरूप दिया जा रहा है। कार्य स्थल पर भूमि पूजन किया जा चुका है। यहां 19 से 23 जनवरी तक होने वाले कार्यक्रमों की घोषणा की जा चुकी है।

आगंतुकों के स्वागत के लिए वैरागी द्वीप के मुख्य प्रवेश स्थल पर गायत्री तीर्थ, शांतिकुंज की विशिष्ट वास्तुकला और आध्यात्मिक थीम पर आधारित एक विशाल एवं भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह प्रवेश द्वार शांतिकुंज की पहचान, साधना, संस्कार और सेवा के भाव को प्रतीकात्मक रूप में है, जो आगंतुकों को प्रथम दृष्टि में ही आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। जन्मशताब्दी समारोह में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधक, कार्यकर्ता एवं गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। इसी को देखते हुए प्रवेश द्वार के साथ-साथ मंच, पंडाल, सजावट, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को भी योजनाबद्ध ढंग से विकसित किया जा रहा है। अग्रवाल ने बताया कि यह समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगदृष्टा विचारधारा और जीवन मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का महापर्व होगा।

सामूहिक सुंदरकाण्ड का आयोजन

जयपुर । चमत्कारी वन के वीर बालाजी झोटवाडा रोड, जयपुर में मंगलवार को वीर बालाजी का फूलों से शृंगार करते हुए सामूहिक सुंदरकाण्ड पाठ, महाआरती और पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के सचिव अनिल त्रिवेदी ने बताया कि इस अवसर पर बालाजी को छप्पन भोग लगाकर श्रद्धालुओं में दौना प्रसादी वितरित की गई। महाआरती में समिति अध्यक्ष यशवर्धन सिंह, पूर्व पार्षद दिग्विजय सिंह, अरूण अग्रवाल, होतीलाल और राहुल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बादल नहीं ये जहरीला धुंआ है....

आसमान में नज़र आ रही ये बादलों की आकृति असल में जयपुर के सेवापुरा कचरा डिपो में लगी आग के धुएं की है। जहां ऐसी आग लगना आम बात है, इस पर सवाल उठाने वाला भी कोई नहीं। क्योंकि यह शहर और आबादी से बहुत दूर है। परंतु हकीकत यह है कि, कचरे के यह पहाड़ स्वायत्त शासन विभाग और जयपुर नगर निगम प्रशासन को करीब एक वर्ष पूर्व ही समाप्त कर इस कचरे का ट्रीट करना था। परंतु हकीकत यह है कि कचरे को जलाकर राजधानी की आबोहवा दूषित की जा रही है। आग की सूचना पर फोटोग्राफर जब तस्वीर लेने पहुंचा तो मौके पर मौजूद नगर निगम के तथाकथित अधिकारी दिलीप शर्मा यह तस्वीरें भी कैमरे से डिलीट करवा दी, ताकि उनकी कारगुजारी किसी को मालूम नहीं चले। फोटो: दिनेश भारद्वाज

आर्मी-डे परेड के लिए महल रोड पर 1 से 15 जनवरी तक यातायात प्रतिबंध

जयपुर। आर्मी-डे परेड 2026 के आयोजन को लेकर जयपुर में यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। यह परेड 15 जनवरी 2026 को महल रोड (जगतपुरा) पर आयोजित की जाएगी। इसकी तैयारियों और रिहर्सल को लेकर 1 जनवरी 2026 से 15 जनवरी 2026 तक महर रोड पर विशेष यातायात नियंत्रण लागू रहेगा।

पुलिस उपायुक्त यातायात सुमित मेहरड़ा के अनुसार एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा (जगतपुरा) तक महल रोड पर प्रात: 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक सामान्य यातायात पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में विशिष्ट अतिथि, सैन्य अधिकारी, जवान और आम नागरिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू : यातायात को सुचारू संचालन के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं जिसके चलते एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक महल रोड बंद रहने के कारण स्थानीय निवासी समानांतर मार्गों का उपयोग कर सकेंगे।

खाटू श्याम सर्किल से एनआरआई चौराहा, अक्षय पात्र की ओर जाने वाला यातायात एनआरआई चौराहा से डायवर्ट कर हल्दीघाटी मार्ग व वीआईटी रोड से निकाला जाएगा। विधाणी चौराहा की ओर से बॉम्बे हॉस्पिटल व अक्षय पात्र की तरफ जाने वाले वाहनों को बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा से केंद्रीय विहार मार्ग की ओर मोड़ा जाएगा। अधिक दबाव की स्थिति में विद्याधर चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल की ओर जाने वाला यातायात महात्मा गांधी रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। राणा सांगा मार्ग से अक्षय पात्र चौराहा होते हुए महल रोड की ओर जाने वाले वाहनों को खारड़िया सर्किल, गौतम बुद्ध सर्किल से वैकल्पिक मार्गों पर भेजा जाएगा। गोनेर रोड से अक्षय पात्र चौराहा होकर महल रोड की ओर आने वाले वाहनों को डी-मार्ट सर्किल से डायवर्ट किया जाएगा। एनआरआई चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक महल रोड पर खुलने वाली सभी आवासीय कॉलोनियों के गेट और छोटे रास्तों से किसी भी प्रकार के वाहन प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।कार्यक्रम में शामिल होने वाले आमंत्रित वाहनों के लिए हल्दीघाटी मार्ग और राणा सांगा मार्ग से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहन पार्क करने की व्यवस्था की गई है। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि निर्धारित प्रतिबंध अवधि में वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और पुलिस प्रशासन का सहयोग कर व्यवस्था बनाए रखने में मदद करें।

चार्टर्ड अकाउंटेंट भारत के आर्थिक तंत्र की आत्मा : देवनानी

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चार्टर्ड अकाउंटेंटस का आव्हान किया है कि वे भारत की आर्थिक व्यवस्था की धुरी ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप विश्वास, नैतिकता, अवसर और प्रौद्योगिकी के मजबूत स्तंभ भी बने। देवनानी मंगलवार को जयपुर के बिडला ऑडिटोरियम सभागार में द इन्स्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इण्डिया (आईसीएआई) की जयपुर शाखा द्वारा ''फिडयूशिया (विश्वास)-2025 नैतिकता, अवसर, प्रौद्योगिकी और स्थिरता'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। देवनानी ने कहा कि यह सम्मेलन भारत की तीव्र गति से उभरती अर्थव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए बहुत प्रांसगिक और सारगर्भित है। आज का भारत अवसरों से भरा हुआ भारत है। आज हमारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। चाहे वह डिजिटल इंडिया के माध्यम से पारदर्शिता बढाना हो, जीएसटी के जरिए एकीकृत कर प्रणाली स्थापित करना हो, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से घरेलू उद्योगों को सशक्त करना हो, या फिर स्टार्टअप इंडिया के जरिए युवाओं को उद्यिमता के लिए प्रेरित करना हो। इन सभी प्रयासों के केंद्र में विश्वास और सुशासन है। उन्होंने कहा कि आर्थिक नीतियों, निवेश निर्णयों और कॉर्पोरेट गवर्नेंस में संतुलन स्थापित करने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस की भूमिका बहुत अहम है। इसलिए उन्हें एक सजग प्रहरी के रूप में देशहित में अपने दायित्वों को निभाना होगा। इसी प्रकार ग्रीन बोन्डस, सस्टेनबेल फाईनेंस और ईएसजी रिपोर्टिंग के माध्यम से आप भारत के 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। देवनानी ने कहा कि भारत की असली ताकत उसके एम.एस.एम.ई, स्टार्टअप्स और गांव-कस्बों में बसे छोटे उद्यमियों में विद्यमान है। यहां छोटे उद्योग केवल रोजगार का साधन नहीं बल्कि सांस्कृतिक पहचान का माध्यम भी है। इन उद्यमों को सही दिशा, वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालीन दृष्टि देने में चार्टर्ड अकाउंटेंटस महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देवनानी ने कहा कि आज केपिटल मार्केटस, ऑडिट, टेक्सेशन और फाईनेन्शियल रिपोर्टिंग के क्षेत्र जो परिवर्तन हो रहे हैं, वह अभूतपूर्व है लेकिन इन सभी परिवर्तनों के केन्द्र में एक ही यक्ष प्रश्न है कि क्या हम अपने शास्वत विश्वास को बनाए रख पा रहे है। इस अवसर पर द इन्स्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष सी.ए. चरणजोत सिंह नंदा ने भी अपने सारगर्भित विचार व्यक्ति किए। समारोह में आईसीएआई के उपाध्यक्ष सी.ए. प्रसन्न कुमार, सी.ए. सतीश कुमार, सी.ए. रोहित, सी.ए. विष्णु अग्रवाल के साथ एस.बी.आई के निदेशक डी.एस. शेखावत द इन्स्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इण्डिया, जयपुर शाखा के चैयरमेन विकास, सचिव यश गुप्ता और सीकासा जयपुर शाखा के चैयरमेन शिवकुमार भी मौजूद थे।

अकबरपुर रेंज के बेरा गांव में बाघों का मूवमेंट, ग्रामीणों में दहशत

बाघों की मौजूदगी के कारण ग्रामीण रातभर सो नहीं पा रहे हैं

- **परेशान ग्रामीणों ने गांव में स्थित वन विभाग की चौकी का घेराव किया, ग्रामीणों ने मांग की है कि या तो उन्हें बाघों से सुरक्षा प्रदान की जाए या फिर उन्हें सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किया जाए**
- **ग्रामीण लंबे समय से बेरा गांव से विस्थापन की मांग कर रहे हैं और किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर बसने को तैयार हैं**

अलवर, (निसं)। सरिस्का बाघ परियोजना की अकबरपुर रेंज के बेरा गांव में बाघों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बाघों की मौजूदगी के कारण ग्रामीण रातभर सो नहीं पा रहे हैं। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि परेशान ग्रामीणों ने गांव में स्थित वन विभाग की चौकी का घेराव कर दिया।

जानकारी के अनुसार बाघ की दहशत से परेशान ग्रामीण देर रात एकजुट होकर चौकी पर पहुंचे। मौके पर फॉरेस्टर और गांव के स्थानीय सरपंच भी मौजूद थे, जिनकी समझाइश के बाद ग्रामीण शांत हुए। ग्रामीणों का कहना है कि बेरा गांव के आसपास आए दिन बाघ घूमते रहते हैं, जिससे उनकी जान को हर समय खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार शाम को ग्वाले बकरियां चराकर लौट रहे थे, तभी अचानक एक बाघिन अपने दो शावकों के साथ उनके सामने आ गई। इसी दौरान एक बकरी आगे आ गई, जिस पर बाघिन ने झपट्टा मारकर उसे मार डाला। ग्वालों का कहना है कि यदि बकरी बीच में नहीं आती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। शोर मचाने पर अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद बाघिन अपने शावकों के साथ जंगल की ओर चली गई। ग्रामीण लंबे समय से बेरा गांव से विस्थापन की मांग कर रहे हैं और किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर बसने को तैयार हैं। उनका आरोप है कि संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि या तो उन्हें बाघों से सुरक्षा प्रदान की जाए या फिर उन्हें सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किया जाए।

वन विभाग के कर्मचारी वीरेंद्र ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम करीब 4:30 बजे की है। क्षेत्र में बाघिन अपने दो शावकों के साथ मौजूद थी। उन्होंने बताया कि इस इलाके में कुल चार बाघों की आवाजाही रहती है। विभाग द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है।

सरिस्का बाघ परियोजना की अकबरपुर रेंज के बेरा गांव के लोग बाघों के मूवमेंट से दहशत में हैं।

बजरी भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, जुर्माना लगाया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के अरावली विहार और अखैपुरा थाना पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर अवैध बजरी से भरे दो ट्रैक्टरों को जब्त किया है। पुलिस ने खनन विभाग को सूचित किया, जिसके बाद सवा-सवा लाख रुपए की पैनल्टी लगाई गई है।

अरावली विहार थानेदार प्रभारी रामेश्वर ने बताया कि रात्रि गश्त के दौरान एएसआई शंकर लाल को सूचना मिली थी कि मालवीय नगर की ओर से एक ट्रैक्टर बजरी भरकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की। जब ड्राइवर से बजरी से संबंधित वैध कागजात मांगे गए तो वह कोई भी कागज नहीं दे सका। इस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया और खनन विभाग को सूचना दी। खनन विभाग ने मामले की जांच के बाद सवा लाख रुपए की पेनल्टी निर्धारित की। वहीं अखैपुरा थाना पुलिस ने भी अवैध बजरी परिवहन के एक अन्य मामले में कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। इस प्रकरण में भी खनन विभाग ने नियमानुसार सवा लाख रुपए की पैनल्टी लगाई है।

लिव-इन में रह रहे युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मामले में लड़के के पिता मंगलवार को कोटा पहुंचे और उन्होंने पूरे मामले में जांच की मांग की है। उनका दावा है कि उनके लड़के की मौत संदिग्ध है।

कुन्हाड़ी थाना इंचार्ज ने बताया कि मामले में सामने आया कि शुभम तिवारी (31) को उपचार के लिये अस्पताल में लाया गया था, जहां पर चिकित्सकं ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को मोर्चरी में शिफ्ट करवा दिया और युवक के परिजनों को सूचना दी गई थी। मंगलवार को मृतक के परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में जिस भी तरह की शिकायत परिजन कर रहे हैं, उस रिपोर्ट व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर युवक की मौत का कारण का पता चल सकेगा, युवक पिछले कई सालों से कोटा में महिला के साथ में रह रहा था।

थाना इंचार्ज ने बताया कि शुभम तिवारी मूल रूप से यूपी के इटावा निवासी है। वह कोटा में ही कुन्हाड़ी इलाके की बालिता रोड स्थित एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में हरियाणा के चंडीगढ़ निवासी 45 वर्षीय महिला के साथ रहता था। पुलिस ने बताया कि महिला युवक को अपना पति बता रही है, महिला ने पुलिस को बताया है कि शुभम की तबीयत रविवार देर रात अचानक खराब हो गई थी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वह रात में खाना खाकर सोए थे और उसके बाद सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वहीं मृतक के परिजनों का कहना है कि अभी शादी नहीं हुई थी। मामला दर्ज कर मामले की हर पहलू पर जांच की जा रही है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन त्यागी वाटिका जेल वैल, बीकानेर
फोन-0151-2201142 email:eemhbikaner@ymail.com
क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/2908 दिनांक- 25.12.2025
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-54/2025-26
निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 103.96 लाख के 02 उप स्वास्थ्य केन्द्र के कासर्य हेतु निविदा में वताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती ह। अल्पकालीन निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।
UBN - 1. NRH2526WSOB02000, 2. NRH2526WSOB02001
(शिम्भू राम जाटव) अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
DIPR/C/19252/2024

श्रीगंगानगर में केक बेचकर गुजारा करने वाले से 50 लाख की फिरौती मांगी

कॉल करने वाले ने स्वयं को विशाल पचार बताते हुए फिरौती की मांग की

श्रीगंगानगर, (निसं)। विशाल पचार के नाम पर एक केक बनाकर सप्लाई देने वाले से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। पीड़ित की ओर से सदर थाने में परिवाद दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हनुमानगढ़ रोड की एक कॉलोनी निवासी 34 वर्षीय युवा पीड़ित ने पुलिस को परिवाद दिया है।

परिवाद में बताया है कि वह अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। घर में केक बनाकर ऑन ऑर्डर सप्लाई करके गुजारे लायक रुपए कमाता है। उसके मोबाइल पर 26 दिसंबर रात करीब साढ़े दस बजे नए नंबरों से वाट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने स्वयं को विशाल पचार बताते हुए 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। पीड़ित ने जब कहा कि उसके पास तो 50 हजार रुपए भी नहीं हैं, 50 लाख कहां से लाकर देगा। इस पर कॉलर ने कहा कि सारी रिपोर्ट है, रुपए तो देने ही पड़ेंगे। इसके बाद 27 दिसंबर को दिन में वाट्सऐप पर दो ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजे गए। 36 और 10 सेकंड के इन ऑडियो में बोलने वाले ने खुद को विशाल पचार बताते हुए धमकी दी कि वह अपना वहम निकाल दे। रुपयों का इंतजाम करके रखे, नहीं तो नुकसान हो जाएगा। पीड़ित के अनुसार उसके पास फिर से दो बार वाट्सऐप कॉल आई, लेकिन पीड़ित ने बात नहीं की।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिस नंबर से कॉल की गई हैं, वह विदेशी है। मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले भी विशाल पचार के नाम से अबोहर के मोबाइल कारोबारी से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। इस संबंध में सितंबर माह में कोतवाली थाने में मामला दर्ज हुआ। पुलिस जांच की गई तो अबोहर तहसील क्षेत्र के तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। इससे भी पहले रेडीमेड गारमेंट का कारोबार करने वाले सेतिया कॉलोनी निवासी युवक को भी विशाल पचार के नाम से धमकी देकर 50 लाख रुपए मांगे गए थे। यह परिवार भी किराए के मकान में रहता है और बैंक लोन से चार माह पूर्व ही शहर में रेडीमेड गारमेंट की दुकान शुरू की थी। पुलिस की पूर्व में हुई दोनों जांच में विशाल पचार नामजद है लेकिन गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

निर्माण कार्य के दौरान मलबा गिरने से दो मजदूरों की मौत

- **एक मजदूर घायल, मध्य प्रदेश के बताए जा रहे हैं**

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के बाप थाना क्षेत्र के देदासरी गांव में प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के दौरान अचानक मलबा गिरने से दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक मजदूर व घायल मध्य प्रदेश के बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, देदासरी ग्राम पंचायत में तालाब के पास सड़क मार्ग पर बड़े प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान अचानक प्रवेश द्वार का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया। मलबा गिरने से वहां काम कर रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बाप थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। मृतकों के शव को बाप मोर्चरी भेजा गया, जबकि घायल मजदूर को बाप अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के निवासी हैं और निर्माण कार्य में लगे हुए थे। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। प्रशासन ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, इसकी जांच होगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -33 दिनांक :- 26.12.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 33/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 42.55 लाख के कुल 01 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 26.12.2025 एवं अंतिम तिथि 07.01.2026 तथा निविदा खुलने की तिथी 08.01.2026 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN No. UNP2526WSOB00126
अधीक्षण अभियन्ता नगर निगम, उदयपुर
राज.संवाद/सी/25/16636

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
Phone no. 07464-294024 Email id np.karauli@yahoo.com
क्रमांकः नपरिक0/2025-26/4403 दिनांकः 19.12.2025
ई - निविढा सूचना
सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली 01 वर्ष की अवधि हेतु सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था हेतु सफाई श्रमिक उपलब्ध कराने के कुल कार्य हेतु टैण्डर (निविदाऐं) करना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं एवं निविदा प्रक्रिया में www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से भाग लिया जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य	नगरपरिषद करौली की जॉनवाईज सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था कराने के कुल कार्य- 03
निविदा की लागत	147.00 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य की अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	24.12.2025 समय 2:00 पीएम0 से 16.01.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	16.01.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ई - प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त टैण्डरों की बिड खोलने की तिथि	19.01.2026 समय 1:00पीएम0
निविदा शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 1000/-रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 500/-रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	1 वर्ष
UBN. -	1. DLB2526WSOB28387 2. DLB2526WSOB28388 3. DLB2526WSOB28389

राज.संवाद/सी/25/16731 सभापति नगरपरिषद, करौली आयुक्त नगरपरिषद, करौली

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में पैंथर की मौत

- **प्रथमदृष्टया पैंथर की मौत बीमारी के चलते होना माना जा रहा है**
- **ट्रेंकुलाइज की प्रक्रिया में जुटी टीम को पैंथर झाड़ियों में मृत अवस्था में मिला**

बूंदी, (निसं)। जिले के रामगढ़ विषधारी टाईगर रिजर्व की बूंदी रेंज के खटकड़ क्षेत्र में एक पैंथर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रथम दृष्टया पैंथर की मौत बीमारी के चलते होना प्रतीत हो रही है। हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। ग्रामीणों ने वन अधिकारियों को पैंथर के घायल अवस्था में होने की सूचना दी थी, जिस पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी।

डीएफओ अरुण कुमार ने बताया कि खटकड़ इलाके में पैंथर के असामान्य व्यवहार और सही मूवमेंट नहीं कर पाने की सूचना पर वन विभाग ने पैंथर की निगरानी के लिए टीम भेजी थी, जहां इलाज के उद्देश्य से पैंथर को ट्रेंकुलाइज करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान ट्रेंकुलाइज की प्रक्रिया में जुटी टीम को पैंथर झाड़ियों में मृत अवस्था में पड़ा मिला। वन विभाग ने मौके से पैंथर को कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया शुरू की।

डीएफओ अरुण कुमार ने बताया कि पैंथर के शरीर पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पैंथर का पोस्टमार्टम बूंदी वन विभाग की हनुमंत वाटिका में मेडिकल बोर्ड द्वारा कराया गया है, ताकि किसी भी तरह की आशंका को दूर किया जा सके। इन्होंने बताया कि क्षेत्र में वन्य जीवों की निगरानी और सुरक्षा को लेकर विभाग पूरी तरह से गंभीर है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसी प्रकार की लापरवाही या अन्य कारण सामने आने पर नियमानुसार कदम उठाए जाएंगे।

पैंथर की बड़ी संख्या है विषधारी टाइगर रिजर्व में:- रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पैंथरों की अच्छी-खासी संख्या मौजूद है। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र वन्य जीवों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे में एक पैंथर की संदिग्ध मौत से वन्यजीव प्रेमी और पर्यावरण से जुड़े लोग निराश हैं। अभी पिछले दिनों ही रिजर्व क्षेत्र में पैंथरों के फंदे में फंसने जैसी घटनाएं भी सामने आई थी।

मासूम की हत्या की आरोपी मां के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश

- **आनासागर झील की पुरानी चौपाटी क्षेत्र में झील में बच्ची का शव तैरता मिला था**

अजमेर, (कासं)। गत सितंबर माह में आनासागर झील में तीन साल की मासूम काव्या को आनासागर झील में डुबोकर हत्या के मामले में क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने जांच पूरी कर आरोपी मां अंजलि सिंह उर्फ प्रिया के खिलाफ अदालत में चार्जशीट पेश कर दी है। अब इस प्रकरण का ट्रायल 6 जनवरी से शुरू होगा। पुलिस ने चार्जशीट में सीसीटीवी फुटेज, चश्मदीद गवाह और एफएसएल रिपोर्ट को मुख्य आधार बनाया है।

घटना सितंबर में आनासागर झील की पुरानी चौपाटी क्षेत्र की है, जहां सुबह झील में बच्ची का शव तैरता मिला था। इससे एक दिन पहले अंजलि और उसके साथ मौजूद युवक अल्केश गुप्ता को पुलिस ने संदिग्ध हालात में डिटेन कर पूछताछ की थी। दोनों ने बच्ची के गुम होने की कहानी सुनाई, लेकिन अगले दिन शव मिलने के बाद पुलिस का शक गहरा गया। जांच में सामने आया कि घटना स्थल और आसपास लगे कैमरों में अंजलि अपनी पुत्री काव्या के साथ नजर आई थी। पूछताछ के दौरान अंजलि बार-बार बयान बदलती रही। पुलिस के अनुसार सख्ती से पूछताछ पर उसने बच्ची को झील में धक्का देने की बात स्वीकार की। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। आरोपी पिछले करीब चार महीने से केंद्रीय कारागृह में बंद है। मामले का एक अहम पहलू यह भी रहा कि आरोपी को निजी स्तर पर पैरवी के लिए वकील नहीं मिला। अदालत की प्रक्रिया के तहत विधिक सेवा प्राधिकरण ने आरोपी की ओर से पैरवी के लिए अधिवक्ता महेन्द्र चौधरी को नियुक्त किया है। पुलिस जांच में प्रेमी अल्केश गुप्ता की भूमिका को लेकर भी पड़ताल हुई, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उसे क्लीनचिट दी गई। चार्जशीट में मुख्य आरोपी अंजलि को ही माना गया है। जांच में यह भी सामने आया कि अंजलि पूर्व में पति से अलग रह रही थी और अजमेर आने से पहले बनारस में रहने के दौरान उसके अल्केश से संबंध बने।

आधी ड्यूटी स्कूल में देकर बच्चों का कोर्स पूरा करवाएं बीएलओ

- **प्रदेशभर में बीएलओ के रूप में काम कर रहे टीचर्स को आदेश दिया**

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान में शैक्षणिक सत्र को 1 जुलाई से हटाकर 1 अप्रैल से शुरू करने के फैसले के पीछे शिक्षा विभाग खुद यह स्वीकार कर रहा है कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बावजूद इसके, विभाग ने न तो पाठ्यक्रम में किसी तरह की कटौती की है और न ही छात्रों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को कम करने का कोई ठोस कदम उठाया है। अब प्रदेशभर में बीएलओ के रूप में काम कर रहे टीचर्स को आदेश दिया गया है कि वो आधी ड्यूटी स्कूल में देकर बच्चों का कोर्स पूरा करवाएं।

शासन सचिव कृष्ण कुणाल की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि सत्र परिवर्तन के कारण विद्यालयों में 20 से 22 दिनों का शैक्षणिक नुकसान हुआ है और शिक्षण दिवस कम हुए हैं। इसके बाद भी विभाग ने पूरे पाठ्यक्रम को तय समय में पूरा कराने के निर्देश जारी कर दिए हैं। शिक्षा विभाग का समाधान यह है कि बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के रूप में चुनावी दायित्व निभा रहे शिक्षक आधे दिन अनिवार्य रूप से स्कूल में उपस्थित रहें और पाठ्यक्रम समय पर पूरा कराएं। इसके बाद भी सरकारी स्कूल में पाठ्यक्रम पूरा होगा, इस पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

बीएलओ शिक्षक पहले से ही मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी कार्यों में लगे रहते हैं। अब उनसे अपेक्षा की जा रही है कि वे आधे दिन स्कूल में रहकर पढ़ाई भी संभालें। इस आदेश के बाद ग्रामीण क्षेत्र में काम कर रहे टीचर्स के लिए ज्यादा समस्या है क्योंकि वो दूर गांव से वापस स्कूल तक कैसे पहुंचेंगे। पूरे पाठ्यक्रम को कम समय में पूरा करने का सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ेगा। विभाग ने आदेश में ये भी स्वीकार किया है कि पीरियड नहीं लगने के कारण कोर्स पूरा नहीं हो पाया। अब जब एग्जाम में महज सवा महीना शेष रह गया है, ऐसे में सिलेबस कैसे पूरा होगा। इसमें भी सर्दी की छुट्टियां अभी चल रही है और तेज सर्दी पड़ी तो फिर छुट्टियां हो जाएगी।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in
Ref. No. : F-8() RMSC/EPM/M-3/NIB-881/2025-26/1455 Dated :- 24/12/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for item Z-Ray Machine (500 ma) (NIB-881) are invited from interested bidders up to Date: 22/01/2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in** or **www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**
UBN No. : MSC2526GLOB00068
Executive Director (EPM) Rajasthan Medical Services Corporation
Raj.Samwad/C/25/16591

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
गेहूं तुड़ी (Wheat Straw) हेतु दर संविदा
ई -बोली आमंत्रण सूचना संख्या 04/2025-26 (क्रमांक 152 दिनांक 24.12.2025)
इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ इकाईयों में गेहूं तुड़ी (Wheat Straw) हेतु दो कवर बिड (तकनीकी व वित्तीय बिड) में दर संविदा हेतु ऑनलाइन ई-बोली आंमत्रित की जाती है। जिसमें पंजीकृत फर्मो हेतु डी.एस.सी. के माध्यम से दिनांक 24.12.2025 से 14.01.2026 को सांय 5.00 बजे तक बोली प्रपत्र डाउनलोड कर अपलोड कर सकते है। **UBN is: VAU2526GLRC00092** का विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाईट **http//sppp.raj.nic.in** विभाग की वेबसाईट **www.rajuvas.org** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/16668 वित्त नियंत्रक

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/2271 दिनांक :- 26/12/2025
ई-निविदा सूचना संख्या- मुख्यालय/42/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन नियमानुसार पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।
UBN No.:- JOD2526SLOB00498
राज.संवाद/सी/25/16664 अधिशाषी अभियंता

दुष्कर्म का आरोपी वृंदावन से गिरफ्तार

- **आरोपी बुर्का पहनकर और लिपस्टिक लगाकर छुपा हुआ मिला**

धौलपुर, (निसं)। कोतवाली थाना इलाके में 15 दिसंबर को नौकरी का झांसा देकर 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी रामभरोसी उर्फ राजेंद्र सिसोदिया को उत्तर प्रदेश के वृंदावन शहर से गिरफ्तार किया है। आरोपी बुर्का पहनकर और लिपस्टिक लगाकर महिला के वेष में छुपा हुआ बैठा था।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया बर्खास्त आरएसी के जवान रामभरोसी उर्फ राजेंद्र सिसोदिया ने 15 दिसंबर 2025 को बसेड़ी थाना इलाके की 16 साल की नाबालिग लड़की एवं उसके भाई को जेल पुलिस में नौकरी का झांसा देकर अपने घर पर बुलाया था। आरोपी ने नाबालिग के भाई को बाजार भेज दिया था। इसी दौरान आरोपी ने नाबालिग के साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था। लड़की के चीखने चिल्लाने पर कॉलोनी के लोग मौके पर पहुंच गए। तत्कालीन समय पर कॉलोनी के लोगों ने काफी प्रदर्शन किया था, लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गया था।पुलिस आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी, लेकिन हर बार आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो रहा था।

देशी सैलानियों से गुलज़ार हुआ जैसलमेर

जैसलमेर, (नि.सं.)। पीक सीजन माने जाने वाले दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह और साल के आखिरी दिनों में स्वर्णनगरी उत्साह व उल्लास के माहौल में देशी सैलानियों से गुलजार है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिँह शेखावत द्वारा मंत्रालय का पदभार संभालने के तुरंत बाद जैसलमेर दौरा कर सोनार दुर्ग, गड़ीसर सरोवर पर संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए जाकर अनेक विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया गया, उसी के परिणाम स्वरूप पर्यटकों की चहल-पहल थमने का नाम नहीं ले रही। न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर हॉट डेस्टिनेशन बन चुके जैसलमेर ने देसी पर्यटकों के रिकॉर्ड आगमन से बीते कई सालों के आंकड़े तोड़ दिए हैं।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड-जालोर
Tel: 02973-222272, Email: ee.jal.phed@rajasthan.gov.in. xen_jal@yahoo.com
क्रमांक- वृत्त/जालोर/निविदा/ /2025-26/ दिनांक-
बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 59-61/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मं पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र/राज्य सरकार के अधिकृत विभागों/संगठनां, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों में उपयुक्त समकक्ष श्रणी में पंजीकृत संवेदकों से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्नऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है-

बिड संख्या	NIB NO. PHE2526A4933	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
59/2025-26	UNB NO. PHE2526WSRC10125	75.00	150000	1500	1500	12 माह
60/2025-26	UNB NO. PHE2526WSRC10126	75.00	150000	1500	1500	12 माह
61/2025-26	UNB NO. PHE2526WSRC10127	75.00	150000	1500	1500	12 माह
ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने ितिथि			25.12.2025			
ऑनलाईन बिड डाउनलोड/अपलोड करने की अन्मि तिथि			05.01.2026 को 6.00 पी.एम			
ऑनलाईनबिड खालने की तिथि			06.01.2026 को 2.00 पी.एम.			

बिड से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है
(राजकुमार कटारा) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियात्रिक विभाग खण्ड-जालोर
DIPR/C/19265/2025

कार्यालय नगरपालिका मण्डल -तखातगढ़, जिला - पाली
क्रमांक : न.पा.त./विकास/ई-निविदा/2025-26/6264 दिनांक : 24.12.2025
॥ ई-निविदा सूचना संख्या ॥
नगरपालिका तखतगढ़ (पाली) की ओर से निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकिय विभागों एवं मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारो से ई-निविदा द्वारा विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी का होगा। निविदा की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईड **www.sppp.rajasthan.gov.in** or **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाखो में)	धरोहर राशि (2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	UBN
1	Construction of sheltter house Municipal Board Takhatgarh.	77.83	155662	1000	1000	12 माह	DLB2526WSOB28417

कुल निविदा के कार्य	1 (एक)
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 77.83 लाखों में
निविदा जारी करने की दिनांक व समय	25.12.2025/Time 18.00
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	26.12.2025/Time 18.00
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने/अपलोड करने हेतु शुरूआती दिनांक व समय	27.12.2025/Time 9.00
निविदा दस्तावेजों को जमा करवाने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	09.01.2025/Time 18.00
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	12.01.2025/Time 18.00
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	12.01.2025/Time 18.00
बिड की वैधता समयावधि	90 दिन

1. निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते वेब साईड **www.sppp.rajasthan.gov.in** or **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा शुल्क व अमानत राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ के नाम देय होगी एवं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क रू. 1000/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट व प्रोसेसिंग शुल्क रू. 1000/- MD. RISL जयपुर के नाम देय होगा। निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तखतगढ़ कार्यालय में दिनांक .... को 18:00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक होगा।
3. डिमाण्ड ड्राफ्ट या बैंकर चैक निविदा प्राप्ति दिनांक के पश्चात की ही मान्य होगा।
4. अपेक्षाकृत कम दरे प्राप्त होने पर अन्तर की राशि परफोंमेन्स सिक्योरिटी के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा।
5. राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 व 2013 के सभी नियम एवं शर्ते लागू होगी।
6. निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
7. संवेदक द्वारा फ्लोटर उपयोग लेना आवश्यक है व पंजीकृत प्रयोगशाला से टेस्टींग रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर ही भुगतान किया जायेगा।
8. उक्त सभी कार्यो की दोश निवारण अवधि पांच वर्ष रहेगी।
9. उक्त निविदा में भाग लेने वाले संवेदक द्वारा IT ACT 2000 के तहत डिजिटल हस्ताक्षर के जरिये उपरोक्त वेबसाईड में भाग लिया जायेगा।
10. अन्य शर्ते कार्यालय समय में विकास शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/16689 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान में जिप्सम और लिग्नाइट का उत्पादन बढ़ाने पर जोर देने की जरूरत : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने कहा, ''स्टील ग्रेड लाइमस्टोन और रॉक फास्फेट के उत्पादन में आर.एस.एम.एम. का समूचे देश में लगभग एकाधिकार है, हमें इसका लाभ उत्पादन और कारोबार बढ़ाने में करना होगा।''

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव एवं चेयरमेन आरएसएमएम वी. श्रीनिवास ने राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल (आरएसएमएम) से खनिज खनन में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए उत्पादन, वार्षिक कारोबार और लाभदायकता बढ़ाने की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि स्टील ग्रेड लाइमस्टोन और रॉक फास्फेट के उत्पादन में आरएसएमएम का समूचे देश में लगभग एकाधिकार है। हमें इस एकाधिकार का लाभ उत्पादन व और अधिक कारोबार बढ़ाने में करना होगा। उन्होंने जिप्सम और लिग्नाइट का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में आरएसएमएम की 75वीं वार्षिक साधारण सभा और संचालक मण्डल की 421 वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि आरएसएमएम द्वारा 35 लाख टन सालाना लाइम स्टोन का उत्पादन किया जा रहा है वहीं वर्ष 2024-25 में रॉक फास्फेट, लाइमस्टोन, जिप्सम और लिग्नाइट का 62 लाख टन उत्पादन किया गया है। इस साल नवंबर माह तक 39 लाख टन खनिजों का उत्पादन किया जा चुका है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को सचिवालय में आरएसएमएम की 75वीं वार्षिक साधारण सभा और संचालक मण्डल की 421 वीं बैठक ली। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार व प्रमुख सचिव टी. रविकांत भी मौजूद थे।

वी. श्रीनिवास ने आरएसएमएम के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गतिविधियों पर आधारित एक फिल्म बनवाने और काफीटेबल बुक भी तैयार कराने को कहा। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्रों के विकास में भी आरएसएमएम को भागीदारी बढ़ानी होगी।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने कहा कि आरएसएमएम को कार्यों में विविधीकरण करते हुए नए क्षेत्रों में भी संभावनाएं तलाशनी होगी। उन्होंने खनन सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए उत्पादन और आक्रामक मार्केटिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम के पास खेती में उपयोगी रॉकफास्फेट के विपुल भण्डार होने के साथ ही जैसलमेर में स्टीलग्रेड लाइमस्टोन के प्रचुर

> ■ **वर्ष 2024-25 में रॉक फास्फेट, लाइमस्टोन, जिप्सम और लिग्नाइट का 62 लाख टन उत्पादन हुआ था, इस साल नवंबर माह तक 39 लाख टन खनिजों का उत्पादन किया जा चुका**

भण्डार है। ऐसे में स्टील उद्योग में मांग और आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास किए जाएं।

आरएसएमएम की प्रबंध निदेशक प्रज्ञा केवलरमानी ने आरएसएमएम की गतिविधियों और प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम के 50 साल पूरे होने पर स्वास्थ्य जांच, रक्तदान शिविर सहित अनेक कल्याणकारी गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष जनवरी में खेल प्रतियोगिता आयोजित करने और 26 जनवरी को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार, प्रमुख सचिव वित्त वैभव गालरिया ने भी सुझाव दिए।

राजधानी में 500 से अधिक स्थानों पर पिलाया जाएगा एक लाख लीटर दूध

नववर्ष की पूर्व संध्या पर युवा लेंगे नशा-मुक्ति का संकल्प

जयपुर। नववर्ष-2026 की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर को राजधानी में पांच सौ अधिक स्थानों पर दूध महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। राजधानी के हर प्रमुख चौराहे, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शाम ढलते ही गुनगुना मीठा दूध पिलाया जाएगा। कहीं दूध के साथ गर्मागर्म जलेबी या हलवा खिलाया जाएगा। मुख्य आयोजन इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी एवं राजस्थान युवा छात्र संस्था के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर शाम 6 बजे से दूध महोत्सव का शुभारंभ होगा। यहां दूध पिलाने के साथ युवाओं को नशा छोड़ने की शपथ भी दिलाई जाएगी। इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी के सचिव धर्मवीर कटेवा ने बताया कि नशा मुक्त समाज बनाने के लिए 23 वर्ष पूर्व राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर दूध पिलाने की मुहीम शुरू की आज वह पौष बड़ा महोत्सव की तरह व्यापक हो गई है। यह अच्छा संकेत है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर आज दूध महोत्सव प्रदेश के विभिन्न शहरों में मनाया जाने लगा है। सम्पूर्ण राजस्थान में 2000 से अधिक स्थानों पर दूध पिलाया जाता है। अनुमान है कि 10 लाख से अधिक लोग दूध पीकर नववर्ष का स्वागत करेंगे। जयपुर शहर में ही 500 से अधिक स्थानों पर दूध वितरण किया जाएगा। सरस डेयरी और लॉटस डेयरी की ओर से विभिन्न स्थानों पर गुनगुना दूध निशुल्क पहुंचाया जाएगा।

सांगानेर में अनेक स्थानों पर दूध पिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का विधानसभा क्षेत्र होने के कारण भाजपा और भाजपा की विचारधारा के संगठनों की ओर से बड़े स्तर पर दूध पिलाने के कार्यक्रम होंगे। कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र भारद्वाज के नेतृत्व में भी विभिन्न स्थानों पर आमजन को दूध पिलाया जाएगा। इस वर्ष लगभग 50 हजार से अधिक लोगों को दूध पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य कार्यक्रम सांगानेर कस्बे के सीटीएस बस स्टैंड पर होगा। विधानी, इंडिया गेट, कल्याणपुरा के तेजाजी मंदिर, थड़ी मार्केट, रीको कांटा, भांकरोटा, जेडीए कॉलोनी, गोविंदपुरा में भी दूध महोत्सव मनाया जाएगा।

राजस्थान जाट महासभा की ओर से मानसरोवर स्थित केसर नगर चौराहे पर दुग्ध वितरण कार्यक्रम होगा। वहीं अग्रवाल समाज, मालवीय नगर की ओर से अग्रसेन भवन में रात 8 बजे से दुग्ध महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राजापार्क, छोटी चौपड़, ब्रह्मपुरी सहित अनेक स्थानों पर विभिन्न संगठनों की ओर से दूध वितरण के कार्यक्रम होंगे। विभिन् संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से सीकर रोड सहित 35 स्थानों पर नि:शुल्क दूध पिलाया जाएगा।

सरस राजसखी मेले में उमड़ रही है खरीददारों की भीड़

सरस राजसखी मेले में स्टॉल्स पर प्रदर्शित अलग-अलग राज्यों के हस्तशिल्प उत्पाद और परिधानों की खरीद के लिए ग्राहक उमड़े।

जयपुर (कासं)। नव वर्ष के उल्लास के साथ जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 इन दिनों रंगों, रचनात्मकता और ग्रामीण हुनर की जीवंत मिसाल बनकर उभर रहा है। जैसे-जैसे नए साल 2026 की रौनक बढ़ रही है, वैसे-वैसे मेले का आकर्षण भी जयपुरवासियों को अपनी ओर खींच रहा है। देशभर से आई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल अपनी अनूठी प्रस्तुति, सृजनशीलता और मेहनत की कहानी खुद बयां कर रहे हैं। मेले में भारतीय टैक्सटाइल की विविधता देखते ही बनती है। पारंपरिक और आधुनिक डिज़ाइन का खूबसूरत संगम यहां प्रदर्शित हो रहा है। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी साड़ियां, आकर्षक दुपट्टे, सुरुचिपूर्ण सूट और सर्द मौसम के लिए उपयुक्त ऊनी वस्त्र महिलाओं को खास तौर पर लुभा रहे हैं। इन उत्पादों की गुणवत्ता, हस्तनिर्मित बारीक कारीगरी और किफायती मूल्य के चलते खरीदारी को लेकर आगंतुकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

टैक्सटाइल के साथ-साथ घर की सजावट से जुड़े हस्तशिल्प उत्पाद भी मेले का प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। मिट्टी, लकड़ी, कपड़े और प्राकृतिक सामग्री से तैयार सजावटी वस्तुएं लोगों के घरों में देसी सौंदर्य और आत्मीयता का अहसास जोड़ रही है। मेले की सांस्कृतिक संध्याएं इस आयोजन को और भी जीवंत बना रही हैं। इसी कड़ी में केरल की पारंपरिक लोक कलाओं चंदा और नड़पट्टू की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। तालबद्ध संगीत की गूंज और कलाकारों की ऊर्जावान प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गडगडाहट के साथ सराहा।

महर्षि बालीनाथ की जयंती मनाई

जयपुर। संत शिरोमणि महर्षि बालीनाथ जयंती मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई। बलाई समाज की विभिन्न बस्तियों में धार्मिक और सामाजिक आयोजन हुए। इसी कड़ी में बैरवा समाज एकता मिशन राजस्थान की ओर से मंगलवार को स्वेज फार्म सोडाला स्थित हीरा वैली रिसोर्ट में बैरवा दिवस और संत शिरोमणि महर्षि बालीनाथ महाराज जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थिति रहे।

ई-गवर्नेंस : जन आधार अब डिजीलॉकर पर भी उपलब्ध

लोगों को हार्ड कॉपी रखने की आवश्यकता नहीं होगी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार ई-गवर्नेंस प्रणाली के माध्यम से आमजन को सरल, सुलभ और त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य को साकार करते हुये अब जन आधारकार्ड अब भारत सरकार के डिजीलॉकर पर भी उपलब्ध करा दिया गया है। अब आमजन सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाईन ही जनआधार उपलब्ध करवा पाएंगे। उन्हें अब हार्ड कॉपी रखने की आवश्यकता नहीं, डिजीलॉकर में उपलब्ध दस्तावेज असली दस्तावेजों के बराबर ही प्रामाणिक माने जाएंगे।

आयोजना के शासन सचिव एवं महानिदेशक, जन आधार प्राधिकरण डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि डिजीलॉकर में जन आधार उपलब्ध होने से अब लोगों से दस्तावेज माँगे जाने पर वे डिजीलॉकर से ही जन आधार डिजीटल फार्मेट पर उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह कदम कागज रहित शासकीय राजकाज की अवधारणा सत्यापन प्रक्रिया को कम करके प्रशासनिक कार्य में लगने वाले

> ■ **असली दस्तावेजों के बराबर ही प्रामाणिक माने जाएंगे**

समय को कम करता है।

जन आधार प्राधिकरण के निदेशक निर्मल कुमार सेठी ने अवगत कराया कि राजस्थान सरकार की 200 से भी अधिक योजनाओं एवं सेवाओं के लाभ आमजन को जन आधार के माध्यम से ही प्रदान किये जा रहे हैं। जन आधार राजस्थान का पारिवारिक डेटाबेस है एवं राज्य में सभी लाभ जन आधार के माध्यम से प्रदान किये जा रहे है। इसके साथ ही जन आधार कार्ड को व्यक्तिगत पहचान, पते के पहचान और रिश्तों की पहचान के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

उल्लेखनीय है कि डिजिलॉकर डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है। डिजिलॉकर का उद्देश्य नागरिकों के डिजिटल दस्तावेज़ वॉलेट में प्रामाणिक डिजिटल दस्तावेज़ों तक पहुँच प्रदान करके नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण करना है। महत्वपूर्ण दस्तावेज कभी भी, कहीं भी की अवधारणा का साकार करते हुये डिजिलॉकर सिस्टम में जारी किए गए दस्तावेजों को मूल भौतिक दस्तावेजों के बराबर माना जाता है। यह रियल टाइम वेरिफिकेशन का एक सत्यापन मॉड्यूल प्रदान करता है जो सरकारी एजेंसियों को यूजर की सहमति प्राप्त करने के बाद सीधे जारीकर्ताओं से डेटा सत्यापित करने में सक्षम बनाता है। किसी व्यक्ति की सहमति से ही डिजिटल दस्तावेज का आदान-प्रदान होता है।

डिजीलॉकर पर कार्ड डाउनलोड की प्रक्रिया

जन आधार नम्बर दर्ज करें। जन आधार कार्ड में उपलब्ध अपनी मेम्बर आईडी दर्ज करें। ओटीपी भेजने वाले बटन पर क्लिक करें। जन आधार में दर्ज मोबाइल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें।

जेडीए आयुक्त ने दिया ट्रेफिक मैनेजमेंट पर जोर

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में मंगलवार को अभियांत्रिकी शाखा की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जेडीसी ने अभियांत्रिकी शाखा की संरचना और ढांचे के बारे में विस्तृत जानकारी ली। जेडीसी ने अभियांत्रिकी शाखा द्वारा किए जा रहे प्रगतिरत कार्यों, प्रमुख परियोजनाओं एवं अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बजट घोषणाओं को मूर्त रूप देने के लिए बेहतर मॉनिटरिंग के साथ तय समयावधि में परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य सरकार की मंशानुरूप वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों की गति में वृद्धि करने के निर्देश दिए। महाजन ने भविष्य में जयपुर शहर की मुख्य सड़कों-जेएलएन मार्ग, महल रोड, सीकर रोड आदि को ट्रेफिक लाईट मुक्त करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

राजीव आहूजा को डॉक्टरेट की उपाधि

जयपुर। समाजसेवी राजीव आहूजा को उनके उत्कृष्ट योगदान, सामाजिक प्रतिबद्धता और कला एवं शिल्प के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए भारत सरकार एलपीएसी की ओर से दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया। आहूजा जयपुर में कला और हस्तशिल्प से जुड़े हैं। वे राजापार्क व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी रहे है।

सार-समाचार

साईकिल से की जयपुर से कलकत्ता यात्रा

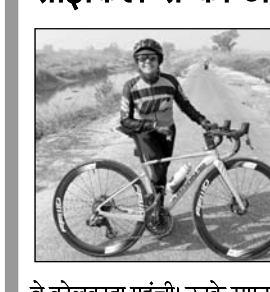

जयपुर। आयरन लेडी के नाम से पहचाने जाने वाली 59 वर्षीय साइकिलिस्ट रेणु सिंघी जयपुर से कोलकाता तक साइकिलिंग करके वापस लौटी हैं। करीब 1570 किलोमीटर की यह दूरी उन्होंने सात दिन में पूरी की। फतेहपुर सीकरी, इटावा, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, शेरगढ़, धनबाद और पानगढ़ होते हुए वे कोलकाता पहुंची। उनके सफर में जोधपुर के साइकिलिस्ट प्रद्युम्न सिंह ने वाराणसी तक साथ दिया। रेणु सिंघी ने बताया कि यह जर्नी काफी यादगार रही। इसमें हमारी कोशिश यह रही कि ज्यादा से ज्यादा सफर छोटे गांवों से होकर किया जाए। इससे हमें स्थानीय संस्कृति के बारे में करीब से जानने को मिला। गांवों के लोगों से मिलना काफी अच्छा अनुभव रहा। हालांकि साइकिलिंग दिन के समय ही की, लेकिन सर्दी का मौसम होने से कोहरे की वजह से सुबह के समय कुछ समस्या आई। कुछ स्थानों पर हाईवे पर रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों की वजह से भी परेशानी हुई, तो कुछ जगहों पर गलत ड्राईविंग करने वालों से परेशान होना पड़ा।

सांसद तिवाड़ी से मिले वरिष्ठ शिक्षक

जयपुर। अखिल राजस्थान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. बी. डी. रावत ने बताया कि वरिष्ठ शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से मिला। दोनों नेताओं को ज्ञापन सौंपकर बताया कि चयन समिति द्वारा विधिवत चयनित एवं 25 सितम्बर 2021 को सिंडिकेट द्वारा अनुमोदित प्रोफेसरों को कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत प्रोफेसरशिप का लाभ अभी तक प्रदान नहीं किया गया है। उन्हें वेतन निर्धारण एवं सेवा की गणना उनकी नियुक्ति की प्रारंभिक तिथि से करने का लाभ भी नहीं दिया गया है, जबकि इस संबंध में दिनांक 29 नवम्बर 2018 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का स्पष्ट पालन होना चाहिए। यह न्यायोचित मामला केवल 98 वरिष्ठ प्रोफेसरों के लिए लंबित है और इनमें से लगभग 7-8 प्रोफेसरों की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सांसद तिवाड़ी ने संबंधित प्रभारी अधिकारी को निर्देश दिया कि उच्च शिक्षा विभाग से रिपोर्ट मंगवाकर उनके समक्ष प्रस्तुत की जाए। प्रतिनिधिमंडल में प्रो.बी.एल.गुप्ता, प्रो.बी.डी.रावत, प्रो.मधु सूदन शर्मा, प्रो.आर.डी.अग्रवाल, प्रो.एन.एम.शर्मा, प्रो.बी.एल.गुप्ता और प्रो.अरुण सोल और 35 विश्वविद्यालय शिक्षक उपस्थित थे।

रजनी बाला शर्मा को पीएचडी की उपाधि

जयपुर। महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने रजनीबाला शर्मा को ''डॉक्टर ऑफ फिलोसॉपी इन लॉ'' की उपाधि प्रदान की है। रजनी बाला शर्मा ने ''ए क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ स्पोर्ट्स लॉज़ इन इंडिया विथ स्पेशल रेफरेंस टू प्रिवेंसन एंड वोइलेंस इन स्पोर्ट्स'' विषय पर शोध कार्य प्रो. डॉ. महेन्द्र तिवाड़ी के निर्देशन में पूरा किया है।

जेडीए ने 160 फीट सेक्टर रोड से ध्वस्त किए अतिक्रमण

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर जे.डी.ए. के प्रवर्तन दस्ते ने वैशाली नगर क्षेत्र में झाड़खंड महादेव तिराहे से 200 फीट सिरसी रोड बाईपास तक सड़क सीमा में आ रहे कच्चे-पक्के अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त किया।

उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश की पालना में झारखण्ड मोड तिराहे से खातीपुरा तिराहा होते हुए 200 फीट सिरसी रोड बाईपास तक सड़क की चौड़ाई जोनल डवलपमेंट प्लान के मुताबिक करने के लिए

> ■ **झाडखंड महादेव तिराहे से खातीपुरा तिराहा होते हुए 200 फीट सिरसी रोड बाईपास तक ध्वस्त किए निर्माण**

गठित 5 टीमों की निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई। गत 9 अप्रैल और 25 मई को भी जेडीए टीम ने यहां अवैध निर्माण व अतिक्रमण ध्वस्त किए थे। मंगलवार को यहां 160 फीट रोड पर दुकान और ग्राउंड, प्रथम व द्वितीय फ्लोर की इमारतों और करीब 6 मीटर लम्बाई में बाउण्ड्रीवाल का अवैध निर्माण कर पुन: किये गये अतिक्रमणों तथा शेष रहे 200 मीटर तक अतिक्रमण को सामूहिक अभियान चलाकर ध्वस्त किया गया।

इस दौरान वैशाली नगर थाने के पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में जेडीए टीम ने कच्चे-पक्के अवैध निर्माणों को लोखण्डा, जेसीबी मशीने और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया।

प्रदेश में पहली बार लागू हुई वर्चुअल नेट मीटरिंग और ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था

जिनके पास स्वयं की छत नहीं, ऐसे उपभोक्ता भी ले सकेंगे सस्ती सौर ऊर्जा का लाभ

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था प्रभावी होने जा रही है। राजस्थान डिस्कॉम्स ने राजस्थान विद्युत नियामक आयोग के समक्ष राज्य में वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था लागू करने के लिए याचिका प्रस्तुत की थी, जिस पर बीते दिनों नियामक आयोग ने ग्रिड इंटरएक्टिव डिस्ट्रिब्यूटेड रिन्यूबल एनर्जी जनरेटिंग सिस्टम्स तृतीय संशोधन विनियम-2025 अधिसूचित किए थे। डिस्कॉम्स ने मंगलवार को इसकी क्रियान्विति के दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

इसके माध्यम से प्रदेश में वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था को पहली बार लागू किया गया है। इसका सर्वाधिक लाभ प्रदेश के मल्टी स्टोरी तथा अपार्टमेंट में रह रहे लोगों, गांव-ढाणी में बसे लोगों, सरकारी एवं निजी कार्यालयों, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा एक मेगावाट क्षमता तक विद्युत

> ■ **बिजली बिल में होगी बचत, डिस्कॉम्स ने क्रियान्विति के निर्देश किए जारी**

भार वाले वृहद उद्योगों एवं ऐसे अन्य उपभोक्ताओं को होगा, जिनके पास स्वयं की छत उपलब्ध नहीं है। ऐसे उपभोक्ता भी अब वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेटरिंग मीटरिंग व्यवस्था लागू होने के बाद अब सौर ऊर्जा से जुड़ पाएंगे। छत की उपलब्धता नहीं होने के कारण वे अब तक व्यक्तिगत सोलर नहीं लगा पाते थे।

डिस्कॉम्स ने इन विनियमों के माध्यम से तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया को आसान बनाया है। इसके अन्तर्गत 10 किलोवाट तक की घरेलू सोलर परियोजनाओं को बिना तकनीकी अध्ययन के स्वीकृत माना जाएगा। वहीं इससे अधिक विद्युत भार वाली सोलर परियोजनाओं के लिए तकनीकी अध्ययन की समय सीमा मौजूदा उपभोक्ताओं के लिए 15 दिन और नए कनेक्शनों के लिए 30 दिन रखी गई है। यह सोलर संयंत्र रूफ टॉप अब बालकनी एवं अन्य स्थान पर उपलब्ध भूमि, सार्वजनिक भूमि, जलाशयों आदि स्थानों पर लगाए जा सकेंगे। इसके माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं को व्हीलिंग चार्ज, बैंकिंग चार्ज और क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज से पूरी छूट दी गई है।

ज्ञात रहे कि वर्चुअल नेट मीटरिंग ऐसी व्यवस्था है जिसमें एक स्थान पर स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र से उत्पन्न होने वाली बिजली को उसी डिस्कॉम क्षेत्र में आने वाले कई उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में समायोजित किया जाता है। उदाहरण के लिए,किसी अपार्टमेंट, कॉलोनी या संस्थान के पास स्वयं की छत नहीं है अथवा सीमित स्थान है तो वे किसी अन्य स्थान पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर वहां से उत्पन्न बिजली का लाभ अपने.अपने मीटरों में प्राप्त कर सकते हैं।

इसी प्रकार ग्रुप नेट मीटरिंग ऐसी व्यवस्था है जिसमें एक उपभोक्ता एक स्थान पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाता है तो उससे उत्पन्न बिजली को उसी डिस्कॉम क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले उसके अन्य कनेक्शनों में समायोजित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि किसी उपभोक्ता के पास घर, दुकान, ऑफिस अथवा अन्य कोई संस्थान है तो वह एक स्थान पर सोलर संयंत्र लगाकर वहां से उत्पन्न बिजली का उपभोग अपने अन्य स्थानों के विद्युत कनेक्शन पर भी कर सकता है। इसका सर्वाधिक लाभ ऐसे उपभोक्ताओं को होगा, जिनके कई संस्थान हैं और वहां उनके अलग-अलग बिजली कनेक्शन हैं। जैसे-स्कूल, अस्पताल, चैरिटेबल संस्थान आदि। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को सभी तरह के शुल्कों से पूरी तरह छूट मिलेगी। घरेलू के अलावा अन्य उपभोक्ताओं को भी कई शुल्कों से राहत मिलेगी। विशेषकर रेस्को मॉडल में अधिभार सामान्य ओपन एक्सेस दरों के 50 प्रतिशत पर होगा। बैटरी एनर्जी स्टोरेज से जुडी परियोजनाओं पर भी अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा।

बीज विधेयक-2025 किसान हितों की रक्षा में ऐतिहासिक कदम : डॉ. किरोडीलाल मीणा

जयपुर (कासं)। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित बीज विधेयक 2025 पर मंगलवार को पंत कृषि भवन में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बीज विधेयक 2025 के विभिन्न प्रावधानों, उनके व्यावहारिक प्रभाव तथा किसानों को होने वाले प्रत्यक्ष लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डॉ. किरोडीलाल ने कहा कि यह विधेयक

> ■ **डॉ. किरोडीलाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित यह विधेयक किसान अधिकारों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने वाला एक दूरदर्शी कानून सिद्ध होगा।**

किसानों के अधिकारों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने वाला एक दूरदर्शी कानून सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और बीज विधेयक 2025 से खेती में सुधार और प्रदेश की पैदावार में आशातीत वृद्धि होगी। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और हमारा कृषक आत्म निर्भर बन सकेगा।

उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्री किरोडीलाल मीणा ने इस वर्ष कृषि उर्वरक, बीज व पैस्टिसाइड बनाने वाले विनिर्माताओं एवं विक्रेताओं की जाँच की थी, जिसमें काफी अनियमितताएं पाई गई। उन्होंने किसानों

मंत्री किरोड़ीलाल ने बीज विधेयक 2025 की समीक्षा बैठक में कृषि विभाग की सफलता की कहानियां और पुस्तिकाओं का विमोचन किया।

को आ रही परेशानियों को भी धरातल पर जाकर सुना और समझा। जिससे डॉ. किरोडीलाल ने सबसे पहले केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को सीड बील में बदलाव करने के लिए पत्र लिखकर बीज में मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने के लिए सुझाव दिया और केंद्र सरकार द्वारा इनकी बात मानते हुए सीड बिल 2025 लाया गया। अब जल्द ही उर्वरक व पेस्टिसाइड बिल भी लाये जा रहे है। बैठक में सवाई माधोपुर में 18 व 19 जनवरी को आयोजित किये जा रहे अमरूद महोत्सव एवं उन्नत कृषि तकनीकी मेले की भी समीक्षा की गई। मंत्री किरोड़ीलाल ने इस अमरूद महोत्सव की विस्तार से जानकारी ली और उन्होंने अधिकारियों को महोत्सव में आने वाले किसानों के ठहरने, खाने-पीने एवं ट्रांसपोर्ट की उत्तम व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि अमरूद सवाई माधोपुर के पंच गौरवों में शामिल है। अमरूद महोत्सव का उद्देश्य अमरूद को न केवल फल नहीं बल्कि जिला गौरव, आजीविका एवं उद्यमिता का प्रतीक बनाना है। सवाई माधोपुर जिले में वर्तमान में 15 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में 20 हजार से अधिक किसानों द्वारा अमरूद की व्यावसायिक खेती की जा रही है।

इस दौरान कृषि मंत्री ने ''समन्वित कृषि प्रणाली से समृद्ध किसानों की सफलता की कहानियां एवं जैविक खेती से समृद्ध कृषकों की सफलता'' की कहानियां पुस्तिकाओं का भी विमोचन किया।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल, आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी शुभम चौधरी, निदेशक राजस्थान राज्य जैविक बीज प्रमाणिकरण संस्था के.सी.मीणा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस.शेखावत सहित विभागीय अधिकारी एवं सवाई माधोपुर से कृषि एवं उद्यानिकी अधिकारी उपस्थित रहे।

Ending the Year with No Interruptions Day

No Interruptions Day, observed on December 31, encourages individuals to reclaim focus and productivity by minimizing distractions for a set period. The day is all about creating an environment free from phone notifications, emails, and unnecessary interruptions, allowing people to complete tasks efficiently or simply enjoy uninterrupted personal time. Whether at work or home, observing No Interruptions Day can boost concentration, reduce stress, and enhance overall well-being. As the year ends, it serves as a reminder to pause, reflect, and give attention to what truly matters without the constant pull of external distractions.

#PHIR SUBAH HOGI (1958)

A Cinematic Dialogue with Dostoevsky

Sahir was adamant that the music director for this film must have read Crime and Punishment, also grasped its psychological and philosophical depth

In 1958, Indian cinema saw a remarkable adaptation of Fyodor Dostoevsky's literary classic *Crime and Punishment*, with the film *Phir Subah Hogi*. Starring Raj Kapoor in the lead role, the film translated the inner turmoil and moral complexity of Rodion Raskolnikov, Dostoevsky's tortured protagonist, into an Indian socio-political context. Kapoor's portrayal brought an intense, brooding presence to the character, aligning well with the philosophical weight of the original novel.

Interestingly, the story behind the film's music is as compelling as its narrative. At the time, Raj Kapoor's films were almost synonymous with the music duo Shankar-Jaikishan. Their melodies were sweeping, popular, and tailored to mainstream cinematic appeal. Naturally, they were the first choice for the music of *Phir Subah Hogi* as well. But lyricist Sahir Ludhianvi had a different vision, one rooted deeply in the thematic essence of the source material.

Sahir, known for his socially conscious and poetic lyrics, was adamant that the music director for this film must be someone who had not only read Crime and Punishment, but had also truly grasped its psychological and philosophical depth. He believed that only such an artist could provide a musical score that complemented the novel's haunting introspection and existential weight.

That artist was Khayyam.

Khayyam's music in Phir Subah Hogi was a stark departure from the opulent orchestration common in Hindi films of the time. His compositions were spare, melancholic, and deeply evocative. Perhaps, the most memorable example of this is the song *Yeh Subah Kabhi To Aayegi*, a piece that has continued to resonate with audiences decades after the film's release.

The song, with Sahir's lyrical longing for a better, more just world, captures the very soul of Dostoevsky's novel. Khayyam's minimalist arrangement allowed the lyrics to breathe, letting each word sink in with aching clarity. It's a song that doesn't just play, it lingers. The subdued instrumentation and measured pace seem to echo the protagonist's internal conflict, his hope clashing with despair, guilt competing with idealism.

It was *Yeh Subah Kabhi To Aayegi* that first made many listeners, myself included, fall in love with Sahir Ludhianvi's poetry in cinema. The collaboration between Sahir and Khayyam created a rare moment in film where literature, music, and ideology came together seamlessly. This wasn't just a soundtrack, it was an emotional and intellectual companion to the film's narrative.

In retrospect, Sahir's insistence on Khayyam was more than justified. Phir Subah Hogi remains a unique entry in Hindi cinema, both as a literary adaptation and as a musical achievement. Khayyam didn't just compose music for the film, he interpreted its soul.

And that may be the greatest tribute an artist can offer to Dostoevsky.

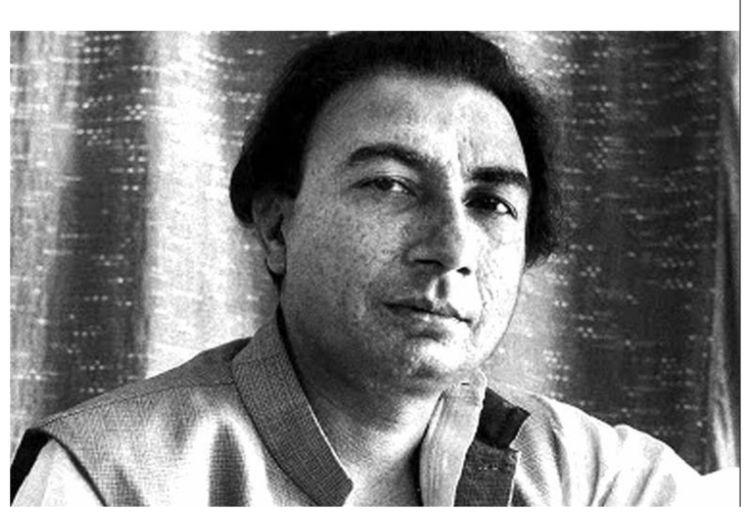

What else won't go away to release space for some normalcy is the Ukraine war. There is no shame in saying rather than whispering, that, Ukraine has been royally 'done.' Misleading, false promises of standing up with them, leading on, as if help was all ready to shoot the arrow in a split. No, Europe is weak and dependant. That bubble burst. The war is on, mainly because no one can stop it, not America. The right critical point of consideration has been allowed to pass. America will like to rake in the rare earth, and wheat.

The Bells Forgot To Ring Out The Unresolved 2025

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

On the last day of the year, I sat pensively, trying to figure out, what is this feeling of dejection all about. Years go, new year comes in, and has been happening forever. Every year, we stitch up hope and drive away all that negativity we had allowed to gather around us, needing just a broom, and some happy resolve. Ringing out the old and ringing in the new. A better way of life, some happier solutions, some forgiveness, and most of all, real hope in the future, people, and most of all, ourselves.

As the year has drawn to a close, the year-long quintessence of what was politely, 'what the American movies said was the character of American man,' has made it more and more clear that movies are true fiction. Naiveté is fine with a sixteen year old heroine, but we are all grown up here. So, the American hero is no more going to rescue the damsel or countries in true American tradition. Instead, it will create unrest, war, and issue threats if you forget to greet him with salaam sahib. It's not about Trump anymore, slowly it's sunk in that at least half of such a polite America is actually 'this mohalle ka dada.'

But why will it not ring away? Hoping for a better leader, maybe. It's because another realization has sunk in, that such a man can-not exist, at-least not in America. The country is slipping from its pedestal of the first nation, and fast. In this moment of panic, the true American character is shining through, darkly.

The year is coming to an end, and yet again, Trump announces, America is the UN. That is after he decided that he is not a King.

Enough of Trump. What else won't go away to release space for some normalcy is the Ukraine war. There is no shame in saying rather than whispering, that, Ukraine has been royally 'done.' Misleading, false promises of standing up with them, leading on, as if help was all ready to shoot the arrow in a split. No, Europe is weak and dependant. That bubble burst. The war is on, mainly because no one can stop it, not America. The right critical point of consideration has been allowed to pass. America will like to rake in the rare earth, and wheat.

#THE 2025

Bangladesh is burning. More of America here too. Yunus wants to be doing the bidding, even if their economy falls on its face (there may be a promise of a dole out 'later'), meanwhile Bangladesh will be allowed to be a little poor, to help them appreciate help when it comes. Pakistan is another 'beneficiary.' But wait, the actual 'beneficiary' may be us! Surround us with unrest to weaken us, and luck could favour America, and maybe, there will be another war, which Trump will call off. Closer to the Nobel Peace prize, he is hard at work for. Or, sinister thought plies, India will shudder to a stop in its growth trajectory, which would be such a relief to American ego. Although one may think a step ahead, and point out, that as a result, China will have an even clearer horizon! But it is so sad to pin hope on a failure, of either India or China. America still can't dare to look hard at China or Russia, one can see.

Then, there is the Thailand Cambodia war. Maybe, that could yield the Nobel Peace prize. Calling off or continuing with the war till results are in will feed the 'America is great again' euphoria much needed for the American uneducated. Not to say any country is free of such a polity, but as we say here in India, 'Hamare yahan Gavaar me bhi poora gyaan hai.' Everybody can see crystal clear, that business is largely a matter of trust, which is earned by generations. America has lost it in a matter of months.

So, business partners have to be reestablished, but America threatens, 'you work with others, we'll blow you off.' Venezuela has been surrounded by American ships to disallow adventurism. Many famous astrologers had predicted a miserable twenty five, for the world. And latest predictions are for a disastrous twenty six. So, here goes the future.

At home, there has been no closure of the 'Operation Sindoor.' Although in his last 'man ki baat,' Prime minister Modi asserted that the year has been one of great achievements, including 'Operation Sindoor,' installation of the holy flag at Ram Mandir in Ayodhya, the Mahakumbh, and an Indian going into space, also the victories in cricket. There have been big takeaways, it is true from the operation. India's key lesson from the radical Pakistan army's makeover is that the military nature of the neighbour is such that it is willing to stake everything, including a full fledged war, if all is not well in their land. It is another matter, that now India can call out the bluff of nuclear weapons. American intervention notwithstanding? Here is a takeaway for us. Neighbours will be envious of each other, this is the nature of humanity. Especially if one of them is bigger, richer, more successful. Now, we can factor it in, or not. But it will remain. Bangladesh is tired of being grateful to India for its independence, Pakistan hates to see prosperity across the border. And why not! We, in India, are tired of Moghal and British rule glorification. It is clearly reflected in the altered politics of the country.

Speaking of takeaways, Ukraine is lesson to all. Don't fight the mighty on the strength of weak men's promises, especially with those you share boundaries. Was there a pithy saying about it in Hindi? If you have made such a mistake, acknowledge it earlier rather than later. You may lose political advantage in your land, but you would lose it later anyway, and you will lose a good name too. A good fool is better than a crass fool. As of today, America is assessing the global market for Ukrainian wheat, definitely not to refurbish Ukraine.

A precious takeaway for Asia. No-body invests in you for Christian charity, all you can get away with greed as the driving force is, that after-all, all the rest are the same as you in any-case, and one can hope that the beneficiaries will cushion blows coming your way. Pakistan can sell educative literature on this lesson to aspiring students, and earn some home-grown money.

Meanwhile, the Red Fort blast perpetrators shockingly and miserably were doctors. So, education is not the answer. I truly hope and believe that this may be untrue. Do you have a better idea for humanity?

Yes, it is a sad twenty twenty five. And it is predicted to get worse next year. So maybe, it's time to really pray, and pray hard. And learn from lessons laid out. Even Trump. The big grow old, and their own strengths then tear them apart. The nature of time and man speared no one till now, that's a takeaway.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

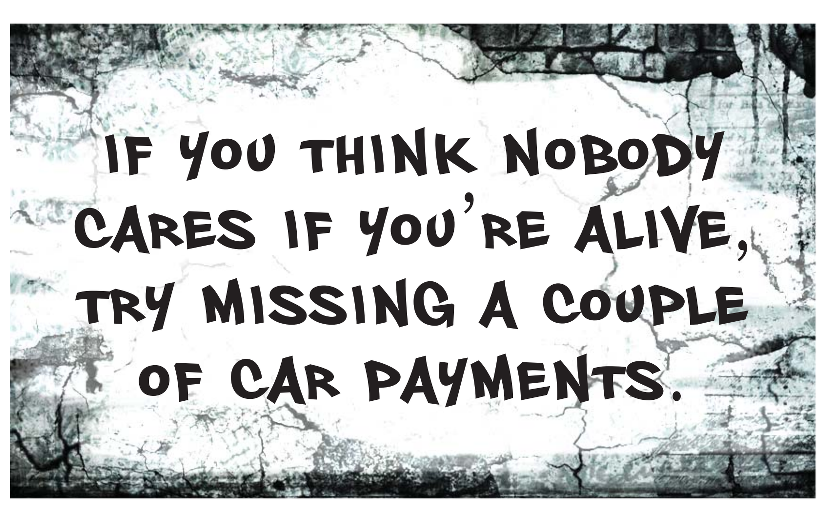

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

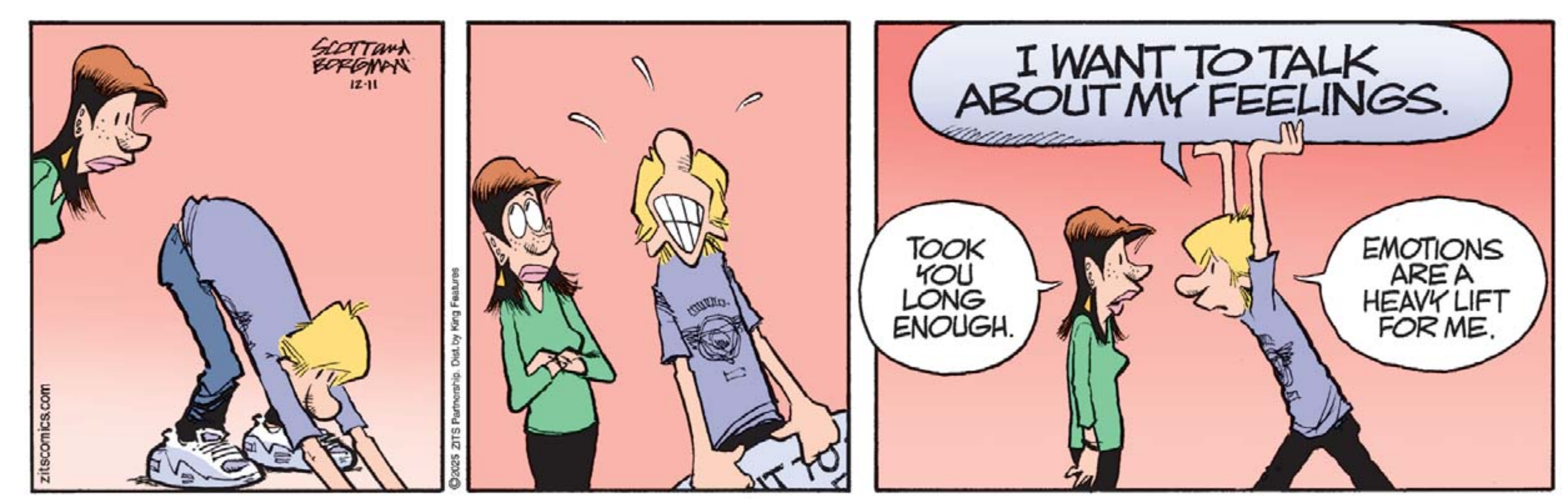

केन्द्रीय विद्यालय की मांग को लेकर राजगढ़ कस्बा सातवें दिन भी बंद रहा

अभिभाषक मंडल के एक दर्जन सदस्य क्रमिक अनशन पर बैठे हैं

राजगढ़/अलवर, (निसं)। केंद्रीय विद्यालय की मांग को लेकर राजगढ़ सातवें दिन भी बंद रहा। रैणी क्षेत्र के दलालपुरा में किए गए केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने की मांग को लेकर राजगढ़ आवाज मंच के बैनर तले चल रहा आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के समर्थन में मंगलवार को भी राजगढ़ कस्बे का सम्पूर्ण बाजार बंद रहा, जिससे जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ। हालांकि आवश्यक सेवाओं के तहत मेडिकल सेवाएं चालू रखी गई हैं। वहीं अभिभाषक मंडल के एक दर्जन सदस्य क्रमिक अनशन पर हैं।

आवाज मंच के संयोजक मुकेश जैमन गत शनिवार से ही कस्बे के गोल सर्किल पर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। आंदोलन को और अधिक मजबूती देने के उद्देश्य से मंगलवार से दिनेश प्रधान एवं श्रीराम सैनी भी आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। वहीं आंदोलन के दौरान कई सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं एवं नागरिकों ने क्रमिक अनशन के माध्यम से समर्थन जताया। क्रमिक अनशन पर बैठने वालों में अभिभाषक मंडल के एडवोकेट विनोद पालीवाल, मनोज कुमार जैमन, योगेश व्यास, अशोक पटेल, राकेश जांगिड़, कैलाश चंद भारद्वाज, विजय दीवान, देवीप्रसाद अंशु, भरत सिंह चौहान, जितेंद्र सैनी, पुखराज शर्मा, अजय निदानिया, हरिओम सैनी, संजय सैनी, महेंद्र सैनी, महेंद्र खेड़ापति, भरतलाल मीना एवं सीताराम वशिष्ट शामिल हैं।

राजगढ़ आवाज मंच के बैनर तले चल रहा आंदोलन सातवें दिन भी जारी रहा।

- **दलालपुरा में केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने एवं राजगढ़ में खुलवाने की मांग दोहराई**

राजगढ़ आवाज मंच के मुकेश जैमन ने मंगलवार को दलालपुरा में केंद्रीय विद्यालय के आवंटन को निरस्त करने एवं राजगढ़ में खुलवाने की मांग दोहराई। कस्बे के गोल मार्केट पर प्रमुख व्यापारी वर्गों के साथ प्रमुख लोग एवं आमजन मौजूद रहा। सनातन सभा की ओर से राजगढ़ में केंद्रीय विद्यालय को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन का समर्थन किया है। इस मांग को बड़ी बताते हुए उन्होंने श्री राम मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ पर आयोजित होने वाली 31 दिसंबर को शोभायात्रा को स्थगित कर दिया है। आवाज मंच की ओर से चल हे प्रदर्शन में सर्व समाज की ओर से लोगों के लिए जलपान का पूर्ण प्रबंध किया।

नाबालिग से दुष्कर्म का इनामी आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। दानपुर थाना पुलिस ने 11 माह से फरार नाबालिग से दुष्कर्म के पांच हजार के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम तीन दिन तक उदयपुर रही और मजदूर बनकर निर्माण साईट पर पहुंची और छत भराई के बहाने ईनामी आरोपी शंकर को डिटेन किया।

मामले में गत 7 फरवरी को दानपुर थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि 31 जनवरी की दोपहर उसकी नाबालिग 14 वर्षीय पुत्री घर पर झाड़ू पोछा कर रही थी तभी उसकी सहेली आयी और पुत्री उसकी सहेली के साथ चली गयी। देर शाम तक जब पुत्री घर नहीं लौटी तो प्रार्थी व परिजनों ने काफी तलाश की, जब सहेली से पूछा गया तो उसने बताया कि रास्ते में शंकर पुत्र मानु मोटरसाईकिल लेकर आया जो प्रार्थी की पुत्री को बहलाकर ले गया। बाद में प्रार्थी अपने परिजन, समाज के पंचों व गांव के लोगों के साथ अभियुक्त के घर गये व पुत्री को सुपुर्द करने को कहा तो उसने लौटाने से मना कर दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर तलाश की गयी लेकिन आरोपी पीड़िता को लेकर भूमिगत हो गया। 8 जुलाई को पीड़िता अभियुक्त के चंगुल से बच निकली जिसे पुलिस ने दस्तयाब किया। इधर मामला दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशानुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिये दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचंद के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। इधर आरोपी मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर होने की संभावनाओं के चलते वहां भी तलाश की गयी। इधर टीम के एएसआई विरेन्द्र राज सिंह व कांस्टेबल हीरालाल उदयपुर पहुंचे और मजदूर ठेकेदार बनकर तीन दिन तक डेरा डाले रखा एवं जगह-जगह साईटों पर मजदूर ठेकेदार बनकर घूमते रहे। इसी दौरान अभियुक्त के गांव के मजदूरों द्वारा छत भराई का कार्य करने की जानकारी मिली जहां पर जाकर ठेकेदार बनकर छत भराई के लिये 20 मजदूरों की जरूरत होना बताया एवं नाम-पते लिये तो आरोपी शंकर पुत्र मानु उर्फ मानजी निवासी कुण्डा का भी पता चला जिस पर मौके से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

गर्भवती महिला को कुण्ड में डुबोकर हत्या करने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास पुलिस थाने के गांव हरपालू कुबड़ी में एक गर्भवती महिला की दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए कुण्ड में डुबोकर हत्या करने के आरोप में ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप का मामला दर्ज किया है। वहीं विवाहिता की मौत के बाद हमीरवास थाना पुलिस ने मंगलवार दोपहर को मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा है।

थानाधिकारी राय सिंह ने बताया कि धर्मपाल पुत्र चन्दूराम निवासी मण्ढोली खुर्द तहसील सिवाणी भिवाणी ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि उसकी पुत्री मोनू का विवाह दो मार्च 2025 को दिनेश पुत्र मांगेराम जाट निवासी हरपालू कूबड़ी के साथ हुआ था, विवाह के समय उसके द्वारा अपनी हैसियत से बढ़कर दान-दहेज मोनू के ससुरालवालों को दिया था। आरोप है लगाया है कि विवाह के बाद से ही उसकी पुत्री मोनू से उसका पति दिनेश, सास सन्तोष, ससुर मांगेराम एवं ननद सुनिता दहेज में कार की मांग को लेकर उसे तंग-परेशान एवं प्रताड़ित करने लगे।

- **विवाहिता के पिता ने हमीरवास थाने में मामला दर्ज करवाया**

आरोप लगाया है कि उसकी पुत्री मोनू को उसके पति दिनेश, सास सन्तोष एवं ननद सुनिता ने दहेज के लिए तंग परेशान एवं प्रताडित करते हुए उसकी पुत्री मोनू की कुण्ड में डुबोकर हत्या की है। हमीरवास थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

22 माह पहले हो चुकी है पन्नी देवी की मौत, फिर भी हर माह उठ रहा राशन

- **हाल ही में मृत पन्नीदेवी के नाम से किसी ने गत 3 दिसम्बर 2025 को ही राशन उठाया है**
- **सरकार के आकड़ों में पन्नीदेवी की मृत्यु 20 फरवरी 2024 को 22 माह पूर्व हो चुकी है**

भीम, (निसं)। भीम उपखण्ड के बालातों की गुआर ग्राम पंचायत के कुंडाल की गुआर से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें राशन उठाने वाली महिला न तो किसी वाहन की मालिक है और न ही आयकर देने वाली है। इस महिला की मौत हो चुकी है। प्रकरण उपखण्ड मुख्यालय के समीपस्थ बालातों की गुआर पंचायत के कुण्डाल की गुआर निवासी पन्नीदेवी पत्नी लालसिंह का है। सरकार के आकड़ों में पन्नीदेवी की मृत्यु 20 फरवरी 2024 को आज से 22 माह पूर्व हो चुकी है। ग्राम पंचायत द्वारा पन्नुदेवी का मृत्यु प्रमाण पत्र 24 फरवरी 2024 को जारी किया जा चुका है।

जानकारी के अनुसार पन्नुदेवी एकल महिला होकर राशन कार्ड खाद्य सुरक्षा में पंजीकृत है। पन्नीदेवी जीवित रहते लकवाग्रस्त होने से 10 जून 2019 को राशन भुगतान हेतु बायोमेट्रिक व्यवस्था से मुक्त कर बाईपास किया गया। परन्तु अब जब पन्नीदेवी की मृत्यु ही 20 फरवरी 2024 को हो चुकी है तो पन्नीदेवी का राशन कौन उठा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पन्नीदेवी के राशन कार्ड में वैसे तो एकल महिला अकेली पन्नीदेवी ही पंजीकृत है। जिससे एनएफएसए में एक यूनिट 5 किलो राशन बनता है, परन्तु पन्नीदेवी का राशन कार्ड बीपीएल से भी निम्न श्रेणी अन्त्योदय में चयनित होने से हर माह 35 किलो राशन उठ रहा है। अब प्रश्न खड़ा होता है कि जब पन्नीदेवी की मृत्यु के बाद अन्य कोई यूनिट ही नहीं रही तो पन्नीदेवी का राशन कौन उठा रहा है। यह जांच का विषय है। उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल की जानकारी के अनुसार पन्नीदेवी ने आठ दिन पूर्व 12 फरवरी 2024 को राशन उठाया था। परन्तु मृत्यु के पश्चात् भी लगातार 22 माह से पन्नीदेवी के नाम से उचित मूल्य की दुकान 1065 सेंटर डी भीम से कोई राशन उठा रहा है। हाल ही में 22 माह पूर्व मृत पन्नीदेवी के नाम से किसी ने गत 3 दिसम्बर 2025 को ही राशन उठाया है।

विकास शर्मा, उपखण्ड अधिकारी भीम ने बताया कि प्रकरण गंभीर है। प्रकरण को लेकर जिला रसद अधिकारी एवं विकास अधिकारी को जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

धीरसिंह मीणा, वीडीओ बालातों की गुआर ने बताया कि पन्नीदेवी एकल महिला होकर लकवाग्रस्त थी। जिसकी मृत्यु होने पर ग्राम पंचायत बालातों की गुआर द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया है। मृत्यु पश्चात् खाद्य सुरक्षा में राशन लेने के मामले की जांच की जाएगी।

शुभमसिंह, राशन डीलर भीम ने बताया कि पन्नीदेवी के राशन भुगतान को लेकर मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं अगले माह से इस नाम की महिला का ध्यान रखूंगा कि इनका राशन कौन लेने आता है।

दो पक्षों में विवाद

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे में शिव मंदिर के पास वार्ड 15 में दो पक्षों में आपस में जमकर लाठी-डंडे व पत्थर चलने के आरोप का मामला सामने आया है। वहीं वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें एक दो महिला तथा एक पुरुष को चोटें आने का आरोप है। मामले को लेकर दोनों पक्षों ने राजगढ़ थाने में परिवाद सौंपा है, जिसमें पुलिस ने परिवाद लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मामूली कहासुनी व आपस में बच्चों की लड़ाई परिजनों पर भारी पड़ गई, जिसको लेकर दो पक्ष पडोसी आपस में भीड़ गए एवं कुछ अन्य लोग शामिल हो गए। नीरज शर्मा ने बताया कि उनके घर पर करीब 50 लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंच गए और पत्थर मारने लगे, जिससे घर के शीशे टूट गए घर के लोगों ने बड़ी मुश्किल से जान बचाई। दूसरे पक्ष रोशन का कहना है कि मामूली सी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने कहा दोनों पक्षों की ओर से परिवाद आया है, घटना का मौका निरीक्षण कर लिया है।

कलैक्टर ने बिचपुरी-जाटोली में कार्यों का निरीक्षण किया

अलवर, (निसं)। अलवर जिला कलैक्टर आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को मालाखेड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मोहबतपुर के बिचपुरी गांव में चल रहे प्लांटेशन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जाटोली गांव की चरागाह भूमि का भी जायजा लिया, जहां वाटरशेड विभाग द्वारा नया पौधारोपण प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान कलैक्टर शुक्ला ने हरित राजस्थान अभियान और वाटरशेड योजना के तहत नर्सरी तथा पौधारोपण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

कलैक्टर ने बताया कि जाटोली गांव की चरागाह भूमि पर वाटरशेड विभाग द्वारा फरवरी माह में एक नर्सरी तैयार की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान जिला कलैक्टर ने पटवारी को उन गांवों में श्मशान घाट की भूमि शीघ्र चिन्हित कर आवंटित करने के निर्देश दिए, जहां अभी तक भूमि का आवंटन नहीं हुआ है। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में ओपन जिम स्थापित करने के भी निर्देश दिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा मिल सके। कलैक्टर आर्तिका शुक्ला ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिल्पग्राम उत्सव का समापन, विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियां साकार हुई

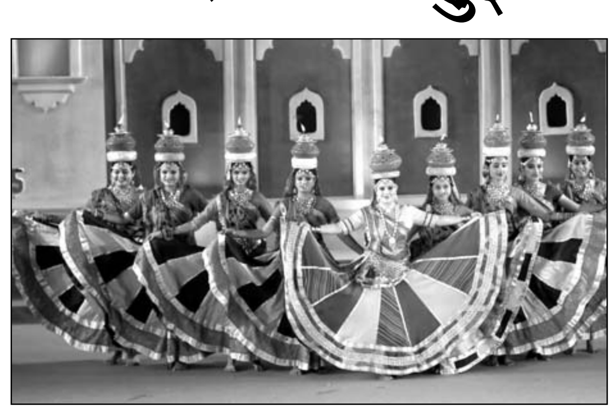

शिल्पग्राम उत्सव के समापन पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

उदयपुर, (कासं)। शिल्पग्राम उत्सव का मंगलवार को समापन हो गया। इस दौरान मंच पर विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियां साकार हुई। वहीं म्यूजिकल सिंफनी में शामिल करीब तीन दर्जन लोक वाद्ययंत्रों ने जब शिल्पग्राम की फिजाओं में धमकदार संगीत को घोला तो श्रोता सम्मोहित से हो गए।

विभिन्न राज्यों के फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स सारंगी, बांसुरी, मादल, रबाब, मोरचंग और पुंग ने जब एक दूसरे से सवाल-जवाब करने के अंदाज में ताल मिलाई तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो वाह-वाह कर उठे। जिसने भी सिंफनी को इस नए रूप में देखा और सुना, वह दिल से दाद दिए बगैर नहीं रह सका। यह परफोरमेंस पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित शिल्पग्राम उत्सव के आखिरी दिन मंगलवार को शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी मंच पर दी गई।

शिल्पग्राम के भव्य मंच पर करीब तीन दर्जन वाद्ययंत्रों को नए धमक और चमकदार रूप में ढाला इसके निर्देशक एवं परिकल्पनाकार पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने। इस नए रूप में सुरमई आलाप और कर्णप्रिय संगीत का और भी बेहतर तालमेल देख-सुनकर कलाप्रेमियों के चेहरे खिल उठे। इस परफोरमेंस में राजस्थान के बॉर्डर जैसलमेर-बाड़मेर से लेकर कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर के असम, मणिपुर और दक्षिण के तमिलनाडु के लोक वाद्ययंत्रों को शामिल किया गया। मेलार्थियों को यह प्रस्तुति म्यूजिकल होते हुए भी न सिर्फ सुनने, बल्कि खूबसूरत कॉस्ट्यूम और कुछ नृत्य शैलियों के कारण देखने में भी नयनाभिराम बनी। इनमें खरताल, मोरचंग, विभिन्न राज्यों के ढोल-ढोलक-ढोलकी, मादल, सारंगी, बांसुरी, रबाब, मटकी, पुंग, रणसिंगा, करनाल, बीन, हार्मोनियम, भपंग, अलगोजा जैसे इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं।

सिंफनी से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों ने दर्शकों को खूब रिझाया। मंच पर गुजरात की आदिवासी संस्कृति को प्रस्तुत करते लोक नृत्यों डांग और सिद्धि धमाल ने जादू बिखेरा। वहीं, उत्तर और दक्षिण भारत के लोकप्रिय मयूर, मणिपुर के अनूठे शाास्त्रीय और फोक मिश्रित नृत्य पुंग ढोल चोलम, पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और पुरुलिया छाऊ, महाराष्ट्र के लावणी नृत्य खूब सराहे गए, तो राजस्थान के कालबेलिया नृत्य ने सभी का दिल जीत लिया।

इनके साथ ही भपंग वादन, उत्तराखंड के छापेली और असम के बिहू डांस ने दर्शकों को रिझाया। इनके साथ ही मणिपुर के थांग-ता स्टिक, ओडिशा के गोटीपुआ व पश्चिम बंगाल के नटुआ लोक नृत्यों ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया, तो भांगड़ा व सिंघी छम डांस पर भी दर्शक झूमने लगे। कार्यक्रम का संचालन दुर्गेश चांदवानी और डॉ. मोहिता दीक्षित ने किया। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर सुंदरी वादन, तेराताली, मांगणियार गायन और भवई नृत्य की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने खूब सराहा।

राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने बैठक ली

जयपुर, (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 का राज्य स्तरीय समारोह हर वर्ष की तरह हर्षोल्लास, उमंग के साथ भव्यता और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

- **उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगा मुख्य आयोजन**
- **जर्मन ड्रिल, एमजीडी बैंड, मनमोहक झांकियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी, प्रमुख स्थानों पर होगी सजावट**

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर बैठक ली।

उन्होंने कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करें। श्रीनिवास ने अधिकारियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी प्रमुख भवनों, दर्शनीय स्थलों तथा राजकीय कार्यालयों व प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर आकर्षक सजावट करने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा। मुख्य सचिव ने राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम की तैनाती, सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने सभी स्थानों पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां तथा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संपन्न करवाई जाएं। उन्होंने पुलिस, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, सार्वजनिक निर्माण, शिक्षा तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य कर अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही, लोकभवन में आयोजित होने वाले एट होम कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव, सामान्य प्रशासन नवीन जैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मुख्य समारोह में कार्यक्रमों की श्रृंखला में जर्मन ड्रिल का भी आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा लगभग 1200 छात्र-छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही, इस वर्ष एमजीडी सहित प्रमुख बैण्ड्स द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नौखा बाईपास पर खड़े दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में आग लगी

नोखा, (निसं)। नोखा बाईपास पर एक दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में अचानक आग लग गई। इस कंटेनर में किया कंपनी की छह नई कारें लोड थी। आग की लपटें कंटेनर के अगले हिस्से से उठकर पीछे की ओर फैलने लगी थी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही नोखा थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग ने कंटेनर के केबिन और अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया था। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की इस घटना में कंटेनर में लदी एक कार का अगला हिस्सा आंशिक रूप से जल गया। हालांकि, शेष पांच कारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। समय रहते आग पर काबू पाने से करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान को टाला जा सका। गौरतलब है कि दो दिन पहले इसी कंटेनर से नोखा बाईपास पर एक सड़क हादसा हुआ था। उस दुर्घटना में नोखा के वार्ड नंबर चार निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही यह कंटेनर सड़क किनारे खड़ा था और उसे हटाया नहीं जा सका था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद कंटेनर का लंबे समय तक सड़क किनारे खड़ा रहना खतरे का कारण बन रहा था। अचानक आग लगने से आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य तकनीकी खराबी की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आगजनी की यह घटना पिछले सड़क हादसे से किसी प्रकार से संबंधित है या नहीं।

आग से झुलसी महिला की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के देवनगर थाना क्षेत्र राजीव गांधी कॉलोनी में कुछ दिनों पूर्व आग से झुलसी महिला की उपचार के बीच मौत हो गई। वह घर पर चाय बनाते आग से झुलसी थी। पति की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। जांच प्रशासनिक अधिकारी की तरफ से की जा रही है। देवनगर पुलिस ने बताया कि राजीव गांधी कॉलोनी एक कबाड़ दुकान के पीछे रहने वाली 25 साल की अक्षिता पत्नी कुलदीप सिंह को गत दिनों घर पर चाय बनाते आग से झुलसने पर परिजन ने अस्पताल में भर्ती करवाया था। उसकी अब मौत हो गई। पति कुलदीप सिंह ने घटना के संबंध में देवनगर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी है।

राज्य सरकार की योजनाओं से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिला

जयपुर। बालिका शिक्षा फाउंडेशन द्वारा संचालित गार्गी पुरस्कार योजना, बालिका प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना एवं पद्माक्षी पुरस्कार योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हो रही है।

इन योजनाओं के माध्यम से शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को न केवल सम्मानित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन और आत्मविश्वास भी मिल रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराना, ड्रॉपआउट दर को कम करना तथा समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत करना है। योजनाओं के प्रभाव से राज्य में बालिकाओं के नामांकन, ठहराव और शैक्षिणक उपलब्धियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है।

गार्गी पुरस्कार योजना :- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर द्वारा आयोजित माध्यमिक, प्रवेशिका परीक्षा एवं स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों की माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाएं प्रात्र है। इसके तहत कक्षा 11 में नियमित रहने पर प्रथम किस्त के तहत तीन हजार रुपए और कक्षा 12 में नियमित रहने पर द्वितीय किस्त के तीन हजार रुपए पुरस्कार राशि के तौर पर दिए जाएंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी रखी गयी है।

बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना :- इस योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक, वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा व स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों की उच्च माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 12वीं) में 75 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाएं प्रात्र है। इसके तहत पांच हजार रुपए की एक मुश्त पुरस्कार राशि दी जाती है।

मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना :- मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के तहत कक्षा 11वीं-12वीं में पढ़ने वाली बालिकाओं को 115,000 प्रति वर्ष की सहायता राशि प्रदान की जाती है। उच्च शिक्षा के लिए बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के तहत प्रत्येक जिले से 4 बालिकाओं (2 टॉपर, 1 बीपीएल, 1 अनाथ) का चयन होता है।

डॉ.अरुणा शर्मा, (सचिव), बालिका शिक्षा फाउंडेशन का कहना है कि बालिका शिक्षा ही सशक्त समाज और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। उक्त योजनाएं द्वारा बालिकाओं को विद्यालय से जोड़कर उनकी निरंतर उपस्थिति और शैक्षिक प्रगति सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

संक्षिप्त

'खनन माफिया स्वीकार्य नहीं'

डीग भरतपुर (निस)। जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने और वन संपदा के संरक्षण के लिए मंगलवार को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट उत्सव कौशल और जिला पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश मीना ने संयुक्त रूप से जिले के अतिसंवेदनशील खनन क्षेत्रोंकृ अलीपुर, आदिबद्री और अडावली का औचक निरीक्षण किया। जिला प्रशासन की इस संयुक्त कार्यवाही का उद्देश्य वन क्षेत्रों में अवैध खनन के रास्तों को पूरी तरह अवरुद्ध करना और क्षेत्र में प्रशासनिक उपस्थिति को सुदृढ़ करना था। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर कौशल ने अडावली वन क्षेत्र में अवैध खनन परिवहन के लिए उपयोग किए जा रहे रास्तों को चिन्हित किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन अवैध रास्तों को जेसीबी की मदद से काटकर वहां गहरी खाइया खुदवाई जाएं, ताकि वाहनों का आवागमन पूरी तरह असंभव हो सके। क्षेत्र में निरंतर निगरानी रखने के लिए जिला कलेक्टर ने आरएसी की टीम को अडावली क्षेत्र में ही कैम्पिंग करने के निर्देश दिए, ताकि 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित की जा सके। मौके पर वन भूमि पर अतिक्रमण की संभावनाओं को देखते हुए जिला कलेक्टर ने राजस्व विभाग और वन विभाग के अधिकारियों को श्संयुक्त सर्वेश् करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों विभाग आपसी समन्वय से सीमांकन की कार्यवाही करें और यदि कोई अतिक्रमण पाया जाता है, तो उसे तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। जिला पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश मीना ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए आरएसी और वन विभाग के अधिकारियों को खनन प्रभावित क्षेत्रों में नियमित गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अवैध खननकर्ताओं के विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

मोहनलाल अध्यक्ष बने

सांभरझील, (निसं)। बलाई समाज विकास समिति के चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से प्रधान कार्यालय पुराना किला में चुनाव अधिकारी मूलचंद बुनकर व उनकी टीम के द्वारा सम्पन्न हुए। चुनाव में अध्यक्ष पद पर मोहन लाल गर्वा, उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप सिंगला, सचिव पद पर पन्नालाल गोठवाल, सह-सचिव पद पर रविप्रकाश चौहान निर्वाचित घोषित किए गए। निर्वाचित होने पर अध्यक्ष श्री गर्वा ने उपस्थित सभी समाज बन्धुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। उसके बाद जगदीश सुणियां के घर जाकर उनसे आशीर्वाद लिया एवं सभी को साथ लेकर समाज विकास के कार्य करने का वादा किया।

वीर तेजाजी के पौषबडों का भोग

निवाई। शिवाजी कॉलोनी गली नम्बर 18 में स्थित वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में पौषबडा महोत्सव का आयोजन किया गया। श्रद्धालु गिर्राज सैनी ने बताया कि तेजाजी महाराज के मंदिर में पौषबडा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड उमड़ पडी। पौषबडा महोत्सव को लेकर दिन संगीतमय संकीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमे श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। श्रद्धालु भक्तिमय होकर भगवान के भजनों मे झुम रहे थे। पौषबडा महोत्सव को लेकर फूल मालाओं से वीर तेजाजी महाराज की विशेष श्रंगार से झांकी सजाई गई। शाम को बालाजी के बडों का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर छोटूलाल दीया, हीरालाल गुर्जर, कालूराम पारीक, ओमप्रकाश सैनी, कालूराम पारीक, लक्ष्मण सैनी, दीपू सैनी व कैलाश माली सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

सारिका सोनी चयन

निवाई। वनस्थली विद्यापीठ की छात्रा सारिका सोनी का राजस्थान अंडर 15 में चयन हुआ है। छात्रा सारिका दाहिने हाथ की ओपनर बल्लेबाज हैं। क्रिकेट कोच उर्वेश शर्मा ने बताया कि खिलाडी छात्रा सारिका सोनी इससे पहले भी कई प्रतियोगिताओ में शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। राजस्थान की टीम 2 जनवरी से कोलकाता में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, असम, कर्नाटक के साथ मैच खेलेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यापीठ की कुलपति प्रोफेसर ईना आदित्य शास्त्री एवं अंशुमान शास्त्रीजी ने छात्रा के चयन होने पर छात्रा को बधाई दी है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अपराधियों पर सख़्ती-आम नागरिकों से संवेदनशीलता : राजीव कुमार शर्मा

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने मंगलवार को जयपुर ग्रामीण पुलिस लाइन में आयोजित संपर्क सभा को संबोधित किया।

- राजस्थान पुलिस को देश का सर्वश्रेष्ठ बल बनाने के लिए प्रत्येक जवान का समर्पण और आत्म-अनुशासन अनिवार्य है

जयपुर । पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने मंगलवार को जयपुर ग्रामीण पुलिस लाइन में आयोजित संपर्क सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पुलिस को देश का सर्वश्रेष्ठ बल बनाने के लिए प्रत्येक जवान का समर्पण और आत्म-अनुशासन अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण की दृष्टि से अपराधियों से सख्ती बरती जाए । वहीं आम नागरिकों से संवेदनशीलता का व्यवहार राजस्थान पुलिस की पहचान बने। डीजीपी ने कार्यस्थल की गरिमा बनाए रखने के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके परिवार के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

अपने उद्बोधन में डीजीपी शर्मा ने कार्यालयों और थानों की भौतिक स्थिति पर गहरा ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यस्थल को अपने घर की तरह साफ और व्यवस्थित रखें। उन्होंने स्वच्छता को एक दिन का अभियान न मानकर इसे दैनिक आदत बनाने का आ ान किया गया। **मानसिक स्वास्थ्य और आपसी संवाद पर जोर :** पुलिस की नौकरी के तनाव पर चर्चा करते हुए डीजीपी शर्मा ने कहा कि वे अपने सहकर्मियों के प्रति संवेदनशील रहें और यदि कोई साथी तनाव में दिखे, तो उससे खुलकर बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी व्यक्तिगत या प्रोफेशनल समस्या के लिए उनके द्वार हमेशा खुले हैं और जवानों को अपनी बात रखने में कोई संकोच नहीं करना चाहिए। **बुजुर्ग माता-पिता की सुनवाई :** संपर्क सभा के दौरान डीजीपी ने केवल पुलिसकर्मियों ही नहीं बल्कि उनके बुजुर्ग माता-पिता की समस्याओं को भी धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस परिवार के बुजुर्गों की चिकित्सा और अन्य समस्याओं का प्राथमिकता से निवारण किया जाए। इसके उपरांत उन्होंने पुलिस लाइन स्थित नवनिर्मित कैफे का निरीक्षण कर वहां की सुविधाओं का जायजा लिया और जवानों के लिए बेहतर खान-पान व वातावरण सुनिश्चित करने की सराहना की। **रेंज आईजी ने बताया कल्याणकारी योजनाओं का खाका :** इसी क्रम में जयपुर रेंज आईजी राघवेंद्र सुहास ने पुलिस बल की समस्याओं के समाधान हेतु उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर सोमवार का पहला आधा भाग पुलिसकर्मियों की जनसुनवाई के लिए तय किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पिछले 5 हफ्तों में आई 120 समस्याओं में से लगभग 85 का समाधान किया जा चुका है। साथ ही, एसबीआई बैंक के समन्वय से पुलिसकर्मियों को मिलने वाले विशेष लाभ, बच्चों के एडमिशन और बेहतर मेडिकल सुविधाओं के लिए जिलेवार अधिकारियों को जवाबदेही सौंपी गई है।

सिद्धचक्र महामण्डल विधान की पूर्णाहुति

- विश्व शांति महायज्ञ के साथ हुआ समापन
- आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामण्डल विधान के समापन पर भगवान पाश्वनाथ जी की रथयात्रा निकाली

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का समापन विश्व शांति महायज्ञ के साथ धूमधाम से किया गया जिसमें सैंकडों श्रद्धालुओं ने हवन कुण्डों में आहुतियां देकर पूजा अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं मुनि हितेन्द्र सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में विधानाचार्य पण्डित मुकेश शास्त्री विनम्र गुडग़ांव हरियाणा एवं विधानाचार्य पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के निर्देशन में विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा सोधर्म इन्द्र सन्मति कुमार व कमलेश देवी जैन परिवार एवं दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल एवं ईकाई निवाई के साथ विशुद्ध वर्धिनी महिला मण्डल एवं समस्त समाज द्वारा भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान पाश्र्वनाथ जी की महाशांतिधारा की। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज के मंत्रोच्चार द्वारा श्रद्धालुओं ने संगीत के साथ नित्य पूजा की। उन्होंने बताया कि विधान के समापन पर विश्व शांति महायज्ञ आयोजित किया गया जिसमें संत निवास नसियां जैन मंदिर में सभी 400 महिलाओं एवं पुरुषों ने महायज्ञ के हवन कुण्डो में आहुतियां दी। इस दौरान नसियां जैन मंदिर पर वातावरण धर्ममय हो गया। विधान के पश्चात भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान पाश्र्वनाथ जी का सामूहिक कलशाभिषेक किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने जयधोष के साथ अभिषेक किया। राकेश संघी ने बताया कि आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामण्डल विधान के समापन समारोह के अवसर पर भगवान पाश्वनाथ जी की रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा नसियां जैन मंदिर से रवाना होकर अहिंसा सर्किल व बड़ा बाजार होते हुए दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर पहुंची जहां विद्वान पंडित के सानिध्य में श्रीजी को गाजे बाजे से मंदिर जी में यथावत विराजमान किया। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर रमेशचन्द गिंदोडी, सुशील आरामशीन, ज्ञानचन्द चंवरिया, जितेन्द्र चंवरिया, नीरज माधोराजपुरा, विष्णु बोहरा, महावीर प्रसाद जैन, मोहित चंवरिया, सुनिल जैन, सुशील जैन, पवन जैन, अमित कटारिया, दिलीप भाणजा, पिंचू संघी, मनीष जैन, लोकेश झिराणा व पारस जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

ढाणी जुगलपुरा कलां के ग्रामीणों में खुशी की लहर

निवाई। ढाणी जुगलपुरा की सम्पूर्ण ठााम पंचायत को नगर पालिका निवाई में शामिल करने पर पूरे क्षेत्र मेंखुशी की लहर है। ठााम पंचायत निवासी विक्रम सिंह गुर्जर ने बताया कि निवाई नगर पालिका के परिसीमन के दौरान नगर पालिका क्षेत्र में जोडक़र वार्डों में गठित कर दिया गया था। लेकिन कुछ समय बाद ठााम पंचायत परिसीमन में ढाणी जुगलपुरा के कुछ मुख्य आबादी क्षेत्र को नवगठित ठााम पंचायत केरोद में जोड़ दिया गया था। इस पर क्षेत्रवासियों ने जिला कलेक्टर कल्पना अठावाल, उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा व अधिशासी अधिकारी मनोहरलाल जाट को ज्ञापन देकर निवाई नगर पालिका में ही रखने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि पंचायत राज विभाग द्वारा हाल ही में जारी की गई अधिसूचना में ढाणी जुगलपुरा कलां को केरोद पंचायत से हटाकर यथावत नगर पालिका निवाई वार्ड नंबर 37 व 38 में रखा गया है। जिससे ठाामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई।

जिसको लेकर विक्रमसिंह गुर्जर, गिरिराज मीणा, रामप्रसाद परिडवाल, राजेश मीणा, मुकेश जांगिड़, हंसराज मीणा, विजय सिंह, बजरंगलाल जाट, आरिफ कुरैशी, पारस सैनी, कलावती गुर्जर, हंसा देवी, रेणु देवी, राजू मीणा, हरीश मीणा व लखन मीणा सहित कई ठाामीणों ने उपखण्ड अधिकारी, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी के साथ जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

'बिना रजिस्ट्रेशन वाले अस्पतालों पर कार्रवाई होगी'

- जिला बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण कमेटी की बैठक में लिया निर्णय

भरतपुर (निस)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर घनश्याम शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय बायोमेडिकल वेस्ट निस्तरण एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक का आयोजन हुआ। इसमें क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट तथा जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण एवं बायो मेडिकल वेस्ट रूल्स 2016 की अनुपालना के बारे में चर्चा की गई। इसके साथ ही सीएमएचओ को जिले में बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित प्राईवेट अस्पतालों एवं लेबो पर कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। बैठक में सीएमएचओ डॉ असित श्रीवास्तव, अरविन्द भारद्वाज, आईएमए के अध्यक्ष डॉ राकेश सोलंकी, जिला आरबीएम अस्पताल से डॉ प्रणव गुप्ता, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर कहा कि जो प्राइवेट अस्पताल एवं प्राइवेट लैब क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन नहीं करवा रहे है उनको नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल एवं लैब से उत्पन्न हुए बायोमेडिकल वेस्ट को नियमानुसार सीटीएफ कनेक्टिविटी के तहत निस्तारण करना ही होगा।

क्या है बायो-मेडिकल वेस्ट : बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट (जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन) का मतलब अस्पतालों, क्लीनिकों और रिसर्च सेंटरों से निकलने वाले संक्रमित और खतरनाक कचरे (जैसे सुई, पट्टियां, खून, शरीर के अंग) को सुरक्षित रूप से इकट्ठा करना, अलग करना, उपचार करना और निपटाना है, ताकि संक्रमण फैलने से रोका जा सके और पर्यावरण की रक्षा हो सके; इसमें रंग-कोडित बैग और डिब्बे (पीला, लाल, नीला, सफेद, काला) इस्तेमाल होते हैं, जो कचरे को उसके प्रकार (संक्रमित, प्लास्टिक, नुकीली चीज़ें) के अनुसार अलग करते हैं, और फिर उन्हें ऑटोक्लेव, भस्मीकरण या माइक्रोवेव जैसी तकनीकों से सुरक्षित बनाते हैं। अस्पताल एवं लैब के लिए आवश्यक है पोल्यूशन कंट्रोल का सर्टिफिकेट : पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड के प्रतिनिधि ने बताया कि किसी भी अस्पताल एवं लैब के लिए पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड का सर्टिफिकेट आवश्यक है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन के साथ बायोमेडिकल वेस्ट एठाीमेंट के साथ साथ 30 बेड के ऊपर हॉस्पिटल के लिए एसटीपी प्लांट की आवश्यकता होती है। सीएमएचओ डॉ. असित श्रीवास्तव ने बताया कि क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन के लिए बायो मेडिकल वेस्ट एठाीमेंट, पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड का सर्टिफिकेट, फायर एनओसी के साथ साथ स्टाफ के आवश्यक दस्तावेज आवश्यक है।

अधिकारी जनगणना 2027 के कार्य में लापरवाही ना बरतें : कलक्टर

- जनगणना 2027 की पूर्व तैयारियों को लेकर एक दिवसीय कैंप का आयोजन
- गृह मंत्रालय से आई टीम की उपस्थिति में तहसीलवार ग्राम सूचियों को अंतिम रूप दिया गया
- सूचियों में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि नवसृजित गांव छूट ना जाए

दौसा। जनगणना 2027 की पूर्व तैयारियों के अंतर्गत तहसीलवार ठााम सूचियों को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को एक दिवसीय कैंप का आयोजन जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार के निर्देशन में जिला कलक्ट्रेट सभागार में किया गया। दिन भर चले इस कैंप में केंद्रीय गृह मंत्रालय से आई चार सदस्यीय टीम के समक्ष ठााम सूचियों को अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि जनगणना 2027 के सभी कार्य अति महत्वपूर्ण है। इसमें संबंधित अधिकारीगण किसी भी प्रकार की कोताही ना बरतें।

केंद्रीय गृह मंत्रालय से आए उप निदेशक डॉ. पुलकेश शर्मा ने बताया कि क्षेत्राधिकार परिवर्तन के संबंध में राज्य सरकार द्वारा प्राप्त सभी अधिसूचनाओं को सम्मिलित करते हुए अद्यितत ठााम सूचियों के अंतिम रूप देने में गांवों की संख्या, राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार हिंदी व अंठोजी में गांवों के नाम, गांवों के क्षेत्रफल, मानचित्र इत्यादि को संबंधित तहसीलदार द्वारा प्रमाणित किया गया। यह भी सुनिश्चित किया गया कि नव सृजित गांवों को संबंधित ग्राम सूची में शामिल कर लिया गया है तथा विलोपित और स्थानांतरित गांवों को संबंधित ग्राम सूची से हटा दिया गया है। उन्होंने बताया कि तहसीलदार द्वारा प्रमाणित सूचियों को संबंधित एसडीएम और एसडीएम व तहसीलदार द्वारा प्रमाणित सूचियों को जिला कलक्टर के द्वारा अंतिम रूप से प्रमाणित किया गया। शर्मा ने बताया कि इन सूचियों में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि नवसृजित गांव छूट ना जाए और जिन गांवों का क्षेत्राधिकार परिवर्तित हुआ है उसे उसी रूप में प्रमाणित किया गया है या नहीं। इसी प्रकार नगर सूचियों में नगर का नाम हिंदी-अंठोजी, वर्तमान क्षेत्रफल एवं वर्तमान वार्ड संख्या को भी संबंधित चार्ज अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया। प्रत्येक तहसील से ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के संबंध में संपूर्ण कवरेज का प्रमाण पत्र भी संबंधित चार्ज अधिकारी उपखंड अधिकारी के साथ जिला कलक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, उप निदेशक सांख्यिकी विजय शर्मा, गृह मंत्रालय जनगणना कार्य निदेशालय राजस्थान से आए उपनिदेशक डॉ. पुलकेश शर्मा, सांख्यिकी अन्वेषक ग्रेड- लोकेश कुमार मीना, सांख्यिकी अन्वेषक ठोड- ज्योति मीना तहसीलदार, नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदिर बाबा भूतनाथ जोहड़ा में हलवा, बड़ो का भोग लगा प्रसादी बांटी

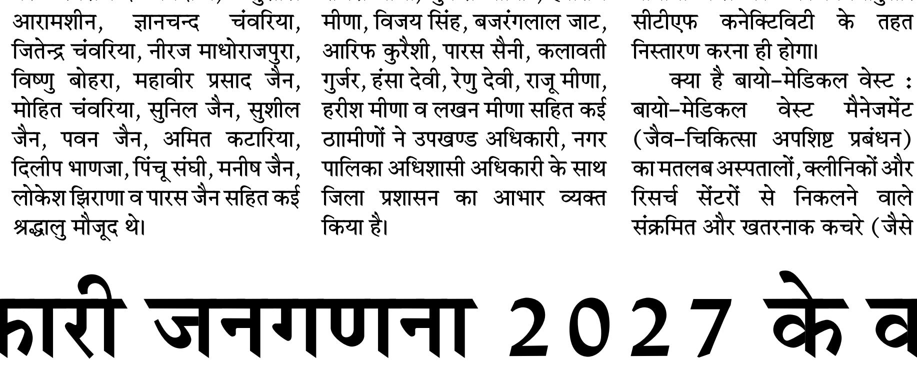

प्रमुख मंदिर बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम परिसर पावटा में पौष बड़ा का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

- भजन-कीर्तन और धार्मिक चर्चा भी हुई

पावटा। क्षेत्र के प्रमुख मंदिर बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम परिसर पावटा में पौष बड़ा का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। पौष मास के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की आवाजाही बनी रही, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर महंत जयराम दास महाराज द्वारा विधि-विधान से विशेष पूजा की गई और भगवान को पौष बड़ा का भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात भोग हलवा-पकोड़ी को प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बच्चों की सहभागिता उल्लेखनीय रही। बाबा भूतनाथ जोहडा धाम कमेटी आयोजकों बाबा भूतनाथ जोहडा धाम कमेटी ने बताया कि पौष बड़ा आयोजन का उद्देश्य धर्म के साथ-साथ आपसी भाईचारे, सेवा और दान की भावना को बढावा देना है। इस अवसर पर भजन-कीर्तन और धार्मिक चर्चा भी हुई, जिससे श्रद्धालु आध्यात्मिक भाव से जुड़ते नजर आए। पौष बड़ा के सफल आयोजन पर मंदिर कमेटी रामावतार शर्मा, मामराज भंडारी, कालू सोनी, बंटी शर्मा, महेंद्र प्रजापत, सुनील शर्मा, मीना मित्तल, किशनलाल शंकर हलवाई, संजय पटेल, सुशील गॉड, विकास शर्मा, आकाश शर्मा एवं धर्मेंद्र बटवाल सहित अन्य स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला। श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए ऐसे धार्मिक आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। आयोजन के समापन पर सभी ने बाबा भूतनाथ से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी

दौसा। अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविन्द शर्मा ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी गणतंत्र दिवस समारोह से संबंधित तैयारियों को समय सीमा में पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी को श्री राजेश पायलट स्टेडियम में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर कक्ष में मंगलवार को आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान करते हुये अतिरिक्त जिला कलक्टर ने यह बात कही। उन्होंने परेड, कार्यक्रम में प्रवेश, बैठक व्यवस्था, शारीरिक व्यायाम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकियों का प्रदर्शन सहित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों के बारे में संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से मनाए जाने के लिए कार्यक्रम प्रबंध, साफ-सफाई, रोशनी एवं रंगोली सजावट करवाने के निर्देश दिए।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य फारूख पुत्र श्री कायम खान, आयु-70 वर्ष, निवासी-778, मौहल्ला महावतों का, लुहारो का खुर्रा, काजी का नला, घाटगेट, जयपुर का पुत्र इमरान खान एवं पुत्रवधु नाजमीन एवं पुत्री खुशी नाफरमान हो गये है जिसके कारण मैने अपने पुत्र, पुत्री व पुत्र वधु को उनके परिवार सहित समस्त जायदाद एवं चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है यदि कोई व्यक्ति इनसे किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
दिनांक-30.12.2025 मोहम्मद अफजल, एडवोकेट मो. 9928520745

खोया-पाया सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाबा हजरत अली कॉलोनी, वार्ड नंबर 03, चाकसू, जिला जयपुर (राजस्थान) स्थित भूखण्ड संख्या 25, एरिया 100 वर्गगज पट्टे की मूल रसीद कहीं गुम हो गई है, काफी तलाश करने पर भी नहीं मिली है। यदि उक्त दस्तावेज किसी व्यक्ति को मिले तो कृपया नीचे दिए गए संपर्क पर सूचित करें। मोबाइल- 9549995611

कार्यालय नगर निगम, जयपुर
(प. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
(राजस्व द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक-एफ-6()उपा. राज.-द्वितीय(सा.प्र.)/ननिज/2025/622
सार्वजनिक सूचना दिनांक- 30.12.2025
मूल भूखण्ड संख्या बी-32, जनता कॉलोनी, जयपुर का इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, जयपुर द्वारा श्री रामदास गुप्ता के नाम से क्षेत्रफल 337.51 वर्गगज भूमि का विक्रय किया गया था। श्रीमती अयोध्या देवी पत्नी श्री रामदास गुप्ता की मृत्यु हो गई। दिनांक 05.12.1989 को श्री रामदास गुप्ता पुत्र श्री रूपनारायण बडाया की मृत्यु हो गई। दिनांक 28.05.2018 को श्रीमती राज देवी बडाया पत्नी श्री महावीर प्रसाद बडाया व दिनांक 17.02.2023 को श्री महावीर प्रसाद बडाया पुत्र श्री रामदास गुप्ता की मृत्यु हो गई। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम, जयपुर द्वारा 1. श्रीमती संगीता खण्डेलवाल पत्नी श्री संजय खण्डेलवाल (1/12 प्रतिशत), 2. श्री संजय बडाया पुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद (1/12 प्रतिशत) 3. श्रीमती मधु मोदी पत्नी श्री गोविन्द शरण मोदी (1/12 प्रतिशत) 4. श्री ओमप्रकाश गुप्ता पुत्र स्व. श्री रामदास गुप्ता (1/3 प्रतिशत) 5. श्री योगेन्द्र कुमार बडाया पुत्र स्व. श्री रामदास गुप्ता (1/3 प्रतिशत) 6. श्री राजेन्द्र बडाया पुत्र पुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद (1/12 प्रतिशत) के पक्ष में क्षेत्रफल 337.51 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:9136 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:17.12.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 194/38 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र स्व. श्री मोती लाल गुप्ता को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1596 दिनांक 17.03.2005 को जारी किया गया। श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 21.02.2011 को उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा उक्त आवास को दिनांक 04.04.2011 के द्वारा श्री बृजेश वशिष्ठ पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा को विक्रय कर सब रजिस्ट्रार, जयपुर-पंचम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री बृजेश वशिष्ठ द्वारा उक्त आवास को दिनांक 26.09.2014 के द्वारा श्री तेजभान सिंह चौधरी पुत्र श्री अमर सिंह को विक्रय कर उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री तेजभान सिंह चौधरी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 15.07.2019 के द्वारा श्री मोहित गर्ग पुत्र श्री राजू प्रसाद को विक्रय कर उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री मोहित गर्ग पुत्र श्री राजू प्रसाद द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री मोहित गर्ग पुत्र श्री राजू प्रसाद का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक F-JDA/Zone 11/2025/D-145 **आम सूचना**
आवेदक दुवारा ऑनलाईन क्रमांक 271348 दिनांक 12.12.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का नाम ट्रांसफर जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

आवेदक का नाम	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (व.ग.)	ग्रा.नि.स. स./निजी खातेदारी/ अविप्रा का नाम	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
Gajanand kumawat S/o Babu lal Kumawat	श्री सुरेश कुमार पुत्र सुखदेव	248	111.11 SQ YARD	Private	GOKUL RESIDENCY SECTOR/BLOCK	Name Transfer	रजि. विक्रय पत्रों के आधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
अपर सिविल जज एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-4, जयपुर महानगर द्वितीय
श्वाति शर्मा विरूद्ध श्रीमती आशा कुमारी
वाद बाबत सत्र घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 143सन् 2024
श्रीमती आशा कुमार पत्नी श्री बिरधीलाल निवासी पाटनी की गली, खाई रोड, नयापुरा, कोटा, राजस्थान ने आपके विरूद्ध वाद बाबत घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 02 माह 01 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 24 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
अपर सिविल जज एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-4, जयपुर महानगर द्वितीय
श्वाति शर्मा विरूद्ध आशा कुमारी
वाद/प्रार्थना पत्र....
प्रार्थना पत्र संख्या-148/2004
श्रीमती आशा कुमार पत्नी श्री बिरधीलाल निवासी पाटनी की गली, खाई रोड, नयापुरा, कोटा, राजस्थान
उक्त ....ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है।....
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 02 माह 01 सन् 2006 को 10.00 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह कि आज दिनांक 24 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

नाम परिवर्तन

मैं रघुवीर सिंह पुत्र श्री रिछपाल सिंह जी प्लाट नंबर 278 गोविन्दम ग्रीन सीटी-16 गोविन्दपुरा, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर में मेरा नाम NK RAGHUVEER SINGH जो मेरे बच्चे के एजुकेशन कागजात में दर्ज है उसे अब रघुवीर सिंह करना है।

मैं आर्मी नं. 16017035P हवलदार विवेक कुमार सिंह यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजो में मेरे पिताजी का नाम अवधेश सिंह है और जन्म दिनांक 01.07.1963 है जोकि गलत है। मेर पिताजी का सही नाम अवधेश कुमार सिंह और जन्म दिनांक 04.09.1963 है।

मै मुकेश कुमार चाहर आर्मी नं. 15716732Y रैंक L/NK निवासी गांव चाहरो की ढाणी, झुंझुनूं ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकार्ड में अपने पिताजी का नाम भागीरथ मल से भगीरथ व जन्मतिथि 07.09.1946 से 06.07.1960 व माताजी का नाम मनोहरी देवी से मनोहरी व जन्मतिथि 15.03.1955 से 01.07.1962 कर ली है।

मैं जय प्रकाश आर्मी नं. 15677104L निवासी बुगाला, नवलगढ, जिला झुंझुनू ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकार्ड में अपनी पत्नी का नाम संतोष से बदलकर संतोष कुमारी कर लिया है।

मैं जय प्रकाश आर्मी नं. 15677104L निवासी बुगाला, नवलगढ, जिला झुंझुनू ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकार्ड में अपनी माताजी का नाम मनभरी देवी से बदलकर मनभरी व जन्मतिथि 01.07.1948 से 01.01.1951 कर लिया है।

I Raghuveer Singh S/o richpal singh Tanwar Resident of 278 Govindan green city-16 Govindpura kalwar road jhotwara jaipur that i want to change my name from NK RAGHUVEER SINGH is entered my son education documents to RAGHUVEER singh. in future caled a RAGHUVEER SINGH for all purposes.

मैं हडियल अनसोयाबेन दामजीभाई M/O आर्मी नंबर 15180961N हवलदार हडियल कमलेश दामजी यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट हूँ मेरे पुत्र के सैन्य दस्तावेजों में मेरा नाम अनसोबेन है। जो कि गलत है मेरा असली नाम हडियल अनसोयाबेन दामजीभाई है और मेरा जन्म तिथि 21.11.1968 है जो कि गलत है मेरा सही जन्मतिथि 01.01.1973 है।

मैं रेमिया एस वाइफ/ऑफ आर्मी नंबर 15208422W हवलदार विपिन कुमार यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट हूँ मेरे पति के सैन्य दस्तावेजों में मेरा नाम रमिया एस है। जो कि गलत है मेरा असली नाम रेमिया एस है और मेरा जन्म तिथि 20.04.1987 है जो कि गलत है मेरा सही जन्मतिथि 20.05.1987 है।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, टोंक (राज.)
क्रमांक :- प.4(1)कृउमस-टोंक/आवंटन/रिक्त दुकान-भूखण्ड/अन्य/00037/राजकाज 19583362 दिनांक :- 24/12/2025
शुद्धिपत्र संख्या- 01
कृषि उपज मण्डी समिति टोंक के मुख्य मंडी प्रांगण टोंक व फल-सब्जी ब्लॉक, मुख्य मण्डी प्रांगण, टोंक एवं गौण मण्डी प्रांगण सोहेला/झिराना में चिन्हित व रिक्त सामान्य भूखण्ड, फुटकर दुकान/भूखण्ड व आवंटित दुकानों के पीछे चिन्हित गोदाम भूखण्ड एवं निर्मित ग्रामीण गोदाम हेतु भूखण्डों का अचल सम्पत्ति आवंटन नीति 2005 व संशोधित प्रभावी प्रावधानों के अन्तर्गत आंवटन हेतु मण्डी समिति की आवंटन विज्ञप्ति क्रमांक प.4(1)कृउमस-टोंक/आवंटन/रिक्त दुकान-भूखण्ड/अन्य/00037/दिनांक :- 26.11.2025 अन्तर्गत दिनांक 26.12.2025 को साय 5:00 तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। उक्त आवंटन विज्ञप्ति अन्तर्गत **"सामान्य भूखण्ड श्रैणी में रिक्त भूखण्डों की सारणी में गौण मण्डी सोहेला के सम्मुख कॉलम संख्या-4 (सामान्य अनुज्ञापत्रधारी वर्ग) में रिक्त भूखण्डों की संख्या 19 के स्थान पर 18 तथा कॉलम संख्या-12 (एफ.पी.ओ/एफ.पी.सी वर्ग) में रिक्त भूखण्डों की संख्या 0 के स्थान पर 01 पढा जावें"** एवं उक्त आवंटन विज्ञप्ति अन्तर्गत चिन्हित व रिक्त सामान्य भूखण्ड, फुटकर दुकान/भूखण्ड व आंवटित दुकानों के पीछे चिन्हित गोदाम भूखण्ड एवं निर्मित ग्रामीण गोदाम हेतु सभी वर्गो के आवेदन पत्र मय अपेक्षित दस्तावेजों व धरोहर राशि सहित दिनांक 05.01.2026 को सायः 5:00 बजे तक मण्डी समिति कार्यालय में जमा करवाये जा सकते है। शेष विवरण यथावत रहेगा। **NIB CODE: DAM2526A0602**
राज.संवाद/सी/25/16677 सचिव

संक्षिप्त

शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

टोंक। रोटरी क्लब के शपथ ग्रहण एवं जीओवी समारोह रीजनल ओरिएंटल स्कूल परिसर पर आयोजित किया गया। जिसमें रोटरी क्लब टोंक के वाइस चेयरमैन ब्रज मोहन गुप्ता ने बताया कि रोटरी इंटर नेशनल क्लब की गवर्नर जनरल श्रीमति प्रज्ञा मेहता ने रोटरी क्लब की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण करवाया तथा क्लब को अधिक से अधिक जन सेवा और पर्यावरण विकास के कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान सहायक प्रांतपाल, भागचंद जैन द्वारा नवीन सदस्यों को रोटरी पिन लगाकर शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर रोटरी क्लब अध्यक्ष युसुफ अजाजी, सचिव के. आर. खान, मोइनुद्दीन निज़ाम, बी. एल. वर्मा, कलीम अहमद, रवि जैन, प्रेमचन्द जैन, उमर खान, पी. एल. मीणा, कमलेश सिंगोदिया, सुनील बंसल, गोरधन हिरोनी, ओम प्रकाश गुप्ता, डॉ. सीताराम विजय, कैलाश विजय एवं रेखा जाजू आदि इनरव्हील की टीम ने भाग लिया।

स्वच्छता की जानकारी दी

दौसा। स्थानीय गुप्तेश्वर मंदिर प्रांगण में मंगलवार को राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना आरयूआईडीपी की सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता इकाई के जागरूकता कार्यक्रम के तहत महिलाओं को परियोजना कार्यो की जानकारी दी गई। सामाजिक विकास अधिकारी कमलेश कुमार शर्मा ने बताया कि आपके घरों के सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले मल जल को टैंकों में भरकर रोहड़ा कला दौसा में बनाये गए एफएसटीपी प्लांट में ले जाया जाएगा, वहां इसको ट्रीट कर खाद बनाया जाएगा और इसको खेती में उपयोग लिया जाएगा। इससे जो गंदगी होती थी उससे निजात मिलेगी व वातावरण स्वच्छ रहेगा। नगर परिषद से 800 रुपये जमा करवाकर प्रति टैंकर में खाली करवा सकते। महिलाओ को स्वच्छता में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही जानकारी देते हुयें बताया कि सार्वजनिक स्थानो मोहल्लो आदि में गंदगी नही फैलाये, ये शहर हम सब का है। इसको गंदगी मुक्त रख कर सहयोग करे जिस तरह हम अपने घर को साफ सुथरा रखते हैं उसी तरह शहर को स्वच्छ रखे। कार्यक्रम मे महावीर सैनी, कानाराम सैनी सहित महिलाओं ने अपनी सहभागिता निभाई।

पीडब्ल्यूडी ने हटाये अतिक्रमण

टोंक। निवाई उपखण्ड के दत्तवास क्षेत्र में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य के तहत सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही बजट घोषणा के तहत गांव भाडौती खिरनी, बौली, मित्रपुरा, बोरदा, दत्तवास मार्ग (एनएच-11, एक्सटेंशन, एमडीआर-233) के किमी 48/200 से 49/500 तक प्रस्तावित है। विभाग द्वारा पूर्व में जारी किए गए नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद कार्यवाही कर पीडब्ल्यूडी निवाई की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन की सहायता से सड़क क्षेत्र में किए गए अतिक्रमणों को हटाया। इस दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। पीडब्ल्यूडी के कनिष्ठ अभियंता आनंदी जैन ने बताया कि सड़क सीमा में आने वाले अवैध निर्माणों के लिए पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे।

संस्कृत अध्ययन से विकसित होती है कल्पनाशीलता : बाबूलाल

दौसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने कहां कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि जीवन को समठा दृष्टि से समझने का माध्यम है। संस्कृत का अध्ययन व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता, चिंतन शक्ति एवं कल्पनाशीलता को विकसित करता है, जिससे समाज में सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन संभव होता है। प्रांत प्रचारक बाबूलाल बुधवार को संस्कृत भारती जयपुर प्रांत के तत्वावधान में स्थानीय आदर्श विद्या मंदिर, गेटोलाव मार्ग में आयोजित आवासीय प्रबोधन वर्ग प्रशिक्षण शिविर में बोल रहे थे। उन्होने 'पंच परिवर्तन' की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत का सर्वांगीण विकास केवल पंच परिवर्तन-व्यक्तिगत आचरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य के माध्यम से ही संभव है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इन परिवर्तनों को अपने जीवन में आत्मसात करेगा, तभी राष्ट्र सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकेगा। उन्होंने वैदिक भूमि सूक्त का उल्लेख करते हुए

दौसा में आवासीय प्रबोधन वर्ग प्रशिक्षण शिविर के दौरान शोभायात्रा निकाली ।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और कहा कि प्रकृति से जितना लिया जाए, उतना ही उसे लौटाना भी हमारा दायित्व है। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक होकर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। चर्चा सत्र के दौरान उन्होंने कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय जागरण एवं स्वदेशी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई है और यदि परिवार संस्कारित होगा, तो समाज स्वत: ही सशक्त बनेगा। साथ ही, सामाजिक समरसता के बिना राष्ट्र की एकता और अखंडता की कल्पना नहीं

- **भारत का सर्वांगीण विकास केवल पंच परिवर्तन-व्यक्तिगत आचरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य के माध्यम से ही संभव है।**

की जा सकती । कार्यक्रम के पश्चात मध्यान्ह में नगर में एक भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा को भगवा-ध्वज दिखाकर वरिष्ठ शिक्षाविद एवं समाजसेवी देवनारायण जैमन, सुशील शर्मा (पूर्व एडीपीसी), संस्कृत राजस्थान क्षेत्र अध्यक्ष तुलसीदास, क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख राजेंद्र शर्मा, प्रांत मंत्री चंद्रशेखर एवं संगठन मंत्री विमल कुमार, वर्ग संयोजक जय प्रकाश पारीक एवं जिला अध्यक्ष संस्कृत भारती दौसा सीताराम गुर्जर द्वारा विधिवत रूप से

पौषबड़ों का भोग लगाया

निवाई। वनस्थली के खेडा खुंटी बालाजी के मंदिर में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। श्रद्धालु विकास विजय ने बताया कि बालाजी के पौषबडा महोत्सव को लेकर दिन भर सुन्दर कांड तथा हनुमान चालीसा व रामधुनी के संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया। जिसमे श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। श्रद्धालु भक्तिमय होकर भगवान के भजनों मे झुम रहे थे। पौषबडा महोत्सव को लेकर बालाजी की विशेष श्रंगार से झांकी सजाई गई। शाम को बालाजी के बड़ों व हलुवे का भोग लगाकर बालाजी की महाआरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को पंगत प्रसादी बांटी। इस अवसर पर सोनु विजय, दिनेश तिवारी व रामफूल यादव सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

शीतलहर के बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

टोंक। जिले में शीतघात के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने जनसमुदाय के लिए शीतलहर एवं शीत-घात के दौरान क्या करें, क्या न करें के निर्देष जारी किए है।

प्रशासन ने बताया कि स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो, टीवी, समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया प्रकाशन का ध्यान रखें ताकि यह पता चल सके कि आगामी दिनों में शीत लहर की संभावना है या नहीं। सर्दियों लिए पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। कपड़ों की कई परतें अधिक सहायक होती है। आपातकालीन आपूर्ति जैसे भोजन, पानी,

- **घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखे।**

ईंधन, बैटरी, चार्जर, आपातकालीन प्रकाश, और साधारण दवाएं तैयार रखें।

घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखे। फ्लू, जुखाम (नजला) जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड में लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती है। इस तरह के लक्षणों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतें तथा चिकित्सक से परामर्श करें तथा स्वास्थ्य वर्धक भोजन करें।

पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं एवं गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पीएं, इससे ठंड से लड़ने के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी। शीत लहर के संपर्क में आने पर शीत से प्रभावित अंगों के लक्षणों जैसे कि संवेदनशून्यता सफेद अथवा पीले पड़े हाथ एवं पैरों की उंगलियां कान की लौ का ध्यान रखें।

प्रतिभाएं सम्मानित

टोंक। मालपुरा मुख्यालय पर नागोरी विकास समिति के तत्वाधान में नागोरी प्रतिमा सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिलाअध्यक्ष शब्बीर नागोरी व कार्यक्रम की अध्यक्षता शमसुद्दीन द्वारा की गई। कार्यक्रम में समाज के कक्षा 9 से उच्च शिक्षा डिग्री डिप्लोमाधारी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया तथा विशिष्ट अतिथि महबूब खान, समीर नागोरी, अहमद खान, बशीर खान व अन्य सम्मानित सदस्यो द्वारा विशेष योग्यताधारी बालिकाओं को कालीबाई स्कूटी योजना में पुरस्कार प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में चार छात्रों के हाफिज ए कुरान होने पर व वृद्ध छात्रों का अग्नि वीर में चयन होने पर तथा संविदा पर चयनित 10 छात्रों को सम्मानित किया।

पावटा में सोशल मीडिया बना सियासी अखाड़ा

- **आरोप-प्रत्यारोप के दौर से गरमाई राजनीति, जनता के बीच छिड़ी बहस**

पावटा। राजमार्ग स्थित होटल होलिडे फन रिसोर्ट पावटा में आयोजित पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ व विधायक कुलदीप धनकड़ की मौजूदगी में 3 दर्जन से अधिक कांग्रेसियों द्वारा भाजपा सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। इस बार सियासी जंग विधानसभा या मंच से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर खुलकर देखने को मिल रही है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिलाध्यक्ष इन्द्रराज गुर्जर ने सोमवार को तीखा बयान जारी करते हुए कहा कि भाजपा के दो साल के तथाकथित सुशासन का यही हाल है कि आज उनके अपने ही कार्यकर्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे है। पावटा में मंच से सुशासन का ढोल पीटा गया, लेकिन उसी मंच के साए में भाजपा कार्यकर्ताओं की पीड़ा भी खुलकर सामने आ गई। इंद्राज गुर्जर ने कहा कि हितेन्द्र लाटा का परिवार वर्षों से पावटा भाजपा का मजबूत स्तंभ रहा है, जिसने संगठन और सरकार के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया। उन्होंने कई बार सत्तासीन नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी पीड़ा बताई, लेकिन जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो मजबूरी में सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज उठानी पडी। गुर्जर ने तंज कसते हुए कहा कि सिर्फ भाषण देने से सुशासन नहीं आता, इसके लिए जमीन पर उतरकर काम करना पडता है, लेकिन सत्ता में बैठे लोगों के पास न समय है और न संवेदनशीलता। उन्होंने सवाल उठाया कि दो साल से सरकार की मजदूरी करने वाले कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत का मूल्य कब मिलेगा? एक कार्यकर्ता ने साहस दिखाकर अपनी पीडा सार्वजनिक कर दी, लेकिन यह पीडा सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं की सामूहिक पीडा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने विराटनगर विधानसभा क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि क्षेत्र में चोरी, लूट और अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही है। जो भी सत्ता के खिलाफ आवाज उठाता है, उसे दबाने के लिए प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने दो टूक चेतावनी दी कि यह दमन और कुशासन ज्यादा दिन नहीं चलेगा। इंद्राज गुर्जर ने भाजपा नेतृत्व को आईना दिखाते हुए पूछा कि राजेंद्र राठौड जैसे वरिष्ठ नेता के इतने बड़े कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा के कद्दावर नेता और संगठन के बड़े पदाधिकारी आखिर क्यों नदारद रहे, इस कार्यक्रम से दूरी क्यों बनाई। प्रागपुरा क्षेत्र से भी गिने-चुने कार्यकर्ता ही नजर आए। उन्होंने कहा कि अगर सच में भाजपा ने दो साल में सुशासन दिया है तो फिर गांवों में निकल रही सुशासन यात्राओं में भीड़ क्यों नहीं उमड रही? 15-20 लोगों की मौजूदगी ही भाजपा के खोखले दावों का सबसे बड़ा सबूत है। पूर्व विधायक और वर्तमान विधायक के बीच सोशल मीडिया पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं, जिससे राजनीतिक माहौल पूरी तरह से गरमा गया है। पूर्व विधायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए वर्तमान विधायक पर विकास कार्यों में विफलता, जनसमस्याओं की अनदेखी और झूठे दावों का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि क्षेत्र की जनता आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है, सिर्फ प्रचार की राजनीति की जा रही है। वहीं आशीष धनकड सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी पलटवार करते हुए पूर्व विधायक को अपने कार्यकाल की याद दिलाई और कहा कि जनता सब जानती है, किसके समय क्या हुआ और किसके नेतृत्व में क्षेत्र आगे बढ़ा। उन्होंने विकास कार्यों की सूची साझा करते हुए पूर्व विधायक के आरोपों को निराधार और भ्रामक बताया और कहा कि कांग्रेस अब सिर्फ़ सोशल मीडिया तक सिमट कर रह गई है, जबकि जमीन पर उसका संगठन लगभग समाप्त हो चुका है। बीजेपी सरकार ने पिछले दो साल में जनता के हित में ठोस काम किए हैं। लेकिन जो लोग सत्ता में रहते हुए भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति करते रहे, वही आज सुशासन का पाठ पढाने निकले हैं - यह राजनीतिक विरोधाभास ही नहीं, जनता के साथ मज़ाक भी है। कांग्रेस को पहले अपने गिरेबान में झाँकना चाहिए। जब कांग्रेस की सरकार थी, तब विराटनगर और आसपास के क्षेत्रों की हालत दयनीय थी। न जनता की समस्याओं पर ध्यान दिया गया, न संगठन को मजबूत किया गया। सत्ता से बाहर होने के बाद अचानक जनता और कार्यकर्ताओं की याद आना सिर्फ़ राजनीतिक मजबूरी और नौटंकी है। सुना है कि आपने बीजेपी में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए अथक प्रयास किए। लेकिन जब भरोसा, नेतृत्व और दिशा ही न हो, तो कार्यकर्ता खुद निर्णय ले लेते हैं। यह सच्चाई कांग्रेस को स्वीकार करनी चाहिए। बीच-बीच में यह बताने की कोशिश की जा रही है कि हमारे कार्यक्रमों में कौन आया और कौन नहीं। इस विषय में आप चिंता न करें - वे सभी हमारे कर्मठ और वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं।

उड़ान टीम दौड़ प्रतियोगिता का पोस्टर जारी

पावटा। पावटा उपखंड के ग्राम भूरी भडाज में आयोजित होने वाली आगामी दौड़ प्रतियोगिता को लेकर तैयार किए गए पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा एवं विशिष्ट अतिथियों अभिभाषक संघ पावटा अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास यादव, कैलाश सैनी, मोहनलाल सैनी, जयराम सिंह, देवेंद्र ने पोस्टर का अनावरण कर प्रतियोगिता के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा सहित वक्ताओं ने कहा कि ऐसी खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम संयोजक भाई हरिद्वारीलाल स्वामी ने बताया कि उडान टीम द्वारा प्रतिवर्ष समय समय पर ऐसे आयोजन किए जाते हैं जिसमें बडी संख्या में युवा भाग लेते हैं। आयोजकों ने प्रतियोगिता की तिथि, स्थान एवं नियमों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक युवाओं से भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी, आयोजक समिति के सदस्य एवं बडी संख्या में युवा उपस्थित रहे। पोस्टर विमोचन के साथ ही प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

सार-समाचार

पौषबड़ा महोत्सव में प्रसादी बांटी

शाहपुरा । उपखण्ड के ग्राम बिदारा में मंगलवार को प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में पुजारी फूलचंद ब्रजवाल के सानिध्य में पौषबड़ा महोत्सव मनाया गया। प्रभु दयाल ब्रजवाल वरिष्ठ, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.पूरणमल बुनकर ने बताया कि इस अवसर पर रामदेव महाराज को पौषबड़े व सूजी के हलवे का भोग अर्पित कर महाआरती की गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया । धार्मिक आयोजन के दौरान मंदिर को आकर्षक फूलों से सुसज्जित किया गया। इस अवसर पर पूर्व वार्डपंच प्रभुदयाल बुनकर, सुवालाल बुनकर,विजय कुमार, रोहिताश ब्रजवाल, राजकुमार, मुकेश कुमार बुनकर, राजेश कुमार बुनकर, हार्दिक वर्मा, नीरज कुमार बुनकर, ब्रजवाल, सचिन बुनकर, कोमल ब्रजवाल सहित कई भक्त मौजूद रहे।

प्रीमियर लीग का समापन

टोंक । एडवोकेट्स प्रीमियर लीग 2025 का समापन सोमवार को फाइनल मुकाबले के साथ लाल बहादुर शास्त्री इलेवन ने जीतकर टूर्नामेंट की चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम करते हुए की। आयोजन समिति ने बताया कि फाइनल मैच में लाल बहादुर शास्त्री इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 220 रन बनाकर विपक्षी टीम रामप्रसाद बिस्मिल इलेवन को 55 रन से हराकर जीत हासिल की। मेन ऑफ द मेन बेनी प्रसाद गुर्जर रहे, जिन्होने अकेले ही 87 रन बनाए। सीरीज की विजेता टीम को प्रायोजक सन शाइन ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, की प्रधानाचार्या कामिनी श्रीवास्तव और आर्यन श्रीवास्तव ने ट्रॉफी भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयोजन समिति की अध्यक्ष ने सभी खिलाड़ियों और आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। समिति संयोजक विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि लीग से जुड़े शेष पुरस्कारों का वितरण आगामी 2 जनवरी को आयोजित होने वाले विशेष समारोह में किया जाएगा।

आर्यवीरों ने शौर्य का प्रदर्शन किया

सांभरझील । यहां आर्य समाज के तत्वाधान में आर्य वीर शौर्य प्रदर्शन एवं भव्य शोभा यात्रा का गरिमामय आयोजन हुआ। ऊर्जावान युवाओं ने आत्मरक्षा के हैरतअंगेज कारनामे दिखाकर सभी का दिल जीत लिया। अदम साहस के साथ लाठी, भाला व तलवार चलाने की कला दिखाकर सभी को दांतों तले अंगुली दबाने को विवश कर दिया। शारीरिक कौशल का प्रदर्शन कर लोगो को स्वस्थ रहने की परंपरागत विधि बताई। 200 से अधिक बच्चों और युवाओं ने आत्मरक्षा तरीके बताए। प्रमोद कुमार जोशी बताते हैं कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, वीरता और आत्मरक्षा की भावना जागृत करना है। मुख्य मार्गों से निकली शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा और रंगोली सजाकर भव्य अभिनंदन किया गया। लोगों ने भी बड़ी संख्या में मार्ग के दोनों ओर खड़े होकर आर्यवीरों की करतल ध्वनि से हौसला अफजाई की। शिविर संयोजक आचार्य सत्यम आर्य, गुरुकुल के आर्चाय, मंत्री डा. ज्ञानप्रकाश दायमा, संचालिका अभिलाषा, आर्य समाज प्रधान अशोक कयाल, प्रमोद जोशी, किशन गोपाल शर्मा, नितेश गोयल, देवेंद्र कुमार भार्गव, नन्द किशोर साभरिया, किरण बंजारा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था को अंजाम दिया। आयोजन के अंत में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को शारीरिक रूप से सुदृढ़ और आत्मरक्षा में निपुण होना अत्यंत आवश्यक है, और ऐसे शिविर युवाओं को संस्कारवान बनाने में मील का पत्थर साबित होते हैं।

नई पंचायत समिति घोषित

शाहपुरा । राजस्थान सरकार ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जिला जयपुर की पंचायत समितियों के पुनर्गठन / पुनर्सीमांकन /नवसृजन के अंतर्गत जयपुर ठाामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह की अनुशंसा पर शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के ठााम पंचायत अमरसर को नई पंचायत समिति घोषित किया गया। जिसके अंतर्गत बाईस ठााम पंचायतों जिनमें अमरसर, पठानो का बास, नायन, कलवानियों का बास, मुरलीपुरा, हनुतपुरा, रानीपुरा-जोधपुरा, करीरी, बिलान्दरपुर, गोविन्दपुरा बासडी, रावपुरा, धानोता, हनुतिया, मारखी, राडावास, जगतपुरा, म्हार खुर्द, परमानपुरा, धवली, नयाबास, आमलोदा, शिवसिंहपुरा को शामिल किया गया। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान समाचार मिलते ही क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा,अरूण चतुर्वेदी, पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर, सांसद राव राजेंद्र सिंह का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए पटाखें छुड़ाते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाईयां दी।

विरोध प्रदर्शन किया

निवाई। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के महासंघ प्रमुख महेंद्र सिंह के नेतृत्व में शहीद स्मारक जयपुर में मांगों को लेकर एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ, प्रबोधक संघ, शिक्षक संघ सियाराम, लैब टेक्नीशियन नर्सेज, राजस्थान ग्रामीण जनता जल योजना, विद्यालय सहायक, पंचायत शिक्षक संघ, आंगनबाडी संघ, सर्व दिव्यांग कार्मिक, जन संघर्ष समिति, राजस्थान काउंसिल आफ डिप्लोमा इंजीनियर, राजस्थान योग प्रशिक्षक महासंघ, एनिमल संघ, राजस्थान पशु मित्र संघ, नॉन शिक्षक संघर्ष समिति, अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला पर्यवेक्षक संघ, राजस्थान नर्सेज भर्ती संघर्ष समिति, राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के प्रदेशभर के कर्मचारियों के लगभग 55 घटक दलों ने मांगों को लेकर भाग लिया। जिलाध्यक्ष राजाराम जांगिड, महामंत्री प्रमोद स्वर्णकार, महेंद्र सिंह ने बताया कि कर्मचारियों की 21 सूत्री मांगों के निस्तारण को लेकर महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा को ज्ञापन सौंपकर वार्ता की।

प्रतिभा सम्मान समारोह 11 को

टोंक। ब्राह्मण समाज भगवतगढ थान एंव प्रतिभा सम्मान समारोह समिति की बैठक अध्यक्ष श्रवण लाल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को कृष्णा पैराडाईज गार्डन टोंक पर आयोजित की गई, जिसमें 11 जनवरी 2026 को होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों के लिए चर्चा की गई। इस दौरान सचिव घनश्याम कांदला ने बताया कि बैठक में प्रतिभा सम्मान समारोह संरक्षक बाबूलाल शर्मा द्वारा कार्यकारिणी के समक्ष समारोह की तैयारियो के लेकर जानकारी दी तथा संयोजक हीरालाल शर्मा द्वारा समाज की जनगणना के डाटा समाज की बेबसाईड पर अपलोड करने हेतु निर्देश दिये।

इस मौके पर प्रतिभा सम्मान समारोह अध्यक्ष बंशीलाल शर्मा ने समारोह मे समाज बन्धुओ को अधिक से अधिक पहुँचने हेतु आग्रह किया गया। इस दौरान बैठक में अध्यक्ष श्रवणलाल शर्मा, उपाध्यक्ष हनुमान, महामंत्री कन्हैयालाल, बाबूलाल, बंशीलाल खरेडा, रामप्रसाद उपाध्याय सहित अन्य समाजबन्धु उपस्थित रहे।

पावटा में सांसद प्रत्याशी अनिल चोपड़ा का भव्य स्वागत

पावटा । क्षेत्र में सांसद प्रत्याशी अनिल चोपड़ा के आगमन पर कांग्रेस नेता ओपी बायला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं व स्थानीय नागरिकों द्वारा अनिल चोपडा के जन्मदिन पर पावटा कस्बे में जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस

- **अनिल चोपडा ने कहा कि जनता का स्नेह उन्हें जनसेवा के लिए और अधिक प्रेरित करता है। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को अपनी प्राथमिकता बताया।**

अवसर पर फूल-मालाओं, साफा पहनाकर एवं नारों के साथ समर्थकों ने उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम को

सांसद प्रत्याशी अनिल चोपड़ा के पावटा आगमन पर कांग्रेस नेता ओपी बायला के नेतृत्व में भव्य अभिनन्दन किया।

संबोधित करते हुए अनिल चोपडा ने कहा कि क्षेत्र की जनता का यह स्नेह और विश्वास उन्हें जनसेवा के लिए और अधिक प्रेरित करता है। उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, युवाओं के लिए रोजगार, किसानों की समस्याओं के समाधान एवं बुनियादी सुविधाओं के सुदृढीकरण को अपनी प्राथमिकता बताया। स्वागत समारोह के दौरान स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव को लेकर संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए कार्य करने का आव्हान किया। इस दौरान वरिष्ठ नेता शिम्भु दयाल हाड़िया, डेलिगेट दशरथ यादव,जितेंद्र यादव, राकेश मीणा, भीम सिंह गढवाल, रवि सैन सहित कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

राजोरिया जिला सचिव बने

दौसा। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 के लिए रोटेरियन कपिल राजोरिया को रोटरी वर्ष 2026-27 हेतु डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी- एवं डिस्ट्रिक्ट ड्यूज़ के महत्वपूर्ण दायित्व पर नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति रोटरी इंटरनेशनल के भावी नेतृत्व एवं डिस्ट्रिक्ट टीम की अनुशंसा पर की गई है। रोटेरियन कपिल राजोरिया का होम क्लब: रोटरी क्लब दौसा है। वे रोटरी वर्ष 2018-19 में रोटरी क्लब दौसा के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा रोटरी वर्ष 2024-25 में सहायक प्रांतपाल के पद पर भी सेवाएँ दे चुके हैं। संगठनात्मक कार्यों में उनकी दक्षता, प्रशासनिक अनुभव एवं रोटरी मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अरुण बगाड़िया एवं डिस्ट्रिक्ट लर्निंग फैसिलिटेटर रोटेरियन अजय काला ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। रोटरी क्लब दौसा सहित समस्त रोटरी परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि रोटेरियन कपिल राजोरिया अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा से करेगे।

श्री जय भवानी फुटबॉल चैलेंज कप का फाइनल मुकाबला आज

दौसा। श्री जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब दौसा के तत्वावधान में आयोजित श्री जय भवानी फुटबॉल चैलेंज कप 2025 प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सिटी फुटबॉल क्लब जयपुर, एवं बांदीकुई फुटबॉल क्लब, बांदीकुई होगा। इधर मंगलवार को खेले गये सेमीफाइनल मैच में बांदीकुई फुटबॉल क्लब ने पिंक सिटी फुटबॉल क्लब जयपुर को तथा दूसरी सेमीफाइनल में जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब ने मेजबान भवानी स्पोर्टस क्लब को शिखास्त दी। पहला सेमी फाइनल मुकाबला पिंक सिटी फुटबॉल क्लब जयपुर एवं बांदीकुई फुटबॉल क्लब बांदीकुई के मध्य खेला गया। मैच के 12वें मिनट में पिंक सिटी फुटबॉल क्लब, जयपुर के जर्सी नंबर 84 आदिल ने शानदार गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। 16वें मिनट में बांदीकुई फुटबॉल क्लब के जर्सी नंबर 17 तोहिद ने चार-पांच खिलाड़ियों को छकाते हुए शानदार गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के 50वें मिनट में

- **जयपुर एवं बांदीकुई के बीच होगा मुकाबला**

बांदीकुई को पेनल्टी मिली, जिसे जर्सी नंबर 17 तोहिद ने गोल में तब्दील करते हुए अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई। मैच के अंतिम क्षणों में पिंक सिटी जयपुर के जर्सी नंबर 20 अर्जुन ने महत्वपूर्ण गोल कर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने के कारण मुकाबला ट्राई-ब्रेकर में पहुंचा, जिसमें बांदीकुई फुटबॉल क्लब ने 5-3 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया इधर दूसरा सेमीफाइनल मैच सिटी क्लब जयुपर एवं मेजबान जय भवानी स्पोर्टस क्लब के मध्य खेला गया, जिसमें सिटी क्लब जयपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब दौसा को 3-1 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। शानदार खेल प्रदर्शन को देखते हुए मैन ऑफ द मैच के लिए गोलकीपर तोहिद को पुरस्कृत किया। खेल के चौथे मिनट में जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब के जर्सी नंबर 12 रोहित ने शानदार गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। 30वें मिनट में सिटी क्लब को मिले पेनल्टी कॉर्नर को जर्सी नंबर 86 अनुज ने गोल में बदलते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद रोहित ने एक और शानदार गोल कर सिटी क्लब की बढ़त 3-0 कर दी। जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से जर्सी नंबर 111 मोनू मीणा ने एक गोल कर स्कोर 3-1 किया, लेकिन टीम हार से नहीं बच सकी। निर्धारित समय के अंत में सिटी क्लब जयपुर ने 3-1 से मुकाबला जीत लिया। मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब के गोलकीपर माजिद को मैन ऑफ द मैच चुना गया। श्री जय भवानी स्पोर्ट्स क्लब के मीडिया प्रभारी देवेश वशिष्ठ ने बताया कि बुधवार को फाइनल मुकाबला प्रात: 12:15 बजे बांदीकुई फुटबॉल क्लब बांदीकुई एवं जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब जयपुर के बीच खेला जाएगा।

बिहार में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और बेहतर प्रशिक्षण के जरिए यहां से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं। - साइना नेहवाल

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, पाटलिपुत्र खेल परिसर में पत्रकारों से रूबरू होते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — लसिथ मलिंगा

श्रीलंका क्रिकेट ने पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को तेज गेंदबाज़ी सलाहकार के तौर पर टीम में शामिल किया है। मलिंगा 15 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक के लिये ही टीम के साथ काम करेंगे। एसएलसी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। बयान में कहा गया कि मलिंगा राष्ट्रीय टीम के तेज गेंदबाज़ों के साथ काम करेंगे ताकि उन्हें फरवरी में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए तैयार किया जा सके। श्रीलंका इस बार भारत के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की मेजबानी कर रहा है। इसने इससे पहले 2012 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

क्या आप जानते हैं ?... जैक्स कैलिस शायद उनका सबसे अच्छा खिलाडी है, और ग्रीम स्मिथ एक महत्वपूर्ण कप्तान थे जिन्होंने विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में उन्हें सफल बनाने में मदद की।

श्रीलंका को 15 रन से पांचवां मैच हराया, कप्तान हरमनप्रीत की फिफ्टी

इंडिया विमेंस ने तीसरी बार 5-0 से टी-20 सीरीज जीती

तिरुवनंतपुरम, 30 दिसंबर। इंडिया विमेंस ने श्रीलंका को पांचवें टी-20 में 15 रन से हराकर सीरीज 5-0 से जीत ली। टीम ने तीसरी बार 5-0 के अंतर से टी-20 सीरीज जीती, इससे पहले टीम वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को भी इसी अंतर से हरा चुकी है।

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को श्रीलंका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 7 विकेट खोकर 175 रन बनाए। श्रीलंका 7 विकेट के नुकसान पर 160 रन ही बना सकी। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 43 गेंद पर 9 चौके और 1 छक्का लगाकर 68 रन बनाए। 15वें ओवर में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 35 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। हरमन ने इस ओवर में चमारी अटापट्टू की बॉल पर लगातार दो चौके लगाए। इसी ओवर में टीम इंडिया ने 100 रन का आंकडा भी पार कर लिया।

अरुंधति रेड्डी ने 27 और अमनजोत कौर ने 21 रन बनाए। श्रीलंका से चमारी अटापट्टू, कविषा दिलहारी और रश्मिका सेवांदी ने 2-2 विकेट लिए। श्रीलंका ने दूसरे ही ओवर में कप्तान चमारी अटापट्टू का विकेट गंवा दिया। यहां से हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने 79 रन की पार्टनरशिप की।

इमेशा 50 रन बनाकर आउट हुईं, यहां से श्रीलंकाई पारी संभल ही नहीं सकी और टारगेट से दूर रह गई। हसिनी परेरा ने 65 रन बनाए। भारत से श्री चरणी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर ने 1-1 विकेट लिया। एक बैटर रन आउट भी हुई।

जिस फॉर्मेट ने पहचान दी, उसका सम्मान करो : चैपल

मेलबर्न, 30 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चौथा एशेज टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्रेग चैपल ने कहा है कि दोनों टीमों को खेल के उस फॉर्मेट की इज़्जत करनी चाहिए जिसने उन्हें पहचान दी है। गौरतलब है कि यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया मुकाबला दूसरे दिन के तीसरे सत्र में खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के सामने 178 रन का लक्ष्य रखा, जिसे बेन स्टोक्स की टीम ने छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिये लिखे गये एक लेख में कहा, ''इतिहास के पन्नों में दर्ज मॉन्युमेंट्स मेन वे लोग हैं जो अतुल्य खज़ानों की रक्षा करते हैं। ये ऐसे महिला और पुरुष कलाकारों, इतिहासकारों, शिल्पकारों और संग्रहालय निदेशकों का का समूह था जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर जंग में झोंके गये कला और शिल्प के शाहकारों की हिफाज़त की'' उन्होंने कहा, ''हमें एशेज को भी इसी तरह देखना चाहिए। सन 1877 में शुरू हुई 148 साल पुरानी यह दुश्मनी अब अपने 150 साल पूरे करने के बहुत करीब है। ऐसे में जब बॉक्सिंग डे टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म हो जाता है तो मन में इस पवित्र विरासत के लिये डर पैदा होता है।'' चैपल ने कहा कि जो मैच टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े आयोजन के वैभव की मिसाल बन सकता था, वह एक तमाशा बनकर रह गया। इस अनंत प्रतियोगिता में बंधे हुए दो देश इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया अपने दर्शकों को सिर्फ दो दिन का मुकाबला ही परोस सके। चैपल ने मैच के जल्दी खत्म होने के लिये पिच क्यूरेटर मैट पेज को ज़िम्मेदार ठहराने के बजाय बल्लेबाज़ों की कुशलता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''दोनों टीमों के बल्लेबाज़ ऐसे बिखर गए जैसे तेज हवा में पतझड़ के पत्ते। विकेट गुच्छों में गिरे। टीमों के स्कोर 200 भी पार न कर सके। एमसीजी में मौजूद 90,000 लोगों का मजमा उस यादगार मुकाबले से महरूम रह गया जिसका वह हकदार था।'' उन्होंने अपने लेख के अंत में कहा, ''मैं समझता हूं कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट ने खेल को बदल दिया है और आज बाज़ार में दबाव झेलने की क्षमता से ज़्यादा ताकत को अहमियत दी जाती है, लेकिन अगर आधुनिक खेल के खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट को सच में अहमियत देते हैं, जैसा कि वे कहते हैं, तो उन्हें किसी भी परिस्थिति में कम से कम 100 ओवर तक मिलकर बैटिंग करके यह दिखाना होगा। अगर वे ऐसा नहीं कर सकते, या नहीं करेंगे, तो यह फॉर्मेट खत्म हो जाएगा।'' ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड अब पांचवें टेस्ट के लिये चार जनवरी से मैदान पर उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज़ में 3-1 की अविजित बढ़त बना चुका है।

आर्चर व टंग इंग्लैंड के शुरुआती विश्व कप दल में शामिल

लंदन, 30 दिसंबर। जोफ्रा आर्चर को इंग्लैंड की 2026 टी20 विश्व कप के लिए 20-सदस्यीय प्रोविजनल टीम में शामिल किया गया है। वह फ़िलहाल बाएं तरफ़ की मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे हैं, जिसके कारण वह तीसरे टेस्ट के बाद एशेज से बाहर हो गए थे। 15 सदस्यीय टीम में जॉश टंग को भी शामिल किया गया है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमित ओवर क्रिकेट में अब तक डेब्यू नहीं मिला है। मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और सफ़ेद गेंद के कप्तान हैरी ब्रूक ने टंग को एक स्ट्राइक गेंदबाज के रूप में चुना है, जिन्हें उम्मीद है कि वह भारत और श्रीलंका में टूर्नामेंट के दौरान मिलने वाली सपाट पिचों पर प्रभावी साबित होंगे। जेमी स्मिथ को सफेद्र गेंद के सेट-अप से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। इंग्लैंड के नए साल की शुरुआत श्रीलंका के दौरे से होगी। बेन डकेट की वापसी हुई है, जो न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ तीन टी20 मैचों में नहीं खेल पाए थे और फ़िलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के साथ हैं।

एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड निजी कारणों से डब्ल्यूपीएल से हटी

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। ऑस्ट्रेलियाई स्टार एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड ने निजी कारणों का हवाला देते हुए आने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2026) सीजन से अपना नाम वापस ले लिया है, जिससे टूर्नामेंट के चौथे एडिशन से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। पेरी, जो आरसीबी के लिए खेलने वाली थीं, और सदरलैंड, जिन्हें डीसी ने साइन किया था, उनकी जगह सायली सतघरे और अलाना किंग को शामिल किया गया है। सतघरे बेंगलुरु-बेस्ड फ्रेंचाइजी में अपने रिजर्व प्राइस 30 लाख रुपये में शामिल होंगी, जबकि किंग - जिन्होंने पिछले सीज़न में यूपी वॉरियर्ज का प्रतिनिधित्व किया था - को डीसी ने 60 लाख रुपये में टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलियाई लेग-स्पिनर कैपिटल्स की लाइन-अप में काफी अनुभव लेकर आती हैं, उन्होंने 27 टी 20 में 27 विकेट लिए हैं। पेरी का बाहर होना आरसीबी के लिए एक बड़ा झटका है।

घुटने की चोट के बाद अफरीदी बीबीएल से पाक लौटेंगे

एडिलेड, 30 दिसंबर। घुटने की चोट ने शाहीन शाह अफरीदी का बीबीएल में ब्रिस्बेन हीट के साथ सफर खत्म कर दिया है। पीसीबी ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया से वापस बुला लिया है ताकि फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू कर सकें। हीट के एक बयान में कहा गया है कि एडिलेड से टीम के लौटने के बाद अफरीदी का ''आगे रिव्यू किया जाएगा'', जहां वे बुधवार को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ अपना अगला मैच खेलेंगे, जिससे पता चलता है कि उस प्रक्रिया के बाद अफरीदी पाकिस्तान लौट सकते हैं। अफरीदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा,''मैं ब्रिस्बेन हीट टीम और फैंस का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतना प्यार और सपोर्ट दिया। एक अप्रत्याशित चोट के कारण, मुझे पीसीबी ने वापस बुला लिया है और मुझे रिहैब करना होगा। उम्मीद है, मैं जल्द ही मैदान पर वापस आऊंगा। इस बीच, मैं इस शानदार टीम को चीयर करूंगा।'' हीट टॉम अलसोप (घुटने की चोट) और नाथन मैकस्वीनी (टखने की चोट) का भी इंतजार कर रही है, जिन्होंने ट्रेनिंग फिर से शुरू कर दी है।

टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान टीम की कप्तानी करेंगे जसविंदर सिंह

मस्कट, 30 दिसंबर। जसविंदर सिंह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ओमान की 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। जसविंदर को विनायक शुक्ला का साथ मिलेगा, जिन्हें टीम में उप-कप्तान बनाया गया है। ओमान आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में अपनी चौथी भागीदारी में छाप छोड़ने की कोशिश करेगा। आने वाले एडिशन में, उन्हें ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और जिम्बाब्वे के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। ओमान ने आईसीसी एशिया-ईएपी क्वालिफायर के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाई, जहां वे नेपाल के बाद दूसरे स्थान पर रहे। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई टीम 9 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। **टीमः** जसविंदर सिंह (कप्तान), विनायक शुक्ला, मोहम्मद नदीम, शकील अहमद, हम्माद मिर्ज़ा, वसीम अली, करण सोनावले, शाह फैसल, नदीम खान, सूफियान महमूद, जय ओडेदरा, शफीक जान, आशीष ओडेदरा, जितेन रामानंदी, हसनैन अली शाह।

सीजीएसटी मुंबई ने आशा देवी डागा टूर्नामेंट में आरसीए को हराया

जयपुर, 30 दिसंबर। आरसीए जयपुर ने 9 विकेट पर 117 रन बनाए, जिसमें लोकेश सैनी ने 27 रन बनाए। सीजीएसटीमुंबई की ओर से दीपक शेट्टी और यश चव्हाण ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में सीजीएसटीमुंबई ने सागर मिश्रा के 26 रनों की मदद से 18.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। हिमांशु को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। कृष्णा क्रिकेट अकादमी ने आशा देवी डागा टूर्नामेंट में पीआर पब्लिसिटी को हराया। पीआर पब्लिसिटी ने 10 विकेट पर 126 रन बनाए, जिसमें फूलचंद जांगिड़ ने 38 रन बनाए। आयुष गुर्जर और यश चौधरी ने 3-3 विकेट लिए। कृष्णा क्रिकेट अकादमी ने मात्र 12.1 ओवर में 131 रन बनाकर मैच जीत लिया। रवि शर्मा ने 37 रन और जितेंद्र यादव ने 39 रन बनाए। आयुष गुर्जर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

सीसीआई विजय हजारे ट्रॉफी अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी : राजस्थान पहली पारी 184 ऑल आउट

जयपुर, 30 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी के कल दिनांक 31 दिसंबर 2025 को खेले जाने वाले मैच :
-सवाई मान सिंह स्टेडियम छत्तीसगढ़ - सिक्किम मैच, के एल सैनी स्टेडियम पंजाब - हिमाचल मैच, जयपुरिया ग्राउंड मुंबई - गोवा मैच, अनंतम ग्राउंड महाराष्ट्र - उत्तराखंड मैच, अहमदाबाद राजस्थान - केरल मैच, अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में राजस्थान - बिहार के मध्य प्रदेश के मुरैना में खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन का स्कोर :-राजस्थान पहली पारी 184 आल आउट, टीम के लिए शौर्य मेहरा नाबाद 51, यश शर्मा 40 रन। बिहार के गेंदबाज विवेक 51 / 6 व मनदीप 49 / 2 विकेट। बिहार पहली पारी 43 / 2, राजस्थान के गेंदबाज रोहन, शोभाग 1 - 1 विकेट।

मुंबई इंडियंस ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर क्रिस्टन को नियुक्त किया स्पिन बॉलिंग कोच

मुंबई, 30 दिसंबर। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई लेगस्पिनर क्रिस्टन बीम्स को अपना स्पिन-बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। बीम्स 2014 से 2017 तक ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुकी हैं। वह मुंबई के सपोर्ट स्टाफ में मुख्य कोच लिसा कीथली, गेंदबाज़ी कोच और मेंटर झूलन गोस्वामी, बल्लेबाज़ी कोच देविका पालशिकर और फील्डिंग कोच निकोल बोल्टन के साथ जुड़ेंगी। यह कीथली का भी मुंबई के साथ पहला सीजन होगा। वह पिछले तीन सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के साथ काम कर चुकी हैं।

बीम्स ने मुंबई इंडियन्स की इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, ''झूलन गोस्वामी जैसी महान खिलाड़ी के साथ काम करना एक शानदार मौका है। (टीम की) संस्कृति शानदार है... उन्होंने इतने लंबे समय में एक जीतने की एक विचारधारा बनायी है। सबसे सुनने को मिलता है कि यह टीम एक-दूसरे के बहुत करीब है और एक परिवार की तरह है। आप इसका हिस्सा बनना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक कोच के तौर पर आप बिल्कुल यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसे माहौल में जाना चाहते हैं जहां सब एक-दूसरे के करीब हों और एक ऐसी टीम बनाते हों जो जीतना जानती है।''

बीम्स ने एक टेस्ट, 30 वनडे और 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया। वह साल 2015-16 से 2019-20 तक महिला बिग बैश लीग (महिला बीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स के लिए भी खेलीं। इसके बाद उन्होंने महिला बीबीएल, द हंड्रेड और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 महिला टीम में कोचिंग की।

मुंबई ने अब तक हुए तीन डब्ल्यूपीएल सीजन में से दो जीते हैं। वह अगले सीजन की शुरुआत नौ जनवरी को 2024 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ करेगी। यह 28-दिवसीय टूर्नामेंट नवी मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा। यह पहली बार है जब डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी के महीने में खेला जाएगा। पहले तीन सीजन आईपीएल शुरू होने से ठीक पहले फरवरी-मार्च में खेले गए थे। मुंबई ने पिछले महीने नीलामी में ज़्यादातर उन्हीं खिलाड़ियों को रिटेन किया और वापस खरीदा जो पहले तीन सीजन में उनके लिए खेले थे।

फीफा, दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल ने नये पुरस्कार समारोह के लिये की साझेदारी

दुबई, 30 दिसंबर। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल (डीएससी) के अध्यक्ष शेख मंसूर बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने दुबई में एक नए सालाना विश्व फुटबॉल पुरस्कार आयोजन के लॉन्च की घोषणा की है।

इस घोषणा के समय दुबई के क्राउन प्रिंस, संयुक्त अरब अमीरात के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री, और दुबई की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद रहे। यह इवेंट 2026 से शुरू होगा और एकमात्र आधिकारिक सालाना फीफा पुरस्कार समारोह बन जाएगा। इस समारोह में पिछले साल के बेहतरीन खिलाड़ियों, टीमों और इस खूबसूरत खेल की उपलब्धियों को सम्मानित किया जायेगा। यह घोषणा दुबई में चल रहे विश्व खेल सम्मेलन के दौरान की गयी। इसमें फीफा और डीएससी ने नयी साझेदारी की पुष्टि करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, ''हम दुबई के साथ हाथ मिलाकर खुश हैं। यह एक ऐसा शहर है जो फुटबॉल के लिए जीता है और हम इस विश्व स्तरीय इवेंट को विकसित कर रहे हैं।

महिला टी-20 रैंकिंग में चार पायदान चढ़ी शेफाली, मंधाना नंबर तीन पर बरकरार

दुबई, 30 दिसंबर। श्रीलंका के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में चार पायदान चढ़कर छठे स्थान पर आ गयी हैं, जबकि उप-कप्तान और सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, शेफ़ाली 736 अंकों के साथ छठे पायदान पर हैं, जबकि मंधाना 767 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। एक पायदान नीचे गिरने के बावजूद जेमिमा रॉड्रिग्ज़ (10वां पायदान) शीर्ष 10 में तीसरी भारतीय बल्लेबाज के तौर पर बरकरार हैं। शेफ़ाली अब तक सीरीज के चार मैचों में तीन अर्द्धशतकों के साथ 227 रन बटोर चुकी हैं और तालिका में शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी से सिर्फ 60 अंक पीछे हैं भारतीय विकेटकीपर ऋचा घोष ने भी चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में नाबाद 40 रन बनाकर रैंकिंग में 20वें पायदान पर जगह बना ली है। इस बीच, टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में रेणुका सिंह और श्री चरणी को सबसे ज़्यादा फायदा हुआ है। रेणुका ने श्रीलंका सीरीज के तीसरे मैच में टीम में वापसी करते हुए चार विकेट लिए और इसके नतीजे में टी20 गेंदबाजों की नवीनतम रैंकिंग आठ पायदान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गयीं। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने श्रीलंका के खिलाफ शुरुआती चार मैचों में चार विकेट लिए और रैंकिंग में 17 पायदान चढ़कर कुल 52वें नंबर पर पहुंच गयी हैं। दीप्ति शर्मा इस लिस्ट में 738 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं।

सिडनी में इंग्लैंड के लिए टेस्ट नंबर 3 की भूमिका पक्की करना चाहते हैं बेथेल

लंदन, 30 दिसंबर। इंग्लैंड के युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल मेलबर्न में अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाने और सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी एशेज टेस्ट में एक और दमदार प्रदर्शन के साथ नंबर 3 की जगह पक्की करने का लक्ष्य बना रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अनुसार, बेथेल ने एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया पर इंग्लैंड की चार विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई, इस बोल्ड बाएं हाथ के खिलाड़ी ने अपनी उम्र से ज़्यादा धैर्य दिखाते हुए मैच की आखिरी इनिंग्स में कीमती 40 रन बनाए और अपनी टीम को जीत का टारगेट पार कराने में मदद की।

यह एशेज सीरीज में बेथेल का पहला मौका था क्योंकि मुख्य खिलाड़ी ओली पोप को शुरुआती तीन टेस्ट के लिए प्राथमिकता दी गई थी, जिनमें इंग्लैंड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था, 22 साल के इस खिलाड़ी को 4 जनवरी को सिडनी में शुरू होने वाले सीरीज के आखिरी मैच में यह अहम जगह अपनी जगह बनाने का एक और मौका मिलने की संभावना है।

बेथेल ने कहा, ''मुझे तीन नंबर पसंद हैं। आप तब आते हैं जब बॉल नई होती है और कुछ सिनेरियो में बॉल हर तरफ जा रही होती है, लेकिन दूसरे सिनेरियो में जब बॉलर विकेट लेने की कोशिश कर रहे होते हैं और फील्ड अटैकिंग होती है तो स्कोर करने के मौके मिलते हैं, बहुत गैप होता है।''

बेथेल ने कहा, ''मुझे इसे अपनी पोजीशन कहने के लिए अभी भी बहुत कुछ करना है।मैं (इस जगह को अपना बनाना) चाहूंगा। मैं टीम में किसी भी रोल को पक्का करना चाहूंगा। अगर आप में हैं और जीत में योगदान दे रहे हैं तो मैं इससे काफी खुश हूं।'' बेथेल ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ इंडियन प्रीमियर लीग में उनके समय ने उन्हें मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के बड़े स्टेज के लिए तैयार होने में मदद की क्योंकि उन्हें पहले भी बड़ी भीड़ के सामने खेलने का अनुभव था।

तीसरा जयपुर चेस क्लब रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 3 से

जयपुर, 30 दिसंबर। जयपुर चेस क्लब के तत्वावधान में तीसरा जयपुर जिला शतरंज संघ रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2026 का आयोजन शनिवार, 3 जनवरी 2026 को किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता जयपुर जिला शतरंज संघ द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा जयपुर चेस अकादमी के सहयोग से आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, निर्माण नगर, जयपुर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में सीमित प्रविष्टियाँ रखी गई हैं। इसमें 15 10 सेकंड समय नियंत्रण के साथ कुल 6 राउंड खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में कुल 25,000 की नकद पुरस्कार राशि, 31 ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किए जाएंगे। जेडीसीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में ओपन वर्ग के साथ-साथ अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, महिला, वेटरन एवं जयपुर चेस अकादमी के खिलाड़ियों के लिए विशेष श्रेणियाँ रखी गई हैं। अंडर-7, 9 एवं 11 आयु वर्ग के सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। सभी खिलाड़ियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता के दिन खिलाड़ियों की रिपोर्टिंग समय सुबह 9:40 बजे, खिलाड़ियों की बैठक 10:00 बजे तथा प्रथम राउंड 10:15 बजे प्रारंभ होगा। पुरस्कार वितरण समारोह शाम 5:15 बजे आयोजित किया जाएगा।

10 को राष्ट्रीय एथलीट फोरम का आयोजन करेगा भारतीय ओलंपिक संघ

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। भारतीय खेलों में एथलीटों के नेतृत्व वाले शासन और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 10 जनवरी 2026 को गुजरात के अहमदाबाद में पहले राष्ट्रीय एथलीट फोरम का आयोजन करेगा।

आईओए ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि एथलीट फोरम इस बात का प्रमाण है कि वह सिर्फ सलाह-मशविरे से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एथलीट उन नीतियों को आकार देने में सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभाएं जो उनके करियर, कल्याण और भविष्य को प्रभावित करती हैं। यह फोरम देश भर के मौजूदा और पूर्व एथलीटों, एथलीट प्रतिनिधियों और प्रमुख हितधारकों को सीधी, समाधान-केंद्रित बातचीत के लिए एक साथ लाएगा।

आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने इस पहल की घोषणा करते हुए कहा, ''भारत के खेल इतिहास में यह पहली बार है कि एथलीटों को सीधे शासन को प्रभावित करने के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय फोरम के माध्यम से एक साथ लाया जा रहा है। एथलीटों की आवाज़ अब हाशिये पर नहीं रह सकती। यह फोरम एथलीटों के नेतृत्व वाले सुधार, जवाबदेही और साझा निर्णय लेने की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का संकेत देता है।'' डॉ. उषा ने कहा, ''एथलीटों की गरिमा, सुरक्षा और भलाई की रक्षा किए बिना खेल में लगातार उत्कृष्टता असंभव है। यह फोरम यह स्पष्ट करता है कि एथलीटों का कल्याण नीति के केंद्र में है।

आईपीएल की तरह एवीआई शूटिंग बॉल लीग आयोजित होगी

जयपुर, 30 दिसम्बर। राजस्थान शूटिंग बॉल एसोसियेशन के अध्यक्ष दयानंद उपाध्याय के अनुसार एवीआई शूटिंग बॉल लीग का उद्देश्य भारत के हर कोने के खिलाड़ियों को एक समान अवसर देना है। गांव, गोदाम और शहरों में स्थित खिलाड़ियों को एक पेशेवर मंच मिले। इस लीग में कुल 8 टीम बनाई जाएगी। हर टीम में चुने गए खिलाड़ी होंगे जिसमें हम पूरे भारत में ट्रायल के जरिए चयन करेंगे। हर ट्रायल पूरी तरह से चौड़ाई और योग्यता पर आधारित होगा। जल्द ही विभिन्न राज्यों और शौचालयों में ट्रायल आयोजित करेंगे। हर जगह से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा और फिर से चुने गए सभी खिलाड़ियों को एक प्रशिक्षण शिविर में बुलाया जाएगा। दयानंद उपाध्याय ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के बाद खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित की गई। प्रत्येक खिलाड़ी अपने प्रदर्शन और क्षमता के आधार पर आधार मूल्य और अंतिम मूल्य कंपनी द्वारा निर्धारित करेगा। हमारा उद्देश्य सम्मान और आर्थिक अवसर देना है। फाइनल के खिलाड़ियों की बीच लीग मैच आयोजित हो जाएंगे। सभी मैचों को लाइव ब्रॉडकास्ट करने की योजना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस खेल से जुड़ सकें। आने वाले वर्षों में एवीआई शूटिंग बॉल लीग देश के प्रमुख प्रोफेशनल शूटिंग बॉल प्लेटफ़ॉर्म बनें, जहाँ से खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचें।

ओ.एन. दीक्षित जिला बैडमिंटन प्रारम्भ : स्वर्गीय शांति मेहता स्कॉलरशिप की घोषणा

जयपुर, 30 दिसंबर। ओ एन दीक्षित जिला बैडमिंटन आज सुबह 10:00 बजे से सवाई मानसिंह स्टेडियम पर प्रारंभ हुआ। इसमें आज लगभग 350 मैच खेले गए सबसे आकर्षक मैच लड़कों के अंदर 13 वर्ग में हिमाक्ष ने दूसरी वरीयता प्राप्त सिद्धांत सिंह को हरा धमाका किया बाकी सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अपने अगले राउंड में पहुंचे। लड़कों के अंडर 11 एकल में वरीयता प्राप्त नैतिक बंसल लक्षित रेवार सहित 16 खिलाड़ी तीसरे राउंड में पहुंचे वहीं लड़कियों के अंडर 11 एकल में प्रथम वरीयता प्राप्त राशि सिघल व रूहानी यादव सहित 16 खिलाड़ी प्री क्वार्टर में पहुंचे। बॉयज सिंगल्स में जहां सिद्धांत सिंह की दूसरी वरीयता को ही हिमाक्ष ने धवस्त किया वही प्रथम वरीयता अनीश चाहर सहित 32 खिलाड़ी तीसरे राउंड में पहुंचे । बालिका वर्ग के अंडर 13 में प्रथम वरीयता की पदमजा व रेणुका बिश्नोई समेत 16 खिलाड़ी तीसरे राउंड में प्रवेश कर गए हैं।

आज सुबह मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ व प्रधान आयकर निदेशक अन्वेषण अवधेश कुमार तथा पूर्व जी चीफ जस्टिस एन के जैन पंकज दीक्षित ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया इस मौके पर कालीचरण सराफ ने प्रतियोगिता की प्रथम शटल खेल प्रतियोगिता की शुरुआत की।

जिला सचिव मनोज दसोत के अनुसार अध्यक्ष अनिल मेहता व संरक्षक राजीव नागौरी ने अतिथियों की परिचय सभी खिलाड़ियों से कराया इस मौके परअध्यक्ष अनिल मेहता द्वारा अपनी माता जी के नाम से स्वर्गीय शांति मेहता स्कॉलरशिप प्रारंभ करने की घोषणा शांति मेहता राष्ट्रीय स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी तथा जोधपुर फिजिकल एजुकेशन कॉलेज की प्रिंसिपल तथा राजस्थान यूनिवर्सिटी की फिजिकल डायरेक्टर रही थी। उन्होंने कहा अंडर आयु वर्ग 15 तथा अंडर-19 आयु वर्ग में बालक व बालिका वर्ग में चार खिलाड़ियों को प्रतिवर्ष 21000 रुपये स्कॉलरशिप दी जाएगी, आयोजन सचिव अतुल गुप्ता ने बताया कल सुबह 10:00 बजे से मैच प्रारंभ होंगे। कल बालक व बालिका वर्ग में अंदर 11, 13, 15, 17 के मैच खेले जाएंगे।

फैडरेशन कप वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने ओवर ऑल टीम चैम्पियनशिप में जीती उपविजेता की ट्रॉफी

जयपुर, 30 दिसम्बर। भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 24 से 30 दिसंबर 2025 तक राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई. 9वीं फेडरेशन कप वुशु प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 99 अंको के साथ ओवरआल टीम चैंपियनशिप में उपविजेता की ट्रॉफी पर कब्जा किया। तथा ममता वर्मा, महासचिव राजस्थान वुशू संघ के अनुसार शानशु महिला वर्ग टीम चैंपियनशिप में 33 अंको के साथ विजेता की ट्रॉफी तथा शानशु पुरुष वर्ग टीम चैंपियनशिप में 21 अंको के साथ उपविजेता की ट्रॉफी व तालू पुरुष वर्ग टीम चैंपियनशिप में 35 अंको के साथ उपविजेता की ट्रॉफी जीत राजस्थान प्रदेश का मान बढ़ाया। अध्यक्ष के अनुसार पदक विजेता खिलाडियों के विवरण इस प्रकार है-

स्वर्ण पदक विजेताः किरण पारीक, दिव्यांशी, सूर्याशी पडियार, सुनीता, दिव्या सोनी, ईशान शर्मा, हिमांगी नेगी, महिमा चौधरी, वैदेही पारीक, काव्या गुप्ता, लक्षिता, नव्या शर्मा, अल्मास खान, नविता, आराध्या सिंह सोलंकी, अभिमन्यु पारीक, ईश्वर सिंह, शुभम गोरा, कैफ मंसूरी, विकास यादव, सोनवीर, लोकेंद्र सिंह, जतिन कुमार, आनंद सैनी, गुलशन, योगेश चौधरी, तुषार जाट, देवांग सैनी, स्वरित पारीक, ऋधान बैनाड़ा, देव पारीक, मयंक, खुशदीप।

रजत पदक विजेताः अनु फोगाट, अभिजा शर्मा, खुशबू शर्मा, टीना, प्रियंशी गौतम, रियान्शी शर्मा, प्रसिद्धि शर्मा, कृतिका, नोजल, प्रेक्षा चौधरी, अशोक कुमार गुर्जर, गुरप्रीत सिंह, अशोक कुमार, ऋषभ जोशी, सचिन चौधरी, निखिल सेन, पारस कुमार, शिवम शर्मा, संदीप कुमार, कर्तव्य गुप्ता, विक्की, नवीन, कांस्य पदक विजेताः- नंदिनी नेगी अक्षी पंचोली, अनुजा फोगाट, रामनदीप, देविका सैनी, अर्चना, रिकेश, गार्गी शर्मा, त्रिलोक चंद, मानस थपलियाल, कार्तिक, मनविंदर सिंह, शौर्य वर्मा, हिमांक पाठक, सम्राट शर्मा, यशराज सिंह, भूपेश पाल यादव, पार्थ सैन, कवीश।

भजनलाल सरकार ने प्रदूषणकारी वाहनों के लिए वाहन स्क्रैपिंग नीति बनाई

मंत्रिमंडल ने एआई हब की स्थापना व रिफायनरी की संशोधित लागत को मंजूरी दी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- पुराना वाहन स्क्रैप करने पर नये वाहन की खरीद पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक छूट मिलेगी
- वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पचपदरा में निर्माणाधीन 9 मिलियन मीट्रिक टन की रिफायनरी के स्थापना कार्य में तेजी आई है और वह अब यह पूर्णता की ओर है।

जयपुर, 30 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश में पर्यावरण सुरक्षा, हरित एवं टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन देने, गवर्नेन्स, उद्योग, शिक्षा सहित, विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग के उत्तरदायी, नैतिक एवं सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियों के अनुमोदन और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल ने प्रेसवार्ता में बताया कि बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में अनुमोदित राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति-2025 प्रदेश में सड़क पर चलने में अयोग्य एवं प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध रूप से हटाकर उन्हें वैज्ञानिक, सुरक्षित एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप नष्ट करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। इस नीति के अंतर्गत, राज्य में रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज़ (आरवीएसएफ) की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सीओडी के आधार पर नए वाहन की खरीद पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक (अधिकतम 1 लाख रुपए) की छूट का लाभ भी मिल सकेगा। डॉ. बैरवा ने बताया कि कैबिनेट द्वारा अनुमोदित राजस्थान ए.आई. एम.एल. पॉलिसी-2026 प्रदेश को निवेश एवं नवाचार के उभरते केन्द्र के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पचपदरा में निर्माणाधीन 9 मिलियन मैट्रिक टन वार्षिक क्षमता की रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स परियोजना की स्थापना के कार्य में तेजी आई है और यह पूर्णता की ओर है।

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि एचआरआरएल के द्वितीय संशोधित लागत मूल्य प्रस्ताव को कैबिनेट द्वारा राज्य हित को देखते हुए मंजूरी प्रदान की गई है।

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि सप्तम राज्य वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम रिपोर्ट गत 2 सितंबर, 2025 को राज्यपाल को प्रस्तुत की गई थी। उक्त अंतरिम रिपोर्ट की अनुशंसाओं का राज्य मंत्रिमण्डल द्वारा अनुमोदन किया गया। अब इन सिफारिशों को राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा।

खालिदा ज़िया के निधन पर खड़गे, राहुल ने जताया शोक

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा ज़िया के निधन पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया।

- खड़गे ने लिखा कांग्रेस पार्टी की तरफ से मैं बेगम खालिदा ज़िया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा, "कांग्रेस की ओर से मैं बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने देश की राजनीतिक यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, उनके परिवार, समर्थकों और बांग्लादेश की जनता के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ।"

गांधी ने एक्स पर लिखा, "बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के निधन से दुखी हूं। सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे करियर के दौरान, उन्होंने बंगलादेश की राजनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके परिवार, समर्थकों और बंगलादेश के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।"

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया का निधन

प्र.मंत्री मोदी ने बेगम ज़िया के निधन पर शोक जताया और 2015 में ढाका में उनके साथ हुई मुलाकात को याद किया

- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री भारत में रह रही निर्वासित नेता शेख हसीना ने भी खालिदा ज़िया के निधन पर दुख व्यक्त किया।
- खालिदा ज़िया के पुत्र रहमान जो लम्बे समय से लंदन में निर्वासित जीवन जी रहे थे हाल ही में बांग्लादेश लौटे हैं।

ढाका, 30 दिसंबर। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहीं बेगम खालिदा ज़िया का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां निधन हो गया।

भारत के वर्तमान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में 1945 में जन्मी बेगम खालिदा ज़िया गत अगस्त में 80 वर्ष की हुई थीं। वे हृदय और फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से जूझ रही थीं। उन्होंने ढाका के एवरकेयर अस्पताल में सुबह छह बजे अंतिम सांस ली, जहाँ पिछले पांच हफ्तों से उनका इलाज चल रहा था। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए एक बयान में कहा, "बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया का आज सुबह 6:00 बजे, फज्र की नमाज के कुछ समय बाद निधन हो गया।" उनका अंतिम संस्कार बुधवार को ढाका के मानिक मियां एवेन्यू में किया जाएगा।

बेगम ज़िया 1991 से 1996 तक और फिर 2001 से 2006 तक देश की प्रधानमंत्री रहीं। वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से इस पद को संभालने वाली देश की पहली महिला थीं। उनके पति जनरल ज़िया उर रहमान एक स्वतंत्रता सेनानी और देश के पूर्व सैन्य शासक थे। इसी महीने की शुरुआत में उनके बेटे तारिक रहमान लंबे समय के स्वघोषित निर्वासन के बाद फरवरी 2026 में होने वाले चुनावों के मद्देनजर और अपनी बीमार मां के पास रहने के लिए 25 दिसंबर को ही ब्रिटेन से वापस लौटे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खालिदा ज़िया के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि भारत बंगलादेश के बीच संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, "बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा ज़िया के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और बंगलादेश के सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं। बंगलादेश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।" मोदी ने 2015 में ढाका में उनके साथ हुई अपनी मुलाकात को भी याद किया।

बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने खालिदा ज़िया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके निधन से देश ने एक अनुभवी और संरक्षक राजनेता को खो दिया है।

निर्वासन में भारत में रह रहीं बंगलादेश अवामी लीग की अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, "राष्ट्र के लिए उनका योगदान महत्वपूर्ण था और उसे याद रखा जाएगा। उनका निधन बंगलादेश के राजनीतिक जीवन और बीएनपी के नेतृत्व के लिए एक बड़ी क्षति है।" कभी खालिदा ज़िया की कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहीं हसीना ने कहा, "मैं बेगम खालिदा ज़िया की आत्मा की शांति और क्षमा के लिए प्रार्थना करती हूँ और उनके बेटे तारिक रहमान तथा उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करती हूँ।"

राहुल गांधी अपनी विदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- सगाई पार्टी, रणथंभौर के शेर बाग होटल में ठहरी है तथा 2 जनवरी तक वहीं रहेगी।
- रेहान व अवीवा दोनों का पैशन है, "फोटोग्राफी"। अवीवा ने दिल्ली के प्रतिष्ठित मॉडर्न स्कूल से अपनी प्रारंभिक पढ़ाई पूरी की है तथा उसके बाद मीडिया कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म की शिक्षा पाई है, ओपी जिंदल ग्लोबल युनिवर्सिटी में।

किया, और अवीवा ने -"हा" कहा। प्रियंका की एक 23 वर्षीय बेटी मिराया भी है।

यह माना जा रहा है कि उनकी शादी कुछ महीनों में हो सकती है।

अवीवा बेग और उनका परिवार दिल्ली में रहते हैं। उनके पिता इमरान बेग एक व्यवसायी हैं और उनकी मां नंदिता बेग एक इंटीरियर डिज़ाइनर हैं।

प्रियंका गांधी और नंदिता बेग पुरानी दोस्त हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, नंदिता बेग ने प्रियंका गांधी को कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन के इंटीरियर डिज़ाइन में मदद की थी।

दोनों परिवार और उनके करीबी दोस्त आज सुबह रणथंभौर गए हैं, जहाँ वे नया साल मनाएंगे। राहुल गांधी, जो पहले विदेश जाने वाले थे, ने अपनी यात्रा रद्द कर दी और आज रणथंभौर पहुँचे।

सूत्रों से पता चला है कि कुछ समय पहले, एक निजी समारोह में कुछ समय पहले इन दोनों ने सगाई कर ली। रणथंभौर में और भी औपचारिक समारोह आयोजित होने की उम्मीद है, साथ ही वे राष्ट्रीय उद्यान में बाघों के दर्शन भी करेंगे।

रेहान और अवीवा दोनों ही फोटोग्राफी के शौकीन हैं और इस क्षेत्र में अपनी कला का अभ्यास करते हैं।

2021 में, जूनियर वाड्रा ने अपनी पहली व्यक्तिगत प्रदर्शनी डार्क पर्सेप्शन बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में आयोजित की, जिसमें उन्होंने कल्पनाशील स्वतंत्रता का विषय उठाया। यह प्रदर्शनी उनकी आँख में चोट लगने के बाद, उनके रौशनी स्थान एवं समय के अनुभवों से प्रेरित थी। यह चोट उन्हें 2017 में एक स्कूल क्रिकेट मैच के दौरान लगी थी

रेहान ने बताया, "मैंने अपनी आंख की चोट के बाद काले और सफेद फोटो पर अधिक काम करना शुरू किया; यह अनुभव था कि लोग चीजों को किस तरह से महसूस करते हैं और अंधेरे की अवधारणा का इस्तेमाल करके रोशनी की तलाश करते हैं।

फोटोग्राफी रेहान का बचपन का शौक रहा है, जिसे उनकी मां ने प्रोत्साहित किया। उनके दादा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी फोटोग्राफी के शौकीन थे, और जूनियर वाड्रा उनके काम का अध्ययन करते हैं।

यह याद किया जा सकता है कि कुछ साल पहले मीडिया में यह रिपोर्ट्स आई थीं कि राहुल गांधी ने आधिकारिक रूप से रेहान वाड्रा को अपने बेटे के रूप में गोद लिया है, क्योंकि राहुल खुद शादीशुदा नहीं हैं और वे अपनी बहन प्रियंका और उनके बच्चों के काफी करीब हैं।

अवीवा दिल्ली के प्रतिष्ठित मॉडर्न स्कूल से पढ़ी हैं और बाद में उन्होंने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी से मीडिया कम्युनिकेशन और जर्नलिज़्म में डिग्री हासिल की।

वे अपनी मां की तरह एक इंटीरियर डिज़ाइनर हैं, और साथ ही एक फोटोग्राफर और निर्माता भी हैं, जैसा कि उनके इंस्टाग्राम बायो में बताया गया है। उनका कहना है कि वे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाना चाहती हैं और अपनी फोटोग्राफी के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहती हैं

पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने कई प्रदर्शनियों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है, जिनमें "यू कैन नॉट मिस दिस" (इंडिया आर्ट फेयर, 2023) और "द इल्यूज़री वर्ल्ड" (2019) शामिल हैं।

पुतिन के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोमवार सुबह फोन पर बातचीत के दौरान इस कथित हमले के बारे में जानकर वे "बहुत गुस्से में" थे।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा "यह एक बात है कि हमला किया जाए," लेकिन उनके घर पर हमला किया जाए, यह अलग बात है। यह ऐसा समय नहीं है, जब ऐसी कोई कार्रवाई की जाए। और मैंने आज सुबह राष्ट्रपति पुतिन से इसके बारे में सुना। मुझे इस पर बहुत गुस्सा आया।"

ट्रंप की यह टिप्पणी रविवार को फ्लोरिडा में राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की के साथ हुई उनकी बैठक के बाद आई। उक्त बैठख के बाद उन्होंने कहा था कि दोनों पक्ष "काफी करीब आ चुके हैं, शायद बहुत करीब" हैं, युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते पर पहुंचने के लिए।

'कांस्टेबल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा गया कि उसकी ऊंचाई 150.2 सेमी और वजन 45.95 किलोग्राम मापा गया, जबकि उसकी वास्तविक ऊंचाई 152 सेमी और वजन 49.12 किलोग्राम है। याचिका में कहा गया कि विभाग की ओर से उसकी ऊंचाई और वजन को गलत मापने के कारण उसे भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर चयन से वंचित कर दिया गया है। ऐसे में निष्पक्ष मेडिकल बोर्ड से उसका पुन: मेडिकल कराया जाए और उसे कांस्टेबल पद पर नियुक्ति दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एसएमएस अस्पताल अधीक्षक को पुन: मेडिकल करने के निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

इंडिगो को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही कंपनी द्वारा लिये गये इनपुट टैक्स क्रेडिट को भी अवैध बताया गया है। एयरलाइंस ने पुख्ता विश्वास जताया है कि जीएसटी विभाग द्वारा जारी आदेश "त्रुटिपूर्ण और कानून के खिलाफ" है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय बिल लौटाया

राष्ट्रपति के इस फैसले को तमिलनाडु की स्टालिन सरकार के लिए झटका माना जा रहा है

- इस बिल में कुलपति को नियुक्त करने व हटाने की शक्ति राज्यपाल से छीनकर राज्य सरकार को देने का प्रावधान है।
- तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी इसे मंजूरी नहीं दी थी तब स्टालिन सरकार सुप्रीम कोर्ट तक चली गई थी।

चेन्नई, 30 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय विधेयक को वापस लौटा दिया है, जिसे एम.के. स्टालिन सरकार के लिए एक झटके के रूप में देखा जा रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक का उद्देश्य राज्य संचालित मद्रास विश्वविद्यालय में कुलपतियों को नियुक्त करने और उन्हें हटाने की शक्तियों को राज्यपाल से छीनना था। तमिलनाडु विधानसभा ने अप्रैल 2022 में इस विधेयक को पारित कर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा था, जिसका लक्ष्य 168 साल पुराने इस विश्वविद्यालय का नियंत्रण अपने हाथ में लेना था। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से अधिक समय से यह विश्वविद्यालय बिना किसी कुलपति के चल रहा है।

राष्ट्रपति ने तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित इस विधेयक को पुनर्विचार के लिए अब वापस विधायिका के पास भेज दिया है। यह विधेयक मद्रास विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन करने का प्रयास करता है, जिसके तहत अधिनियम में कुलाधिपति शब्द को सरकार से बदलकर कुलपति नियुक्त करने और हटाने की शक्ति राज्यपाल से राज्य सरकार को हस्तांतरित की जानी है। राज्यपाल आर.एन. रवि ने इसे राष्ट्रपति के पास तब भेजा था, जब राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, क्योंकि राज्यपाल इस विधेयक को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी कर रहे थे। यह विधेयक उन विधेयकों के समूह में पहला था, जिन्हें सदन में राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति और उन्हें हटाने की राज्यपाल की शक्तियों को छीनने और वह शक्ति राज्य सरकार (मुख्यमंत्री) को सौंपने के लिए पारित किया गया था। यह विवाद तब शुरू हुआ था, जब राज्यपाल ने कुलपति चयन पैनल में राज्यपाल, सरकार और विश्वविद्यालय के नामांकित व्यक्तियों के अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के एक प्रतिनिधि को शामिल करने पर जोर दिया था।

दिल्ली में भारी ठंड और प्रदूषण की मार

- मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार को हालात और बिगड़ने की चेतावनी दी।

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। दिल्लीवासियों को मंगलवार सुबह ठंड और प्रदूषण से कोई राहत नहीं मिली और राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार सुबह का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में था, जिससे कई लोगों को आसानी से सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आज सुबह लगभग नौ बजे राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई स्तर 389 था, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है, जबकि आनंद विहार, अशोक विहार, चांदनी चौक, जहांगीपुरी, नेहरू नगर, नॉर्थ कैंपस, रोहिणी और वजीरपुर सहित कई स्थानों पर एक्यूआई स्तर 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहने का अनुमान है।

राहुल गांधी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति का इस्तेमाल कर सचिन पायलट को पीसीसी अध्यक्ष बनने से रोकें और डोटासरा को ही इस पद पर बनाए रखें।

बताया जाता है कि पार्टी के शीर्ष स्तर पर वेणुगोपाल राहुल गांधी से अपनी नज़दीकी का इस्तेमाल कर अपना एजेंडा चला रहे हैं और अपनी मर्जी के हिसाब से नेताओं को बढ़ावा दे रहे हैं या उन्हें नीचा दिखा रहे हैं। राहुल गांधी पार्टी और संगठन के छोटे-छोटे मामलों में दखल नहीं देते हैं और उन्होंने लगभग पूरी पार्टी के सी वेणुगोपाल को सौंप दी है।

इससे मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और कई अन्य नेता नाराज हैं," जिससे राहुल गांधी दबाव में आ गए हैं।

नए साल में ऐसा बहुत कुछ देखने को मिल सकता है।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिचालन शुरू कर दिया गया था।

कैट-3 की प्रक्रिया के दौरान जो विमान और चालक दल के सदस्य कैट-3 के लिए योग्य हैं, वही लैंडिंग और टेकऑफ कर सकते हैं।

कैट-3 उपकरण समर्थित लैंडिंग और टेकऑफ की सबसे उन्नत सुविधा है, जिसका इस्तेमाल बेहद घने कोहरे की स्थिति में किया जाता है।

ताइवान सीमा पर चीन का भारी सैन्य अभ्यास

- अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी दी कि चीन असल में ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है
- ताइवान ने चीन के सैन्य अभ्यास पर चिंता जताई पर कहा कि चीन का हमला हुआ तो ताइवान जवाब देने को तैयार है।

ताइपे, 30 दिसंबर। ताइवान के आसपास के हवाई क्षेत्र और समुद्री क्षेत्र में मंगलवार सुबह तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 130 विमान, 14 नौसैनिक जहाज और आठ सरकारी जहाज देखे गये हैं।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों में से 90 विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्रों (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गये। इन गतिविधियों के मद्देनजर ताइवान के अधिकारियों ने एक आपातकालीन परिचालन केन्द्र स्थापित किया है और वे हाई अलर्ट पर हैं।

यह ताज़ा गतिविधि चीन द्वारा सोमवार को शुरू किये गये बड़े पैमाने के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच सामने आई है। जस्टिस मिशन 2025 कोड नाम वाले इस अभ्यास में सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं। चीन का कहना है कि यह अभ्यास ताइवान की स्वतंत्रता चाहने वाली अलगाववादी ताकतों और विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ एक चेतावनी है।

चीन के कोस्ट गार्ड ने दो अन्य क्षेत्रों पर अपना दावा किया है, जबकि ताइवानी इंटेलिजेंस के डिप्टी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल ह्सिएह जिह-शेंग ने कहा कि चीन के पांच क्षेत्र ताइवान की 12-नॉटिकल मील (22 किमी) की क्षेत्रीय समुद्री सीमा के भीतर आते हैं।

1943 में 30 दिसंबर को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ खुल्लम-खुल्ला मारपीट व हत्या व आगजनी की घटनाओं के कारण, बांग्लादेशियों के घुसपैठियों का मामला, जनता की दुखती नब्ज़ को समझ में आ रहा है और ममताजी पहली बार घुसपैठियों को खुला प्रश्रय व समर्थन देने में कतरा रही हैं।
- राजनीतिक स्थिति उलझी हुई है तथा और उलझती जा रही है, ऐसे में आगामी अप्रेल में होने वाले इलैक्शन में चुनावी संघर्ष काफी गंभीर होगा तथा पहली बार ममताजी पर गाज गिर सकती है।

बहुसंख्यक समुदाय को लुभाने के लिए वे खुले तौर पर कुछ हिंदू कार्यक्रमों का सहारा ले रही हैं।

आज कोलकाता में एक सभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस 2011 से राज्य पर शासन कर रही है और इस दौरान उसने बंगाल को पूरी तरह तबाह कर दिया है। तृणमूल शासन में डर, धमकी, कुशासन और सीमा पार से घुसपैठ को बढ़ावा मिला है।

भाजपा नेता ने अपने भाषण का मुख्य मुद्दा घुसपैठ को बनाया, जो बंगाल के दूसरे हिस्से में हो रही घटनाओं के कारण बेहद संवेदनशील हो गया है। बांग्लादेश में हिंदुओं की लिंचिंग, उन पर लगातार हमले और पड़ोसी देश की अस्थिर स्थिति से सीमावर्ती राज्य अनजान नहीं रह सकता।

मामले अब और भी जटिल हो गए हैं, क्योंकि कुछ बांग्लादेशी नेताओं ने एक ग्रेटर बंगाल बनाने के लिए देश के कुछ हिस्सों को जबरन लेने की बात कही है। भले ही यह बात हास्यस्पद थी, लेकिन इस बयानबाजी को नज़रअंदाज नहीं किया गया और बनर्जी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी, जिसे मुसलमानों ने पसंद नहीं किया।

शाह ने कहा कि पिछले पंद्रह वर्षों में इतनी भारी घुसपैठ हुई है कि यह अब केवल राज्य की चिंता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा पर इसका असर पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा की सरकार बनने पर न केवल घुसपैठ रोकी जाएगी, बल्कि ममता बनर्जी के शासन में घुसे सभी लोगों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाएगा। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार और जबरन वसूली सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस के बंगाल प्रशासन का पर्याय बन चुके हैं, जिससे राज्य का विकास रुक गया है। भाजपा सरकार इस प्रक्रिया को पलट देगी और राज्य के विकास के रास्ते खोलेगी।

नतीजा यह है कि आज बंगाल आर्थिक प्रगति और विकास की कमी से जूझ रहा है, जबकि देश के बाकी हिस्से तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले साल अप्रैल में चुनाव के बाद जब भाजपा सत्ता में आएगी तो राज्य में तेज विकास होगा।

बांग्लादेश की स्थिति राज्य में खास तौर पर संवेदनशील माहौल बना रही है। अल्पसंख्यकों के साथ बदसलूकी और डराने-धमकाने की खबरें आ रही हैं। इसके अलावा बांग्लादेश अब सिलीगुड़ी के पास उत्तर-पूर्वी राज्यों को जोड़ने वाले पतले भूभाग, जिसे "चिकन्स नैक" कहा जाता है, को लेकर खुले तौर पर भड़काऊ बयान दे रहा है।

बांग्लादेश ने दावा किया है कि वह इस गलियारे पर कब्जा कर उत्तर-पूर्व को देश के बाकी हिस्सों से काट देगा। उत्तर-पूर्वी राज्यों के कुछ नेताओं ने भी इस अशांत माहौल में कडे जवाब देने शुरू कर दिए हैं।

कुल मिलाकर राज्य राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर बढ़ रहा है और इससे पूरी तरह से नए समीकरण बन रहे हैं।

खालिदा ज़िया के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जयशंकर

- विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री जयशंकर बुधवार को बांग्लादेश जाएंगे मौजूदा हालात में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

नयी दिल्ली, 30 दिसम्बर। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा ज़िया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बुधवार को बंगलादेश जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए डा. जयशंकर के बेगम ज़िया के अंतिम संस्कार में भाग लेने को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

सिंधु जल विवाद पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद से भारत ने चेनाब, झेलम व सिंधु पर कई तरह के प्रोजैक्ट्स शुरु करने की योजना बनाई है, ताकि पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोका जा सके।

मंजूरी मिलने से निर्माण कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है और इसकी अनुमानित लागत 3,200 करोड़ रुपये बताई गई है।

दुलहस्ती स्टेज-2 की योजना मौजूदा 390 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज-1 परियोजना के विस्तार के रुप में बनाई गई है, जिसे 2007 में शुरू किया गया था। नई योजना के तहत, स्टेज-1 स्टेशन से 3,685 मीटर लंबी सुरंग के जरिये पानी का बहाव मोड़ा जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के फैसले के बाद, भारत ने सिंधु बेसिन में कई जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण की योजनाएं तेज कर दी हैं, जिनमें रैटल, बर्सर, पकल दुल, क्वार, किरु, कीर्थल-1 और 2 तथा सावलकोट स्थित परियोजनाएं शामिल हैं। भारत ने सावलकोट को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित किया है।

चूँकि पाकिस्तान की कृषि सिंधु नदी के पानी पर काफी निर्भर है, इसलिये इस्लामाबाद ने आरोप लगाया है कि भारत "पानी को हथियार बना रहा है" और चेतावनी दी है कि भारत द्वारा पानी के बहाव को रोकने वाला कोई भी कदम "युद्ध जैसा कदम" माना जाएगा। बाद में पाकिस्तान ने भारत से संधि बहाल करने और शर्तों को फिर से तय करने के लिए संवाद का प्रस्ताव भी रखा। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पत्र लिखकर भारत पर पानी को हथियार के रुप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। इस्लामाबाद का दावा है कि भारत द्वारा सिंधु के पानी को अचानक रोकने और छोड़ने से जल प्रवाह में भारी गिरावट आई है, जिससे बुवाई के अहम मौसम में खेती के लिये संकट पैदा हो गया है। उसने चेतावनी दी है कि यदि इन जीवनरेखाओं (नदियों) में लंबे समय तक रुकावट आई तो इससे देश की खाद्य सुरक्षा और लोगों की आजीविका पर गहरा असर पड़ेगा और इसे "गंभीर और शत्रुतापूर्ण कार्यवाही" माना जाएगा।

सेना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हल्का, ट्विन-इंजन वाला बहु-उद्देशीय हेलीकॉप्टर है।

ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकते हैं। इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर जोड़े गए हैं। इनमें क्रैशवर्थी सीटें, सेल्फ-सीलिंग फ्यूल टैंक और ट्विन-इंजन सेटअप शामिल है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908